कुरमाली व्याकरण



कुरमाली व्याकरण

2

कुरमाली व्याकरण

डॉ. एच. एन. सिंह

झारखण्ड झरोखा, राँची

5

ISBN : 978-93-85595-21-9

प्रथम संस्करण : 2017

प्रकाशक : झारखण्ड झरोखा
दुकान न.– डी. जी. 03, न्यू बिल्डिंग, न्यू मार्केट,
रातू रोड, राँची, (झारखण्ड), पिन न. 834001
मो. 09973112040, 09471160792
E-mail : jharkhandjharokha@yahoo.com

मूल्य : 150.

KURMALI OYAKARAN

by

Dr. H. N. Singh

आपन बात

भासाव (भाषा) विकासेक आपन नियम रहे हेइक। भासा माहान कनऽ समाजेक परम्परा के देखाल जाइ पारेइक। भासा समाज माहान रही के देश, काल, सभ्यताक अनुजाइं बनेक आर बगड़ेइक । हामरा आपन मनेक भाभ चाहे विचार भासाक दाराइं परस्फुट करियो। खांटी आर ठउका भासा कहेक आर लिखेक हांतिर हामराक तेंहें बैयाकरन बेजाइं दरकारी हेकेइक। बेयाकरनेक दाराइं भासा सुघड़ आर पाकठऽ हेइक। इटा जानल काथा हेकेइक जे बेयाकरन भासाक दावने रहे हेइक आर भासाक अनुजाइं हेर-फेर हेते रहे हेइक आर अनुजाइं बेयाकरनेक सिरजन हेइक।

इटा सभे विद्ववानराइं गतल आहात जे शिक्षा के आगु बाटे बाढ़ावेक तेहें मातृभाषाक दाराइं पढ़ा-लिखा हेवा चाही। त्रिभाषा फार्मूलाक अनुजाइं राँची विश्वविद्यालये जनजातीय आर क्षेत्रीय भाषाक पढ़ाइ-लिखोइ कर सरजाम कराल गेलेइक। एसे तऽ जखन तड़ित मातृभाषाक माध्यमे पढ़ाइ नि उचरल रहेइक तखन तड़ित बेयाकरनेक कनऽ दरकार नि रहेइक। तबे जखन कुरमाली भासाक मेट्रिक ले एम. ए. तड़िक पढ़ाइ सुरू हेइ गेल आहेइक तखन व्यवस्थित पढ़ा-लिखाक तेहें नाना रकमेक पथिक दरकार हेहेइक।

जदि हामरा टउरे जाइयो तऽ देखे पाइयो जे लिखल पथि माहान सभ ले पहिल बेयाकरनेक चरचा डॉ. जार्ज अब्राहम ग्रियर्सने 'लिंग्विस्टिक सर्वे ऑव इंडिया' (1903) माहान करल आहात। तबे अरा आबगा संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आर काल कर लेइके लिखल आहात। अराक परे चक्रवर्ती देवकी नन्दन प्रसादे (1953) आपन दुइयो पथिइं 'ना धरे आँखि जल आँखि पाते' आर 'केते अकुहा भाषा केते उत्तला आशा' माहान कुरमाली गीतेक अनुजाइं किछु कारक, संज्ञा, क्रियापद, विशेषण आर सामासिक पदेक चरचा करल आहात। तबे इ दियो पथिगिला आबगा बेयाकरनेक ना लागेइक। सन् 1958 ई. माहान डॉ. विश्वनाथ प्रसाद आर डॉ. सुधाकर झा शास्त्रीयइं - लिंग्विस्टिक सर्वे ऑव सदर सब-डिविजन ऑव मानभूम एण्ड धलभूम' माहान कुरमाली बेयाकरनेक लेइके लिखल आहात। इ पथिटाइं कुरमालीक क्रिया, सर्वनाम, विशेषण, वाच्य आर वाक्य रचना आर प्रत्यय कर चरचा करल आहात। इटाकोऊ

हामरा गटागटि बेयाकरन नि कहे पारियोक।

सन 1962 माहान डॉ. नन्द किशोर सिंह आपन शोध-प्रबंध 'कुरमाली बोली : एक भाषा तात्त्विक अध्ययन' माहान कुरमाली बेयाकरेक अरासरा बरनन करल आहात, संगे-संगे कुरमालीक भाषा वैज्ञानिक बिसेसता के निखरावल आथिक। सन् 1973 कर काछाकाछिइं खुदीराम (क्षुदीराम) महतोइं 'कुर्माली भाषा तत्व' नामेक एकटा छटमटऽ बेयाकरनेक पथि लिखल आहात जेटाइं कुरमाली भाषाक इतिहास, बिसेसताक संगं-संगे कुरमालीक सर्वनाम, विशेषण, संज्ञा, वचन, लिंग, कारक, वाच्य, अव्यय, क्रियाविशेषण निमुद देइके चरचा करल आहात। इटा जानेक काथा जे एखन तड़ित बेयाकरनेक कनऽ पारिभाषिक शब्दावली के नि बदलल गेल रहेइक।

जखन 1980–82 बछर माहान रांची विश्वविद्यालये जनजातीय आर क्षेत्रीय भाषाकर पढ़ाइ सुरू हेलेइक तखन कुरमालीइं पथिक बेड़े कटकिना रहेइक। दरकारेक अनुजाइ कुरमालीक लेखके भिनु-भिनु विधा माहान आदाबादी पथि सिरजे लागला। तखन पथिक सिरजेइयाइं आपन-आपन हिंसाबे भाषा-साहित्य कर नाम आलेदा-आलेदा देइ लागलेथिक। केवे साहित्य के (धंगरि) तऽ केवे व्याकरण के (बेइआकरन, भाड.अर, बेउरा) नाम देलथिक। एहे नियार संज्ञाक तेहें (आंगा, बाना, देखूतटुम) क्रिया (सरान, कामटुम), अक्षर (आक्षर, आखर) ध्वनि (धमस) शब्द (साड़ा, सब्द), वाक्य(टुम, कथा), विशेषण (गुनिन, साजानटुम), सर्वनाम (अउजि, आजिटुम), कारक (परिक, काम नाता) वचन (लेखा, गनती), लिंग (लिंग, नरमेदिक ठेकान), काल (बेरा, खन) समास (एकुन, संजड़लटुम), संधि (जड़ावल टुम), नामधातु (आनटुम काम) वाच्य (आदाबादी कामिया), विराम चिह्न (थांभाजुकति), अव्यय (तामान, ढिठ खेजा), पहेली (जानकेहनी, धांधा) आरऽ-आरऽ नाम सिरजल गेल आहेइक। नवरतन सिरजल/गढ़ल साड़ागिला पढ़ुवा छवाराक तेहें आबगा आंटे नि लागेहेन बरंच बुझेइतकोऊ मसकेइत हेहेन। मर हिंसाबे तऽ साहित्य हेऊक बा व्याकरण पारिभाषिक साड़ा के जेसनेक तेसने रहे देवा चाही। मोंय एखन जे बेयाकरनेक पथि लिखल आहों उटाइं सभ ले पहिल हिन्दीक पारिभाषिक सबद केउ जाइगा देल आहेइं, काहे न हामराक छवाराके हिंदी संग

तालमेल राखेइ हेतेइ। हामर हियाँ हिंदी राजकीय भाषाक संगे-संगे व्यवसायिक भाषाऊ हेकेइक। हिंदीक बिनु हामराक काम नि चले पारेइ। मके झंकमारी नवरतन गढ़ल साड़ा बेबहार करे हेल आही, काहे न सुरूइं जे साड़ाक चलन हेल आहेइक, उटा छवाराक मगजे गाढ़ी मारल आहेन। जाहोऊक, उचारनेक अनुजाइं एकटा सरल, सापटा आर ठउका बेयाकरन लिखेक मोंय कसनि करल आहों। एखन कुरमाली माहान बानानेक पेंच आहेइक। सभे पथि सिरजेयाइं आपन-आपन हिंसाबे बानान लिखहत। मर लिखलटाइ ठउका हेतेइक बा हेकेइक, इटाक मोंय दावा नि करोंहों। इटाक तसफिया तऽ कुरमाली पढ़ेइयाछवाराइं करता एहे मर बिसास।

विजया दशमी, 2017 — एच. एच. सिंह

विषय सूची

व्याकरण (बेयाकरन)

पंहिल हामरा के जाने हेती जे बेयाकरन किना हेकेइक। एसे तऽ बेयाकरन सबद (साड़ा) कर माने हेकेइक – व्याख्या करा बा कनऽ जिनिसेक अरासरा बाखान करा – (व्य – व्याख्या आर करण कर करा)। व्याख्या कराक माने बा धेइ आबगा भाखाकर व्याख्या करा। दसर कन जिनिस किमबा साहित्यकर निहिं। महर्षि पतंजलिइं आपन 'महाभाष्य पथि माहान बेयाकरनेक धरन एहे नियार देल आथिक – 'लक्ष्य लक्षणे व्याकरणम्' ताकेर माने भाखा (भाषा) के आपन दावऽने राखी के नियम आर संगे-संगे उदाहरनेक जुड़तिक नाम बेयाकरन हेकेइक। बेयाकरनेक बेगर कनऽ भाषा के ठउका आर सुघड़ रूप नि देवाल जाइ पारेइक।

भाषा समाज माहान रही के देश, काल सभ्यताक अनुजाइं बनेक आर बगड़ेक बा भेसताइकों जेसे-जेसे समय पाइराले जाइक, रसे-रसे बदलीकुहुन भासाइं नवतन रूप धरेइक। जेसन- संस्कृत ले प्राकृत, पालि ले अपभ्रंश, अपभ्रंश ले हिन्दी भाषा बनल आहेइक, एसन पंडितराक बिचार। हामरा आपन मनेक भीतर बा बिचार भासाक दारइं परस्फुट करियो। बेयाकरने भासाक लेइ केइ बिचार कराल जाइक।

इटा जानाल काथा हेकेइक जे भासा वाक्य (टुम) ले बनेइक। टुम सबद (साड़ा) ले आर अक्षर (आखड़) ले साड़ा। आखड़ भासाक सबले छटऽ इकाई हेकेइक। भासाक तीन खेजा (अंग) आहेइक – 1. अक्षर (आखड़) शब्द (साड़ा) आर वाक्य (टुम)। ताकर माने आखड़/ साड़ा/ टुम। खांटी आर ठउका कहेक आर लिखेक तेहें बेयाकरन हामराक खातिर बेजाइं दरकारी। बेयाकरनेक दाराइं भासा सुघड़ बनेइक, पाकठऽ हेइक आर शिष्टता आवेइक जबे अकर कनऽ नियम रहेहेइक। जे शास्त्रइं भासा के नियमे बांधेक अके बेयाकरन कहाल जाइक। अहेटा लेइ भासाक खांटी आर ठउका रूपेक बाचिक पावाइक, कहेक-लिखेक हुनेइर बाढ़ेइक।

कनऽ भासाक तेहें बेयाकरन बेजाइं दरकारी हेकेइक। तावे काहुँ-काहुँ भासाक धरन के हानता देइक। तबे भासा के जियँत राखेक जालाइं बेयाकरन भासाक अनुजाइं लिखाल जाइक। सेइ माहान बेइर-बेइर बेयाकरने उलट-पलट हेते रहे हेइक। बेयाकरन भासाक दावऽने रहेहेइक आर भासाक अनुजाइं उलट-फेर हेते रहे हेइक। तबे भासाक अनुजाइं बेयाकरनेक सिरजन हेइक।

हेइक। तबे भासाक अनुजाइं बेयाकरनेक सिरजन हेइक।

व्याकरण का विभाग - (बेयाकरनेक खेजा) :- हामरा जानियो जे भासा टुम ले बनेइक। टुम साड़ा ले आर साड़ाक सिरजन हेइक आखड़ (धमस) ले। सेइ माहान बेयाकरन के मूल रूप माहान तीन खेजा कराल जाइ पारेइक :-

1. अक्षर (आखर/ आखड़ - Letter)

2. शब्द (साड़ा -Word) आर

3. वाक्य (टुम -Sentence)

एहे नियार कहे पारियो - आखड़ / धमस > साड़ा > टुम > = भाखा/भासा (भाषा)।

1. **अक्षर** (आखड़) : इटाक भीतरे आखड़ेक गढ़न, भेद, उचारन आर आखड़े मिली के साड़ा किना नियार बनेइक, उटाक नियम देवाल जाइक।

2. **शब्द** (साड़ा /सबद) :- साड़ाइं साड़ाक रकम, साड़ाक सिरजन आर एकर रूप (गढ़न) किना नियार बदलेइक, इटाक लेइके विचार कराल जाइक।

3. **वाक्य** (टुम) :- टुम माहान टुमेक भिनु-भिनु अंगकर एक दसर संग किना नाता रहे हेइक आर साड़ा ले टुम गढ़ेक नियम देवाल जाइक।

अक्षर (आखर/आखड़ -Letter)

लिखेक टाइं जे धमसेक (ध्वनि) चिनहागिला बेबहार हेत, उगिला के आखर/आखड़ कथिन। जीभ, तारू, कण्ठ के मिलीकुहुन जे धमस हेइक, उ धमस (ध्वनि -Sound) के आखर कहाल जाइक। हामरा के जानेक दरकार जे धमस (ध्वनि) आर आखड़ (अक्षर) माहान किना फरक आहेइक। जेसन - 'कलम' एकटा साड़ा हेकेइक। इटाइं क+ल+म तीनटी आखड़ आहात। मन्तुक धमस (वर्ण/ध्वनि) क्+अ+ल्+अ+म्+अ = छ टी आहात। इ धमसगिला (ध्वनि) भासाक छटऽ ले छटऽ खांड़ा हेकत जाके धमस (वर्ण ध्वनि) बा अक्षर (आखड़) कहाल जाइक। तब वर्ण (धमस) आर अक्षर (आखर)माहान रिचिक फरक आहेइक। वर्ण (धमस) कर माने हेइक - उचारनेक सभ ले छटऽ खांड़ा आर अक्षर (आखड़) कर माने हेइक

उचारनेक छटऽ ले छटऽ खांड़ा जाके फेइर खांड़ा नि कराल जाइ पारेइक। जेसन -'अ-आ' गिला के हामरा उचारन करे पारियोन आर इ गिलाक फेइर छटऽ खांड़ा नि हेइ पारेइक, सेइ माहान इगिला वर्ण (धमस) बा अक्षर (आखड़) हेकत।

हामरा 'क-च' एसन भजानु (व्यंजन) के उचारन करे पारियोन सेइ माहान इगिला वर्ण (धमस) जरूर हेकत, तबे इगिलाइं 'अ' उसरनि (स्वर) मेसाल आहेइक। जदि इ आखड़गिला के खांड़ा करियोन तऽ एकर दुइ खांड़ा हेइ पारेइक। जेसन - क्+अ, च्+अ। इ खांड़ा ले उसरनि (स्वर) कर उचारन तऽ हामरा करे पारियो पारेइक तबे भजानु (व्यंजन) क्-च् कर उचारन नि करे परियो। सेइ माहान उसरनि के छाड़ी के भजानु (व्यंजन) जदपि नि उचारन करे पाराल जात, तावे उचारनेक आखिर खांड़ा हेवेक माहान आखर/आखड़ जरूर हेकत। जखन उचारन नि कराल जाइ पारत, सेइ माहान वर्ण (धमस) ना लागत। कहेक माने हेकेइक धमस (वर्ण) उचारन हेवेइया छटऽ ले छटऽ खांड़ा हेकेइक तऽ अक्षर (आखड़) बुझेक तेहें छट ले छट खांड़ा हेकेइक तऽ अक्षर (आखड़) बुझेक तेहें छटऽ ले छटऽ खांड़ा।

आखड़ दुइ रकम आहात - 1. **स्वर** (उसरनि/आबगा राउ) आर
2. **व्यंजन** (भजानु/भजना राउ)

कुरमाली भासाक भिनु-भिनु धमस गिलाक तेहें देवनागरी कर स्वर ध्वनि गिलाइ बेबहार कराल जात। देवनागरीक स्वर गिला माहान - अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ओ स्वर गिलाक बेबहार हेइक।

अ -

आ - घार, आखड़ा, गागरा, पाहाड़

इ - पुइ, दुइ, (ह्रस्व 'इ' कर बेबहार बेसी भागे कराल जाइक)

ई - मूढ़ी, बूढ़ी, खीर

उ- घिउ, जिउ, घाउ

ऊ - दूध, रूपा, मूसा, मूला, ठूला

ए - काहे, काके, ढेबुआ

ओ - जाइगा अनुजाइं काहुँ-काहुँ 'ओ' कर बेबहार करेत। जेसन - मर-मोर, तर-तोर, गरा-गोरा, दना-दोना, कठा-कोठा। 'ऐ' आर 'औ' कर उचारन बारेक के 'अइ' आर 'अउ' लिखेक आर उचारन करेक प्रवृत्ति पावाल जाहेइक। जेसन - पैसा-पइसा, कौआ-कउआ, पैला-पइला। हिंदीइ मानक स्वर मूल रूप माहान 11 (ग्यारह) आहात - अ, आ, इ, ई उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ। हिंदी स्वर वर्ण 'ऋ' कर उचारन 'रि' कराल जाइक। जेसन - ऋण - रिन, ऋतु - रितु।

फेइर स्वर गिला के दुइ खांधाइं राखाल गेल आहेइक - 1. दीर्घ स्वर (दमालु उसरनि) आर 2. संयुक्त स्वर (भजानु उसरनि)।

1. **दीर्घ स्वर** (दमालु उसरनि) :- जखन एक डुल मूल स्वर संग मिलीकुहुन जे स्वर गिला बनत अरा के दीर्घ (दमालु उसरनि) कहाल जाइक। जेसन - अ+अ =आ, इ+इ = ई, उ+उ = ऊ।

2. **संयुक्त स्वर** (भजानु उसरनि) :- जखन दुइ रकमेक भिनु-भिनु स्वर (उसरनि) मिलीकुहुन जे स्वर (उसरनि) बनेइ, अके संयुक्त स्वर (भजानु उसरनि) कहाल जाइक। जेसन - अ+इ = ए, अ+उ = ओ।

कालकर अनुजाइं स्वर (उसरनि) दुइ रकम आहात - 1. ह्रस्व (हलुक उसरनि) आर दीर्घ (दमालु उसरनि)।

1. **ह्रस्व स्वर** (हलुक उसरनि) :- जन स्वर (उसरनि) कर उचारन करेक खने कम समय लागेइक, उगिला के ह्रस्व स्वर (हलुक उसरनि) कथिन। जेसन - अ, इ, उ।

2. **दीर्घ स्वर** (दमालु उसरनि) :- जन स्वर गिला (उसरनि गिला) के करेक खने बेसी समय लागेइक किमबा दुइ मात्रा लागेइक, अरा के दीर्घ स्वर (दमालु उसरनि) कथिन। जेसन - आ, ई ऊ।

मात्राक चिनहा - अ, आ, इ, ई, उ, ऊ

, ा, ि, ी, ु, ू

व्यंजन (भजानु -Consonant)

जन आखड़ गिलाक उचारन उसरनिकर मदते हेइक, उगिला के भजानु कथिन। इ सबगिलाक उचारन उसरनिक बेगर हेइ नि पारेइक। हिन्दी भाखा माहान व्यंजन वर्ण 33 मानाल गेल आहात तबे ड़, ढ़ मिलाइ कुहुन 35 आहात।

हिन्दी

क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न
प फ ब भ म

(ऊपर के पाँच पंक्ति) } **स्पर्श व्यंजन**

य र ल व - **अन्तस्थ**
श ष स ह - **ऊष्म**
क्ष त्र ज्ञ श्र - **संयुक्त व्यंजन**

कुरमाली भजानु आखर /आखड़

क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व - **अन्तस्थ**
स ह - **ऊष्म**

ड़ ढ़ (इ दुइयो आखड़ 'ट' खांधा माहान गनाल जात। एराक उचारन मूर्धा ले हेइक। इ दुइयो आखड़ सुरू माहान नि आवत)।

हामरा भजानु आखड़गिला के तीन खांधाइं राखे पारियोन :-

अल्प प्राण	महाप्राण	अनुनोसिक (नाखि भजानु)
(हलुक भजानु)	(दमालु भजानु)	
क च ट त प	ख छ ठ थ फ	ङ ञ न म
ग ज ड द ब	घ झ ढ ध भ	

अल्प प्राण (हलुक भजानु) – जन आखड़ गिलाक उच्चारन करेक खने निकासे रिचिक जर देवे हेइक, उ गिला के हलुक भजानु कहल जाइक। जेसन – क, ग, च, ज, ट, ड त द

महाप्राण (दमालु भजानु) – कहेक खने जन आखड़ गिलाइं निकासे बेसी जर देवे हेइक, उगिला के दमालु भजानु कथिन। हियाँ एकटा जानेक बात जे 'क' ले 'ख' कहेक टाइं निकासे बेसी जर देवे हेइक। ख, घ, छ, झ, ठ, ढ, थ, ध, फ, भ गिला दमालु भजानु हेकत।

अनुनासिक (नाखि भजानु) :- जन आखड़ गिलाक उचारन करेक जाइगाक संगे-संगे नाक ले कहेक कारन नाखि भजानु कहात। जेसन – ङ, ञ, न, म।
पेति खांधाक पहला, तीसरा आर पांचवां व्यंजन (भजानु) हलुक भजानु हेकत आर दूसरा आर चउथा भजानु महाप्राण।

1. **स्पर्श व्यंजन** :- पांच-पांच व्यंजन (भजानु) कर एक-एकटा खांधा आहेइक। स्पर्श व्यंजन वर्गकर संख्या पांच आहेइक। कंठ, तालु (तारू), मूर्द्धा, दांत आर ओष्ठ (होंठ) ले उचारन करिके कहेक कारन इगिला के स्पर्श व्यंजन (भजानु) कहाल जाइक। स्पर्श व्यंजन (भजानु) हेंठे देलगिला हेकत :- –

खांधा	आखड़	उचारनेक जाइगा
1. क वर्ग (क खांधा)	क ख ग घ ङ	(कंठ माहान जीभकर छूले)
2. च वर्ग (च खांधा)	च छ ज झ ञ	(तारू माहान जीभकर छूले)
3. ट वर्ग (ट खांधा)	ट ठ ड ढ	(मूर्धा माहान जीभकर छूले)
4. त वर्ग (त खांधा)	त थ द ध न	(दांत माहान जीभकर छूले)
5. प वर्ग (प खांधा)	प फ ब भ म	(दुइयो होंठ सटले)

2. **अन्तस्थः** – य, र, ल, व के अन्तस्थ आखड़ कथिन। काहे न इ आखड़गिलाक उचारन व्यंजन (भजानु) आर स्वर (उसरनि) कर मइधेक नियार बुझाइक। ताकर माने स्वर-व्यंजन (उसरनि-भजानु) कर अन्तः स्थिति (माझा-माझी रकम जानाइक इ गिलाक उचारन जीभ, तालु (तारू), दांत आर होंठ कर एक-दसर संग सटावल परे हेइक। इ चाइरो आखड़ के अर्द्ध स्वर (आधा उसरनि) कहाल जाइक।

3. **ऊष्म :-** एसे तऽ हिंदी माहान श, ष, स, ह, इ चाइरो आखड़गिला के ऊष्म व्यंजन (ऊष्म् भजानु) कहाल जात। तबे कुरमाली माहान आबगा 'स' आर 'ह' कर उचारन हेइक। सेइ माहान 'स' आर 'ह' ऊष्म भजानु कहाल जाइ पारत। इ गिलाक उचारन रगड़ हेल परे जे ऊष्म वायु (गरम हावा) ले हेइक।

जानेक किछु मूल काथा

1. 'क' खांधाक 'ङ' कर बेबहार किछु कुरमाली लिखेइयाइं करहत आर किछु एसन सबद (साड़ा) आहेइक, जेटाइं 'ङ' लिखाल जाइ पारेइक। जेसन- उलुङ (नंगा) डाङ (लाम्बा ठेंगा), टङ (पेरवा रहेक जाइगा)।

2. एहे नियार 'च' खांधाक 'ञ' करऽ एखन बेबहार कराल जाहेइक आर ठउका उचारनेक हांतिर बेबहार हेइ पारेइक। जेसन – दिञा (दीमक), चिञा (इमली का बीज) मिञा (मियाँ) आदर सूचक संबोधन सबद।

3. एखन 'ङ' आर 'ञ' कर जाइगा माहान (ं) अनुस्वार बा (ँ) चन्द्रबिन्दु कर कराल जाहेइक आर इ दुइयो आखड़ेक जाइगाइं (ं) बा (ँ) करले बेस हेतेइक।

4. 'ट' खांधाक 'ण' आखड़कर उचारन कराटा आंट। सेइ तेहें 'ण' कर जागाइं 'न' कर बेबहार हेइक। जेसन – गुण-गुन, ऋण – रिन।

5. अन्तस्थ व्यंजन (अंतस्थ भजानु) 'य' आर 'व' कर लेइके कहाल जाइ पारेइक जे साड़ाक सुरू माहान 'य' रहले अकर उचारन 'ज' हेइक। जेसन – यमुना – जमुना, यश – जस, युग – जुग, यम – जम।

जदि साड़ाकर मइध माहान 'य' रहेइ ताहेले 'य' कर उचारन जेसनेक तेसने रहे हेइक। जेसन – सियान, पियास। तबे कखनो-कखनो विकल्प माहान 'अ' कर बेबहर हेइक। जेसन – पियास-पिआस, सियान – सिआन।

जदि कनऽ साड़ाकर सुरू माहान 'व' आवेइ तबे अकर उचारन 'ब' हेइक। जेसन – विवाह – बिहा, वर- बर। 'य' आर 'व' दुइयो आखड़ेक उचारन मइध आर सेंस माहान असने रहे हेइक।

6. ऊष्म व्यंजन (ऊष्म भजानु) श, ष, स माहान आबगा 'स' कर उचारन हेइक।

7. संयुक्त वर्ण (मेसाल आखड़) गिला के भिनु-भिनु करि के उचारन करेक धरन पावाल जाहेइक। जेसन – प्रभु-परभु, शब्द –सबद, ध्यान – धेयान/धेआन, कर्म – करम, धर्म – धरम, पर्व – परब, सूर्य – सुरुज।

8. हिंदीक संयुक्त 'क्ष' कर उचारन कुरमाली माहान 'ख' आर 'छ' हेइक जेसन – क्षमा – खमा, अक्षर – आखड़, वर्षा – बरखा, रक्षा – रइखा, पक्षी – पाखी।

8. 'ज्ञ' कर उचारन 'गेया' बा 'गंय' नियार कराल जाइक। जेसन – गेयान।

10. कुरमाली माहान 'अकार' कर जाइगाइं 'आकार' कर बेबहार हेइक। जेसन – घर – घार, पहाड़ – पाहाड़, कथा – काथा, तमाड़ – तामाड़।

11. कुरमालीइं किछु साड़ाक मइध माहान 'इ' पाइन आनी के उचारन कराल जाइक जेसन – दाल – दाइल, रात – राइत, लात – लाइत, जाति – जाइत।

12. हिन्दीक स्वर वर्ण 'ऋ' कर उचारन 'रि' कराल जाइक। जेसन – ऋण – रिन, ऋतु – रितु। डॉ. जाल्मन दीमशित्सइं (मास्को) आपन 'हिन्दी व्याकरण' माहान लिखल आहात जे 'ऋ' कर उचारन 'री' नियार हेइक। इ स्वर (उसरनि) आबगा संस्कृत साड़ा माहान पावाल जाइक। 'ऋ' कर उचारनेक जाइगा मूर्धा हेकेइक। पं. कामता प्रसाद गुरूइं आपन 'हिन्दी व्याकरण' माहान लिखल आहात जे 'ऋ' हिन्दी माहान आबगा तत्सम साड़ा माहानेइ आबेइ। जेसन – ऋषि, ऋण। किछु एसन आखर आहात जे गिला आबगा संस्कृत (तत्सम) साड़ा माहान आवत। जेसन – ऋ, ण, ष।

शब्द –विचार (साड़ा/सबद फाड़न - Word)

सब्द (साड़ा)

शब्द (साड़ा) कर मूल माने हेकेइक 'ध्वनि' (धमस)। सुनाल जाइक से धमसगिलाक जुड़वाही के साड़ा कहाल जाइक। जखन साड़ा परिक, लिंग, लेखा, झन आर बेराक बाचिक करावेइया खेजा के आगुइं-पेछुइं लागाइ के बनावल जाइक, तखन 'पद' कहाल जाइक। साड़ाक गढ़न माहान धमस कर संगे अरथ (माने) जरूरी हेकेइक। एक किमबा एक ले बेसी धमस ले बनल जाकर माने हेइक, अके साड़ा कथिक।

शब्द (साड़ा) कर लेइके कहाल गेल आहेइक :-

'जो सुनि परै सो शब्द है, समुझि परै सो अर्थ।'

ताकर माने जेटा सुनाल जाइक, उटा साड़ा आर जेटा बुझाल जाइक अके अरथ (माने) कथिक।

साड़ा दुइ रकमेक हेइक : 1. सार्थक (वर्णात्मक)
2. निरर्थक (ध्वन्यात्मक)

1. **सार्थक** (वर्णात्मक) – जन साड़ा के हामरा लिखे पारियो। जेसन – आम, कलम, नदी।

2. **निरर्थक** (ध्वन्यात्मक) – जन साड़ा बा सबद हामरा सुनियो मनतुक उगिला के लिखे नि पारियो चाहे जन साड़ाक कनऽ अरथ नि हेइक। जेसन – उड़ा, जहाजेक साड़ा, रेल गाड़ीक साड़ा, ढ़ाघ, ड़ाझ, ड़ाघ, ड़ीहाँ हेनतेन।

बेयाकरने आबगा सार्थक सबद (साड़ा) करे बिचार कराल जाइक।

साड़ाक रकम (Kinds of Words)

साड़ा दुइ रकम आहेइक – 1. विकारी आर
2. अविकारी (तामान)

1. **विकारी साड़ा** :- जन साड़ागिलाक गढ़न बदलेइक बा हेर-फेर हेइक, उगिला के विकारी साड़ा कहाल जाइक। जेसन - तरा-तहरा, मोंय - मके, जावा - जाहिस/जात, नाच - नाचेइया, झूमर - झूमरिया, भादर - भादरिया।

2. **अविकारी साड़ा** (तामान) :- जन साड़ागिलाइं कनऽ रकमेक हेर-फेर नि हेइक बा कनऽ नियार नि बदलेइक ताकर माने अकर गढ़न जेसनेक-तेसने रहे हेइक, अके तामान कहाल जाइक। जेसन - आचाकाइ, रसे-रसे, दमतक, दमें आबगा, बेस, मनेक।

1. **विकारी साड़ा** - संज्ञा (आंगा -Noun), सर्वनाम (अउजि - Pronoun), विशेषण (गुनिन -Adjective) आर क्रिया (सरान -Verb) साड़ागिला के विकारी सबद/साड़ा कहाल जाइक।

संज्ञा (आंगा -Noun)

कनऽ जिनिसेक नाम के आंगा कथिक। डॉ. भोला नाथ तिवारीइं आंगाकर बाचिक एहे नियार देल आथिक -"कनऽ जीव-जन्तु, जिनिस, गुन काम बा भाव कर नाम संज्ञा हेकेइक (किसी प्राणी चीज, गुण काम या भाव आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं। आंगा पांच रकमेक आहात :-

1. व्यक्तिवाचक (झेनगी बाची - Proper Noun)
2. जातिवाचक (गठ बाची -Common Noun)
3. समूह वाचक (डिंगबाची - Collective Noun)
4. द्रव्य वाचक (देरिबबाची - Material Noun)
5. भाववाचक (गुनिन/धेइर बाची - Abstract Noun)

1. व्यक्तिवाचक (झेनगी बाची) - जेटाइं आबगा एक लगेक, एक जाइगाक बा एकटा जीव-जन्तुक बाचिक हेइक। जेसन -- जेठू, सबरनाखा, राँची, पइना पाहाड़।

2. जातिवाचक (गठबाची) – जन आंगा ले गटा जाइतेक बाचिक हेइक, अके गठबाची आंगा कथिक। जेसन – गरू, डांगर, गाछ, नेदी।

3. समूहवाचक (डिंगबाची) – जन आंगा ले कनऽ जिनिसेक जुमुक, डिंग, जुड़ती जानाल जाइक। जेसन – मेला, हाट, आसर, डिंग, कुधा, घउद, गादा, डाब, धंप, हुजा।

4. द्रव्य वाचक (देरिब बाची) – जन आंगा नापेक चाहे जखेक जिनिसेक लेइके जानाल जाइक। जेसन – तेल, दूध, चाउर, धान, रूपा, पीतर।

5. भाववाचक (गुनिन बाची/धेइरबाची) – जेटाइं कनऽ जिनिसेक दासा, दांइज, गुन जानाल जाइक। जेसन – हूब दालिदर, फेदान, आवसान, लुइर, खमा, चज, ठांढ़ा, गरम।

सर्वनाम (अउजि - Pronoun)

आंगाक दरूने आवेइया साड़ा अउजि कहाइक चाहे आंगाक अउजि माहान जन साड़ा बेबहार हेइक, अके अउजि आंगा कथिक। जेसन – जेठू घार गेल। ओंय बेस लग हेके। फागुइं खाइस। खाय के उ हाट जाताक। इ टुम गिलाइं ओंय आर उ अउजि हेकेइक। पहिलेक टुमटाइं जेठुक जाइगाइं 'ओंय' आर दसर टुमटाइं फागुक जाइगाइं 'उ' कर बेबहार कराल गेल आहेइक।

अउजि आंगा छ रकमेक आहात :-

1. पुरुष वाचक सर्वनाम (झनबाची अउजि - Personal Pronoun)
2. निजवाचक सर्वनाम (खुद/आपन बाची अउजि - Reflective Pronoun)
3. निश्चय वाचक सर्वनाम (सटीक बाची/ठउका बाची अउजि - Demonstrative Pronoun)
4. अनिश्चय वाचक सर्वनाम (आनसाठी बाची अउजि - Indenative Pronoun)
5. संबंध वाचक सर्वनाम (नाताबाची अउजि - Relative Pronoun)
6. प्रश्नवाचक सर्वनाम (खंचबाची अउजि - Introgative Pronoun)

1. पुरुष वाचक सर्वनाम (झनबाची अउजि) :- जन साड़ागिला बेटीछवा बेटाछवा/मरदेक नामेक जाइगा माहान आवल अउजि के झनबाची अउजि कहाल जाइक। एकर तीन रकम (भेद) मानाल गेल आहेइक :- 1. मीरझन (First Person), 2. पिठियाझन (Second Person) आर 3. आनझन (Third person)

(क) उत्तम पुरुष (मीरझन) :- सुनेइया के पिठियाझन कथिन। जेसन - मोंय, हामे (मैं),हामरा, हामरे (आपलोग)।
(ख) मध्यमपुरुष (पिठिया झन) :- सुनेइया के पिठियाझन कथिन। जेसन - तोंय (तुम), तरा, तहरा, तहरे (आप लोग)।
(ग) अन्य पुरुष (आनझन) :- जाकर लेइ के कहाल जाइक। जेसन :- ओंय, अहे, एहे, अरा, अखरा, अखरे, एखरा।

मटामटि भाभे हामरा झनबाची अउजि के तीन खेजा माहान राखे पारियोक - कहेइया (वक्ता), सुनेइया (श्रोता), आर जाकर लेइके कहाल जाइक (विषय)।

2. निजवाचक सर्वनाम (खुदबाची/आपनबाची अउजि) - आपन बाची अउजि माहान 'आपन', 'खुद' बा 'निज' कर बेबहार हेइक। जेसन - आपन, निज। <u>आपन</u> काथाइं तरी आर परेक काथाइं मरी। <u>निजे</u> ना मरले सरग देखबे।

3. निश्चय वाचक सर्वनाम (सटीक/ठउक ।बाची अउजि) - एसन अउजि माहान ठउका बाचिक हेइक। कुरमाली माहान सटीक बाची अउजि तीन आहात :- ठांवेक तेहें -'इ', रिचिक धूरेक जालाइं 'उ' आर बेसी धूरेक तेहें - 'हाऊ' कर बेबहार करल जाइक। जेसन -

ठांवेक तेहें - <u>इ</u> छवाटा काकर घारेक हेके ?

रिचिक धूरेक तेहें - <u>उ</u> छवाटी काकर घारेक हेकी ?

बेसी धूरेक तेहें - हाऊ पाहाड़टा बेजाइं ऊँचऽ आहेइक।

4. अनिश्चयवाचक सर्वनाम (आनसाठी बाची अउजि) - जन साड़ागिला ले आनसाठी जिनिस किमबा लगकर लेइके जानाल जाइक, एसन गिला के आनसाठी अउजि कहाल जाइक चाहे आनसाठीबाची अउजिकर थाही नि पावाइक। जेसन -

केउ, किछु, कनऽ, आरऽ, आरऽ।

5. संबंधवाचक सर्वनाम (नाताबाची अउजि) - जन साड़ा ले अउजिक नाता जानाल जाइक। जेसन - जेइं, तेइं, जारा, तारा, जाखरा, ताखरा। जेइं खाटत तेंइ चाटत। जारा रपल आहात तारा काटता। जाखरा पढ़ता ताखरा आगुबाटे बाढ़ता।

6. प्रश्न वाचक सर्वनाम (खंच/पूछाइर बाची अउजि) - जन साड़ा ले खंच बा पूछाइर किमबा सुधियावल जाइक। कन, किना, काहाँ, केसे खंचबाची अउजि हेकत। जेसन - कन रहे ? किना लाइ आवल रहे ? काहाँ गेल ? केसे बांचबे ?

कुरमाली माहान कनऽ आदर बा कदरबाची अउजि किमबा साड़ा नेखेइक। कदर चाहे आदर करेक तेहें पिठियाइन कर एकलेखा (एकवचन) के सांगी लेखा (बहुवचन) माहान बेबहार करल जाइक। जेसन - तरा, तहरा।

विशेषण (गुनिन - Adjective)

जन गुनिन ले आंगा, अउजिकर गुन, गनान, नाप, जख आरऽ आरऽ अउजिक बाचिक हेइक। जेसन - लेका, चाइर, बेनाइं, बेजाइ। गुनिन मटामटि चाइर बेजाइं दमड़ रकमेक (भेद) आहात :-

1. गुणवाचक विशेषण - आंगाक गुनिन
2. संख्यावाचक विशेषण - गनतीबाची गुनिन
3. परिमाण वाचक विशेषण - जखानबाची गुनिन
4. सार्वनामिक विशेषण - अउजिआंगा बाची गुनिन

1. गुणवाचक विशेषण (आंगाक गुनिन) :- जन साड़ा ले आंगा आर अउजि कर गुन जानाल जाइक। जेसन - लेका, लेलहा, डिगर, सियान, चेंदड़, लेदा, खाड़रा, झांपड़ा, झाइल, हेरिहर।

2. संख्यावाचक विशेषण (गनती बाची गुनिन) :- जन साड़ा ले कनऽ जिनिसेक गनती जानाल जाइक। एकर दुइ खेजा आहेइक :-

(क) निश्चित संख्यावाचक (ठेकान गनतीबाची)

(ख) अनिश्चित संख्यावाचक (बेठेकान/अनठेकान गनतीबाची)

(क) ठेकान गनतीबाची गुनिन - जेटाइं ठेकानिया गनती जानाल जाइक। जेसन -

दुइ, चाइर, पाँच।

(ख) बेठेकान/अनठेकान गनतीबाची गुनिन – जेटाइं गनतिक लेइके कनऽ ठउका नि जानाल जाइक। जेसन – कतेक, बेजाइं, किछु।

कखनऽ-कखनऽ बेठेकान गनतीबाची गुनिन के ठेकान गनती बाची करे तेहें साड़ाक परे 'एक' पाइन जड़ाल जाइक। जेसन – गटा आठेक खुखड़ी। कुरमाली माहान खेइलेक तेहें भिनु गनतीबाची गुनिन कर बेबहार हेइक। जेसन – एड़ी, दड़ी, घुरन, चाइल, चमपा, झेइक, सुतेइल, अठइ, नमी आर बांड़ी । तबे नित दिन माहान हिन्दीक संख्यावाचक (गनतीबाची) साड़ा रिचिक बदली कुहुन बेबहार करल जाइक। बीस कर तेहें 'कुड़ी' साड़ाक बेबहार हेइक। एहे नियार जखानबाची गुनिन कर 'बीस' कर तेहें 'खँड़ी' आर 'चालीस' कर तेहें 'काठ' साड़ाक बेबहार हेइक।

3. परिमाणवाचक विशेषण (जखानबाची गुनिन) :- जन साड़ा ले कनऽ नाप, जख बा गनती जानाल जाइक। जेसन – रिचिक, बेजाइं, दर्मे, डेड़हा, दबड़।

4. सार्वनामिक विशेषण (अउजि आंगाबाची गुनिन) :- जन आंगा कर पहिल आइ के अकर गुन जानाल जाइक। जेसन – इ, ओंय, जेंइ, अहे, कन।

इ लगटा बेस ना लागे – यह आदमी अच्छा नहीं है।

अहे लगटाइं मके मारल रहे – उस आदमी ने मुझे मारा था।

कन लग आवेस आहे ?– कौन आदमी आ रहा है ?

किछु छवा नित खेले जात – कुछ लड़के रोज खेलने जाते हैं।

क्रिया (सरान -Verb)

कुरमाली माहान नरलिंग आर मादा लिंगेक तेहें सरानेक एकलेखा आर सांगी लेखाक भिनु-भिनु गढ़न (रूप) आहेइक।

जेसन :-

राम जाइस आहे (राम जाता है)।

सीता जाइस आही (सीता जाती है)।

अरा जाहात (वे जाते हैं/वे जा रहे हैं)।

कुरमाली माहान सरान बेरा (काल), लेखा (वचन), आर पुरूस (पुरूष) कर अनुजाइं भिनु-भिनु हेत। आहे, आहों, आहेइक, हेके, आहिस,'हेवा' सरान कर कतेक रूप कुरमालीइं आहेइक आर इ सभ गिलाक बेबहार भिनु-भिनु अरथ (माने) माहान हेइक। इ सरान गिला बारनबाची (निषेधात्मक) रूप एकर ले भिनु आहेइक। जेसन –

'हेकेइक' सरान कर बारनबाची रूप 'नहेइक'।

'हेतेइक' सरान कर बारनबाची रूप 'निहेतेइक'।

'हेके' सरान कर बारनबाची रूप 'नहे'।

'आहे' सरान बारनबाची रूप 'नेखे'।

कुरमाली माहान बारनबाची (निषेधात्मक) सरानेक रूप – न, ना, नि, निहिं, नेहिं, ठेपो हेकेइक।

सिरजन बा गढ़नेक अनुजाइं कुरमाली गड़ा सरान दुइ रकमेक आहात – 1. मूलधातु (गड़ा सरान) आर 2. यौगिक धातु (जड़ाल/मेसाल सरान)

1. मूलधातु (गड़ा सरान) :- खा, जा, गुच, लेग, हुलुक, चुंगर, इड़िक, गड़ा सरान हेकत।

2. यौगिक धातु (जड़ाल/मेसाल सरान) :- जेटा कनऽ दसर साड़ा के मेसाइ के बने, जेसन – खा – खायेक।

'आव' 'उहेन' आरऽ-आरऽ पाइन मेसाइ के प्रेरणार्थक (हुड़न सरान) बनावल जाइक। आवती बेरा (भविष्यत काल) माहान 'म' 'ब' पाइन जड़ाल जाइक। जेसन – जाम, जाब, खाब, खेलब।

जड़ाल/मेसाल सरान तीन रकमेक हेत –

(क) प्रेरणार्थक क्रिया (हुड़न सरान –Instigative Verb)

(ख) नाम धातु (आंगा/सिरजान सरान)

(ग) अनुकरण धातु (बे-सरा सरान)

(क) **प्रेरणार्थक क्रिया** (हुड़न सरान -Instigative Verb) :- इटाइं कनऽ काम फरियावेक तेहें दसरे के फरियावेलाइ कहेइक। जेसन –

लेग (ले जाना) - लेगवाउ/लेजावाउ/लेगआउ
कड़ा (खोदना) - कड़ावहेन
करा (करना) - करावहेन, करावलेन
संपड़ा (तैयार करना) - संपड़ाव/संपड़ाउ

(ख) **नाम धातु** (आंगिक सरान/सिरजान सरान Verbs in structure) :- आंगिक सरान बा सिरजान सरान आंगा (संज्ञा), गुनिन (विशेषण) आर तामान (अव्यय) ले सिरजात। जेसन -

आंगाक साइठे बनल सरान -

आंगा	**सरान**
हाथ	हेथिआउ/हेथिआव/हेथियावल
लाइत	लेथिआव/लेथिआउ/लेथियावल
डहर	डहराव/डहराउ/डहरावल
चाटका	चाटकाव/चाटकाउ, चाटकावल
लेबदा	लेबदाव/लेबदाउ, लेबदावल

गुनिनेक साइठे बनल सरान -

गुनिन	**सरान**
चिकन	चिकनाव/चिकनाउ -चिकनावल
सझऽ	सझाव/सझाउ - सझावल
आधा	एधिया/अधिआ - एधियावल
पेछु	पेछुआव/पेछुआउ - पेछुवाअल
आगु	आगुआव/आगुआउ - आगुवावल

तामानेक साइठे बनल सरान :-

तामान	सरान
उपर	उपरिया

(ग) **अनुकरण धातु** (Imitative Verb)

अनुकरण साड़ा	**सरान**
ठकठक	ठकठकाव/ठकठाउ
हिरहिरी	हिरहिराव/हिरहिराउ

सहायक क्रिया (सता सरान - Helping Verb) :- जन सरानेक संग सारावेइ। जेसन -

जेठुइं पथि पढ़ेइस आहे।

ओंय घार जाइस आहे।

संयुक्त क्रिया (दहरीसरान -Compound Verb) :- जन सरानगिला दु गड़ा सरानेक लेइके बनत, अके दहरीसरान कहाल जाइक। जेसन -

फागु कांदे लागल।

ओंय चली गेल।

जेठु गिजडे लागल।

रितुइं ढाढ़ाइ देलेइक।

छवाटा कांदते रहेइस।

हेंठे देल गिला दहरी सरानेक रकम (भेद) हेकेइक :-

(क) आरम्भ बोधक ( ) :- कांदे लागल (रोने लगा)।
खेले लागल (खेलने लगा)

(ख) समाप्ति बोधक ( ) :- कमलाइं खाल हेती (कमला खा चुकी होगी)।
रामे काम करल हेत
(राम काम कर चुका होगा)।

(ग) अनुमति बोधक ( ) :- मके जाइ दे (मुझे जाने दो)। मके पढ़े लाइ नि देल (मुझे पढ़ने नहीं दिया)।

(घ) आवश्यकता बोधक ( ) :- मके घारे काम करे हेइ (मुझे घर में काम करना पड़ता है)। बेटी छवा के

जूनजूना — पढ़ा चाही (लड़कियों को
अनिवार्य रूप से — पढ़ना चाहिए)।

(ङ) इच्छा बोधक (   ) :- ओंय आवे खजेइस (वह आना चाहता है) ।

(च) शक्ति बोधक (   ):- ओंय चले पारेइ (वह चल सकता है)। तोंय पढ़े पारिस (तुम पढ़ सकते हो)।

(छ) निश्चय बोधक (   ) :- जेठु जागी गेल (जेठु जाग गया)। फागु चली गेल (फागु चला गया)।

(ज) नित्यता बोधक (   ) :- बासात बहे लागलेइक (हवा चलने लगी है)। धान फूटे लागलेइक (धान फलने लगा है)।

(झ) अवकाश बोधक (   ) :- ओंय जाइ नि पावल (वह नहीं जाने पाया) तोंय खेले नि पावले (तुम नहीं खेल पाये)।

पुनरूक्ति संयुक्त क्रिया (   ) :- ओंय नित आवा-जावा करेइ
(वह रोज आया-जाया करता है)
मर अकर संग उठा-बसा नि हेक
(मेरा उसके साथ उठना-बैठना नहीं है)।

कामेक ठाने सरानेक गढ़न :-

क्रिया (सरान) :- सरान अहे साड़ाटा के कहाल जाइक जेटाइं काम करे बा काम हेवेक जानाल जाइक। जेसन - मोहन पढ़ेइस आहे।

कामेक ठाने सरान दुइ रकम :-

1. सकर्मक क्रिया (करमिक सरान - Transitive Verb)
2. अकर्मक क्रिया (बेकरमिक सरान - Intransitive Verb)

1. सकर्मक क्रिया (करमिक सरान) :- जन टुम माहान सरानेक काम करनिक ठीन हेइक। जेसन - चइतुइं पथि पढ़ेइस आहे। ओंय टेमरस खाहेन।

2. अकर्मक क्रिया (बेकरमिक सरान) :- जन टुम माहान सरानकर टान करमिक

ठीनेइ हेइक। जेसन – दामड़ाटा इड़के साहे। रितु संड़गेइस। लुखरी गिजड़ेइस। इड़का, गिजड़ा, संड़गा, कांदा, बसा बेकरमिक सरान हेकत।

सरानेक दसर गढ़न (रूप)

1. **पूर्वकालिक क्रिया** (बेसरा सरान - ParticipleVerb) - जखन करमिइं एकटा काम सराइ के अहे खनेइ दसर काम माहान लागी जाइ, तखन पहिलेक सरान के (पूर्वकालिक) बेसरा सरान कहाल जाइक। जेसन – ओंय पढ़ी के घार चली गेल (वह पढ़कर घेर चला गया)।इ टुम टाइं 'पढ़ी के' बेसरा सरान हेकेइक। एहे नियार –

जा न छागेइरगिला हुलकी आवबेसिन (जाओ न बकरियों को देखकर आओ)
रामे घामगारी के टाका जहड़ावल आहे (राम ने पसीने की कमाई से रुपये इकट्ठा किया है)।
छवाटा हाबु हेइके भात खाताक (लड़का स्नानकर भात खायेगा)।

2. **क्रियार्थक संज्ञा** (सरान आंगा - Infinitive or Gerund) - कखनऽ-कखनऽ सरानेक बेबहार आंगाक नियार हेइक। जेसन –
अकर <u>गिजड़ाटा</u> मके बेस नि लागली (उसका हँसना मुझे अच्छा नहीं लगा)।
दिने <u>संड़गा</u> बेस ना लागेइक (दिन में सोना अच्छा नहीं है)।
<u>खेला–कूदा</u> करले गात बेस रहे हेइक (खेलने–कूदने से शरीर ठीक रहता है)

उपरेक टुम गिलाइं गिजड़ा, संड़गा, खेला-कूदा सरान हेकेइक मनतुक हियाँ आंगाक नियार बेबहार हेल आहेइक।

3. **द्विकर्मक क्रिया** (दहरी करनि सरान) – कखनऽ-कखनऽ टुम माहान सरानेक दुइ करनि (कर्म) रहहत। जेसन –
रामे <u>छवाटा के</u> <u>मिठाइ</u> देलेइक (राम ने <u>लड़के</u> को <u>मिठाई</u> दिया)।

4. **विधि क्रिया** ( ) – सरानेक जन गढ़न (रूप) माहान आज्ञा, अनुमति,

प्रार्थना, अनुरोध, निषेध जानाल जाइक। जेसन –
तोंय जाइं – तुम जाओ (आज्ञा)
मके जाइ दे – मुझे जाने दो (अनुमति)
तोंय ना जाइं – तुम मत जाओ (निषेध)

क्रिया की दशाएँ (सरानेक दासा - Moods of Verb)

सरानेक एसन गढ़न जेटाइं कहेइयाक भाभकर चलन जानाल जाइक सरानेक दासा बा अरथ कहाइक। मटामटि भाभे सरानेक मूल अरथ पांच रकमेक आहेइक :-

1. **निश्चार्थ** (सटीक/ठउका) –जेटाइं कनऽ ठउका बात जानाल जाइक ।जेसन :-
मोंय खाहों – मैं खा रहा हूँ।
मोहन पढ़ेइस – मोहन पढ़ता है।

2. **सम्भावनार्थ** (   ) – इटाइं कनऽ अनुमान, साध, काम, आसिस आरऽ-आरऽ मनेक भाभ परस्फुट करल जाइक। जेसन :-
(क) आइज हेइ पारेक पानी बरसतेइक – आज शायद वर्षा हो। – अनुमान
(ख) तोंय बेसी दिन बांचे – तुम दीर्घायु हो। – इच्छा
(ग) छवा के पढ़ेकटाइं धेयान देवा चाही – लड़कों को पढ़ने में ध्यान देना चाहिए। –कर्त्तव्य

3. **सन्देहार्थ** (दगधा) :- जेटाइं दगधा जानाल जाइक।
जेसन :- हेइ पारेइक ओंय आवेस आहे – सम्भवतः वह आता होगा।
राम गेल हेताक – राम गया होगा।

4. **आज्ञार्थ** (आढ़ान) :- जेटाइं आज्ञा, उपदेश आर बारन (निषेध) कर भाभ जानाल जाइक।
जेसन :- तोंय जाइं – तुम जाओ। – आज्ञा
बड़ऽ लगेक काथा सुना – बड़ों की बात सुनो। – उपदेश
तोंय ना करें – तुम मत करो। – निषेध

5. **संकेतार्थ** – (   ) – कनऽ काम हेवेकटाइं दसरेक आसराक लेइके जानाल

जाइक ताकर माने जेटाइं काम आर कारन कर नाता रहेहेइक। जेसन :-
पानी बरसे तेलेइक ताहेले धान हेइ तेलेइक – पानी बरसता तो धान होता।
ओंय पढ़ेतेलाक हेले पास करे तेलाक – वह पढ़ता तो उत्तीर्ण होता।

अव्यय (तामान - External)

जान साड़ाक बरन (रूप) लिंग, लेखा, झन, परिक हेनतेन गिलाक तेहें नि फेराइक, ताके तामान कथिक। तामानेक चाइर रकम (भेद) आहेइक :-

1. क्रिया विशेषण (गुनिन सरान - Adverb)
2. संबंध बोधक (नाता बाचिक - Preposition)
3. समुच्चय बोधक (जड़न बाचिक - Conjuction)
4. विस्मयादि बोधक (बधान बाचिक - Interjection)

क्रिया विशेषण (गुनिन सरान)

जन तामान ले सरानेक गुन जानाल जाइक, अके गुनिन सरान कथिक। जेसन – आसते-आसते, चाँड़े, आचकाइ, तऽ।

गुनिन सरान के तीन रकम बांटाल गेल आहेइक :-

1. रूप के अनुसार (गढ़नेक अनुजाइं)
2. प्रयोग के अनुसार (बेबहारेक अनुजाइं) आर
3. अर्थ के अनुसार (अरथ बा मानेक दांइजे)।

1. **रूप के अनुसार** (गढ़नेक अनुजाइं) गुनिन सरान तीन रकमेक आहात :-

(क) मूल क्रिया विशेषण (गड़ा गुनिन सरान)
(ख) यौगिक क्रिया विशेषण (जड़ान गुनिन सरान)
(ग) स्थानीय क्रिया विशेषण (थानिन गुनिन सरान)

(क) मूल क्रिया विशेषण (गड़ा गुनिन सरान) – जन गुनिन सरान कनऽ दसर साड़ा बा पाइन ले नि बनेइ। जेसन – फेइर, आचाकाइ, बेस, तऽ।

(ख) यौगिक क्रिया विशेषण (जड़ान गुनिन सरान) – जन गुनिन सरानगिला कनऽ दसर साड़ा बा पाइनकर साइठे सिरजाइ। जेसन – भूले-भूले, आसे-पासे, आसते-आसते, ताड़ातेइड़, एकाइं-एकाइं, बेजाने, हरहर, हड़हड़, खपट-खपट।

(ग) स्थानीय क्रिया विशेषण (थानिन गुनिन सरान) – जन गुनिन सरानेक गढ़ने कनऽ फेरा-फेरी ना हेइ कुहुन खास जाइगाइं बेबहार हेइ।

जेसन :- तोंय कपाड़ पढ़बे – तुम कपाड़ पढ़ोगे।

काम नि करबे तऽ तोंय लुआइठ खाबे – काम नहीं करोगे तो तुम लुआठी खाओगे।

2. **प्रयोग के अनुसार** (बेबहारेक अनुजाइं)

बेबहारेक अनुजाइं गुनिन सरानकर तीन रकम (भेद) आहेइक :-

(क) साधारण (मटामटि)

(ख) संयोजक (जड़नदार)

(ग) अनुबद्ध (सटीक/ठउका)

(क) साधारण क्रिया विशेषण (मटामटि गुनिन सरान) – जन गुनिन सरान टुम माहान साधीन भाभे बेबहार हेत। जेसन –

ओंय बेसी कहेइस – वह ज्यादा बोलता है।

छवासभ हुँदे गेला – लड़के उधर गये।

मोंय कँदे जाम – मैं कहाँ जाऊँगा?

(ख) संयोजक क्रिया विशेषण (जड़नदार गुनिन सरान) – जन गुनिन सरानेक नाता कनऽ दसर टुम संग रहे हेइक। जेसन :-

इ बछर जेसन टान हेली तेसन कबऊ नि हेले रही।

जखन तोंय आवबे तखन मोंय जाम।

(ग) अनुबद्ध क्रिया विशेषण (सटीक/ठउका गुनिन सरान) – जन गुनिन सरान

सटीक बा ठउकाक अरथ माहान बेबहार हेइ। जेसन -
मोंय एखन तड़िक नि खाल आहों।
इटा तुऽ ओंयए करल हेत।

3. **अर्थ के अनुसार क्रिया विशेषण** (अरथ/भाव/भाभेक अनुजाइं गुनिन सरान) भाभेक अनुजाइं गुनिन सरान चाइर रकमेक आहात -
(क) स्थान वाचक (थानबाची - Adverb of place)
(ख) काल वाचक (बेरा बाची - Adverb of time)
(ग)रीति वाचक (रित/दस्तुर बाची - Adverb of Manner)
(घ) परिमाण वाचक (जखान बाची - Adverb of Quantity)

(क) **स्थान वाचक** (थानबाची) - जे तामान ले थान/जाइगाक बाचिक जानाल जाइक। इ गुनिन सरान दुइ रकमेक आहात -
(1) स्थिति वाचक (जमक बाची) आर
(2) दिशा वाचक (दिकबाची)।

(1) जमक बाची - हियाँ, हुआँ, बाहेइर, भीतर, आगुइं, पेछुइं, उपर, हेंइ, गटाइ, ठांऊ, धूर, आगुबाटे।
(2) दिकबाची - हिंदे-हुंदे, कँदे, जँदे, बाँउएँ, देहिने, चाइरोगिरदा, जँदे-तँदे।

(ख) **काल वाचक क्रिया विशेषण** (बेराबाची गुनिन सरान) - जन तामान ले बेरा (काल) जानाल जाइक। इ गुनिन सरान तीन रकमेक आहात -
(1) समयवाचक (बेराबाची)
(2) अवधिवाचक (सतखनबाची गुनिन सरान)
(3) दहरीबाची/बारबार बाची

(1) बेराबाची गुनिन सरान - आइज, काइल, जबे, पहिल, एखन, चाँड़े, कबऊ,

आखिर, तबे, परसु।

(2) सतखनबाची गुनिन सरान – रजे, सतखन, दिन–भइर, लागातार।

(3) दहरी/बार-बारबाची गुनिन सरान – पेतिदिन, केतेकबार, खने-खने घड़ी-घड़ी, मिटिक-मिटिक

(ग) **रीतिवाचक क्रिया विशेषण** (रित/दस्तुर बाची गुनिन सरान) – जन तामान ले ढंग, रित कर बाचिक हेइक। दस्तुरबाची गुनिन सरान सात रकमेक आहात :-

1. रकमबाची – एसे, असे, जेसे, तेसे, आसते, आचाकाइ, एसेइ, निजेइ, फाटाफेइट, चाँड़े
2. सटीक/ठउकाबाची – सांचाइ, निसटाइ, जरूड़
3. बेठउकाबाची – केजान, हेइपारेक, बधइ
4. सिंकार/गताबाची – हाँ, ठीक
5. कारनबाची – काहे, सेइतेहें, सेइलाइ, सेइजइने
6. बारनबाची – नि, नेहि, ना, ठेपो
7. ठानानबाची – एतने, तड़िक, ताव/ताउ

(घ) **परिमाण वाचक क्रिया विशेषण** (जखान बाची गुनिन सरान) – जन साड़ा ले दांजन बा जखान जानाल जाइक। इ गुनिन सरान पाँच रकमेक –

1. ढेइरबाची – बेजाइं, बेसी, बड़ऽ, भारी, एकदम, दमे, दमतक, आनखाइ, बेदार।
2. कमबाची – रिचिक, किछु, टुकु
3. ढेइर बेसी बाची – आबगा, ठउका, ठीक
4. भेउराबाची – एतेक, अतेक, कम, बेसी, इडुल, अहेडुल, हाउडुल, इलेखें, उलेखें, एहे जुकुर
5. श्रेणीबाची – रिचिक-रिचिक, एकाइं-एकाइं, पालिइं-पालिइं, बूंदे-बूंदे

2. **संबंध बोधक** (नाता बाचिक - Preposition)

जन तामान कनऽ आंगाक परे आइकुहुन अकर नाता टुमेक दसर साड़ा संग रहे हेइक, ताके नाता बाचिक तामान कथिक। जेसन –

असद बिनु बेजरिया मरलाक।

छाइनेक उपरे कउआ बसल आहे।

गांव तड़िक जाइं।

छवाटा के डाकीहिं।

नाताबाचिक तामान के तीन खेजाइं राखे पारियोक –

(क) प्रयोग के अनुसार –(बेबहारेक अनुजाइं)

(ख) अर्थ के अनुसार (भाभेक अनुजाइं)

(ग) व्युत्पति के अनुसार (गढ़नेक अनुजाइं)

(क) प्रयोग के अनुसार –(बेबहारेक अनुजाइं नाता बाचिक) – इ अव्यय/तामान दुइ रकमेक आहात :-(क)सम्बद्ध (नाता बाचिक) आर (ख) अनुबद्ध (बेगढ़हान)

(क) **सम्बद्ध** (नाता बाचिक) – जन नाता बाचिक आंगाक चिनहाक बादे बेबहार हेइ जेसन –

टाकाक बिनु काम नि हेइक।

अकर बेगर इ कामटा नि हेतेइक।

गरू नियार खाटेइस।

(ख) अनुबद्ध (बेगढ़हान) – नाता बाचिक आंगाक बगड़ल गढ़न नियार बेबहार हेत। जेसन –

बछर तड़िक रहल।

छवा संग चली गेल।

दिन भइर कामकरा मसकेइत हेकेइक।

(ख)**अर्थ के अनुसार** (अरथ/भाभेक अनुजाइं) नाता बाचिकेक तेरह भेद आहेइक –

1. कालवाचक (बेराबाचिक) – आगु, पेछु, पहिल, बादे, परे, लेहालेहि।

2. दिशावाचक (दिकबाचिक) – बाटे, पाइर, इपाइर-उपाइर, आसे-पासे, चाइरो गिरदा।

3. साधवाचक (दाराइज बाचिक) – दारा, तेहें

4. कारण वाचक (कारन बाचिक) – कारन, हाँतिर, खातिर, जइने, तेहें

5. विषय वाचक (बारेबाची) – लेखे, बाबत

6. स्थान वाचक (थान बाचिक) – हेंठे, ठांऊँ, पासे, बाहेंइर

7. व्यतिरेक वाचक (   ) – छाड़ीके, बिनु

8. विनिमय वाचक (फेरा-फेरी बाचिक) – अउजि, पालटि, जाइगाइं

8. सादृश्य वाचक (   ) – नियार/निआर, बराबइर, समान, लेखे

10. विरोध वाचक (   ) – उलटा

11. सहचर वाचक (   ) – संग, अधीन

12. संग्रह वाचक (जुड़ती बाचिक) – तक, भइर, आबगा

13. तुलनावाचक (भेइरावनि बाचिक) – ले, आगुइं, मुहामुही

(ग) **व्युत्पति के अनुसार** (गढ़नेक/सिरजान) कर अनुजाइं नाता बाचिकेक दुइ भेद आहेइक –

(क) गड़ा नाता बाचिक – तक, बिनु, तड़िक

(ख) जड़ान नाता बाचिक – इ नाता बाचिक तामान गिला आन-आन साड़ा संगे मेसाइकुहुन बनत। जेसन – सेइतेहें।

3. **समुच्चय बोधक** (जड़न बाचिक -Conjuction) – जन साड़ा एक टुम बा साड़ाक नाता दसर टुम बा साड़ा संग रहे हेइक, अके जड़न बाचिक कथिक। जेसन – अघनु गेल आर फागु आवल।

मेघु आर जेठु हाट जाहात।

एकर दुइ रकम भेद आहेइक –

1. समानाधिकरण समुच्चय (जड़ानु जड़न बाचिक) आर

2. व्याधिकरण समुच्च्वय (दर,जड़ानु जड़ान बाचिक)

1. जड़ानु जड़न बाचिक – अहे तामान के कथिक जेइं दुइ मूल टुम के जड़ेइक। एकर चाइर दर-रकम (उपभेद) आहेइक –

(क) संयोजक (जड़ेइया) – जेइं दुइ साड़ा बा टुम के जड़ेइक। जेसन – आर, एबंग, जे।

(ख) वियोजक (बे जड़ेइया) – इ तामाने दुइ बा दुइ ले बेसी टुम चाहे साड़ा माहान ले कनऽ एकटा के लेइके किमबा दुइयो टाके छाड़ी देइक। जेसन –

भदरूइं खाल हेताक <u>चाहे</u> मगरूइं।

न चइता आवल न जेठु।

बा, न, किंबा, चाहे, नितऽ।

(ग) विरोध दर्शक (टंठालु जड़न बाची) – इ तामान गिलाइं दुइ टुम माहान जानाल जाइक। जेसन – मनेक, मनतुक, बरंच।

(घ) परिणाम दर्शक (   ) इ तामान गिलाइं ले जानाल जाइक जे आगुक टुमटाक भाभ पेछुक टुमेक कारन हेइक। जेसन – बेइरसा नि हेलेइक <u>सेइतेहें</u> धरन करलेइक।

2. **व्याधिकरण समुच्चय** (दर जड़ानु जड़ान बाचिक) – जेटाइं एक गड़ा टुम माहान एकटा ले बेसी दर-टुम जड़ाल जाइक। एकर चाइर भेद (रकम) आहेइक। जेसन –

(क) कारण वाचक – काहेकि, कारन, सेइमाहान, सेइतेहें।

(ख) उद्देश्य वाचक (धेइ वाचिक) – कि, जेइं, लाइ

(ग) संकेत वाचक (   ) – जदि, तऽ, चाहे

(घ) स्वरूप वाचक (गढ़न बाचिक) – जे, माने

4. **विस्मयादि बोधक** (बधान बाचिक -प्दजमतरमबजपवद) – जन तामान गिला ले रीझ, सँताप, घिन, डर, आरऽ-आरऽ कर भाभ जानाइक। जेसन – छि-छि, धेइत, हेइट, अहौ रे।

1.रीझ बाचिक – बाह ! साबाइस ! बेस।

2. सँताप बाचिक – हाय-हाय, हायरे, बापगो, माइगो, अहोरे

3. अबाक बाचिक – हें ! किना !
4. सिंकार बाचिक – ठीक, आछा, हँ
5. घिन बाचिक – छि-छि, धेइत, हेइट, धेइततेरी
6. हाकान बाचिक – एरे, एहो, अरे

कारक (परिक -Case)

सरानेक संग जाकर नाता रहे हेइक ताके परिक कथिक बा जन टुम माहान आंगा आर अउजिकर सरान संग नाता रहे हेइक, अके परिक कथिक। कारक कर माने हेइक – करेइया।

हिन्दीक नियारे कुरमाली माहानऊ परिक आठ रकमेक आहात :-

कारक (परिक)	**विभक्तियाँ (चिनहा)**
कर्ताकारक (करमि परिक - Nominative Case) -	ए, इं, एँ, 0
कर्म कारक (करनि परिक - Accusative Case) -	के, 0
करण कारक (दाराइज परिक - Instrumental Case)	ले, दारा
सम्प्रदान कारक (दानिन परिक - Dative Case) -	लाइ, लागिन, हांतिर, खातिर,तेहें, लेल
अपादान कारक (बेलग परिक - Ablative Case) -	ले
संबंध कारक (नाता परिक -Genitive Case) -	क, कर, एक
अधिकरण कारक (ठेघान परिक -Locative Case) -	ए, उपर, माहान
संबोधन कारक (बधान परिक -Vocative Case) -	एगो, एलो, रे, एहो, हें, रे

1. **कर्ता कारक** (करमि परिक) – सरान करेइया के करमि कथिक ताकर माने जेंइ काम करेइ। जेसन – राम खाता है – रामे खाइस/रामे खाइस आहे।

सीता खाती है – सीताइं खाइस/सीताइं खाइस आही।

कुरमाली करमि परिकेक चिनहाक लेइके किछु जानेक काथा आहेइक। कुरमालीक किछु बेयाकरन लिखेइयाइं करमि परिकेक बे-चिनहा (चिह्न रहित) मानाल आथिक तऽ किछु लिखेइयाइं करमि परिक कर चिनहा मानल आहात। अकारान्त (अ), आकारान्त (आ), इकारान्त (इ), उकारान्त (उ) साड़ा माहान जे पाइन जड़ाल जाइक अके करमि परिक कहे पारियोक।

पं. किशोरी दास बाजपेयीइं आपन 'हिन्दी व्याकरण' माहान दुइ रकमेक विभक्ति (परिकेक चिनहा) मानल आथिन – (1) संबन्ध विभक्ति (नाता चिनहा) – ने, को, से, में, पर, के आर (2) संश्लिष्ट विभक्ति (मेसाल/जड़ाल परिकेक चिनहा) – (आ, इ, आँ)। एहे अनुजाइं हामराउ कुरमाली माहान करमि परिकेक चिनहा (विभक्ति) माने पारियोन।

2. **कर्म कारक** (करनि परिक) – जन आंगा बा अउजि माहान सरानेक फल पड़ेइग। इटाक चिनहा 'के' हेकेइक। जेसन – राम के डाकाहाक।

3. **करण कारक** (दाराइज परिक) – जाकर दारा काम हेइक ताके दाराइज परिक कथिक। एकर चिनहा 'ले', 'दारा', ए, इं हेतेइक।
जेसन – तर दारा कनऽ क्राम नि हेकत।
साइकिले धार गेल।
सीढ़ीइं पांचेइर पांइरालों।

4. **सम्प्रदान कारक** (दानिन परिक) – जाकर खातिर सरान कराल जाइक बा जन टुम माहान करमिइं काकरऽ लाइ करेइ ताके दानिन कथिक। एकर चिनहा हेकेइक – लाइ, लेल, लागिन, हांतिर, खातिर, तेहें। जेसन – छवाटा मिठाइ लाइ कांदेइस।
मोंय तर खातिर आवलों।
तर तेहें मोंय बदनाम हेलों।

5. **अपादान कारक** (बेलग परिक) – जन आंगा बा अउजि सरान ले अलग हेइ जाइ, अके बेलग परिक कथिक। एकर चिनहा हेकेइक – 'ले'। जेसन –
गाछ ले पालहा गिरलेइक।
छवा स्कूल ले घार गेला।

6. **संबंध कारक** (नाता परिक) – जन परिक ले एक–दसर संग नाता जड़ाइक ताके नाता परिक कथिक। इ परिक कर चिनहा – क, कर, एक हेकेइक। जेसन –
जेठुक घार।
दीदीक ठेंठी।
पुसुकर चाइरटा बेटा।

7. **अधिकरण कारक** (ठेघान परिक) – जेटा सरानकर ठेघा हेइक किमबा सरान कर ठेघा जानाल जाइक। इटाक चिनहा हेकेइक – माहान, उपर, एँ।
जेसन – गाछ उपरे कने आहे ?
उँडु माहान सांप आहात।
राम घारे आहे।
छाइने कउआ बसल आहे।

8. **संबोधन कारक** (बधान परिक) – आंगाक जन रूप माहान डाकेक बा बधेक जानाल जाइक। बधान परिक कर चिनहा हेकेइक – हें, एगो, एरे, हें, रे, एहो, अरे
जेसन – एरे,घार जाबे न ?
एगो तरा काहाँ जाहिया ?
हे भगवान तोंय मके बांचावें।

वचन (लेखा - Number)

जन साड़ा ले कनऽ गनान जानाल जाइक चाहे आंगा, अउजि, गुनिन आर सरानेक जन गढ़न माहान गनति (संख्या) जानाल जाइक, अके लेखा कथिक।

कुरमालीइं लेखा दुइ रकम आहात - (1) एक वचन (एक लेखा -Singular Number) आर (2) बहुवचन (सांगी/ढेइर लेखा -Plural Number)

एकवचन (एक लेखा) - जन साड़ा ले कनऽ एकटा जिनिसेक बाचिक पावाल जाइक। जेसन - छवा, पथि, छागेइर, मोंय, तोंय, गरखिया।

बहुवचन (सांगी/ढेइर लेखा) - जन साड़ा ले सांगी (ढेइर) जानाल जाइक। जेसन - छवागिला, गरूगिला, बेटारा, गरखियागिला।

कुरमाली माहान सांगी लेखाक तेहें कनऽ भिनु साड़ा नेखेइक, बरंच एक लेखा माहान रा, गिला, गिलिन, गुली, सभ पाइन जड़ीकुहुन सांगी बनावल जाइक। जेसन - बेटारा, गरूगिला, गायगिली, छवासभा।

एक लेखा ले सांगी लेखा बनावेएक बेहँ :-

	एक लेखा		**सांगी लेखा**
1. मीरझन -	मोंय, हामें		हामरा, हामरे
पिठियाझन -	तोंय	-	तहरा, तहरे
आनझन -	ओंय, उ, एइं	-	अखरा, एखरा, अरा

2. एक लेखा माहान 'रा' जड़िकुहुन ढेइर/सांगी लेखा बनेइक।
जेसन - बेटारा, भाइरा, बहिनरा।

3. (क) एक लेखा माहान 'गिला' गिली, गुली पाइन जड़िकुहुन ढेइर लेखा बनावल

जाइक। जेसन – गरूगिला, मानुसगिला, बाछुरगिला, दामड़ागिला।

(ख) मादावाची के एक लेखा ले सांगी लेखाक लेल गिला, गुली, पाइन (प्रत्यय) जड़ाइक। जेसन – गायगिली, बेटीछवागिली।

4. आंगा माहान गुनिन के जड़िकुहुन एक लेखा ले सांगी लेखा बनावल जाइ पारेइक। जेसन – आनखाइ माछी, ससतागेड़े, बेदार टेमरस, ढेइर आम, दमतक डिंगला।

5. हाला, नुड़ा, कुधा, डिंग, पाल, खाता, गठ, झंपेइर साड़ागिला सांगी लेखा हेकेइक। टुम आंगाक पहिल जड़िकुहुन ढेइर लेखा बनेइक। जेसन – एक हालामाछ, एक नुड़ापात, एक कुधा गोबर, एक पाल बांदर, एक खाता रूपु, एक गठ छागेइर, एक डिंग पंवार।

6. गंछा, धंप, धउद, झंप, साड़ागिला एक लेखाक पहिल जड़िके ढेइर लेखा बनेइक। जेसन – एक धंप फूल, एक धउद कुसुम, एक गंछा पइना।

7. 'सभ' जड़िकुहुन एक लेखा ले सांगी लेखा बनेइक। जसेन – छवा सभ।

लिंग (Gender)

जन साड़ा ले नर-मादाक बाचिक जानाल जाइक, अके लिंग कथिक। कुरमाली माहान चाइर रकमेक लिंग आहात :-

1. पुलिंग (नर लिंग - Masculine Gender)
2. स्त्रीलिंग (मादा लिंग -Feminine Gender)
3. उभयलिंग (दुजिलिंग - Common Gender)
4. नपुंसक लिंग (लेहरा लिंग - Neuter Gender)

कुरमाली माहानऊ लिंगेक कारन सरान गिलाइं फरक हेइ जाइक। जेसन – जेठु

आवताक। बुधनी आवती।

करमिक सरान (सकर्मक क्रिया) आर बेकरमिक सरान (अकर्मक क्रिया) माहान लिंग करमिक (कर्ता) अनुजाइं हेत।

कबऊ-कबऊ अउजि साड़ा गिलाक बाचिक सरान गिलाक अनुजाइं धारिज हेइक। जेसन – उ गेली। उ गेलाक।

सजीव जीव – जन्तु गिला माहान पाइन जड़िकुहुन लिंग कर बाचिक देवाल जाइक बा धारिज कराल जाइक। जेसन – कुकुरटा, कुकुरटी, खुखड़ीटी, खुखड़ीटा।

1.**पुलिंग** (नर लिंग) – जन साड़ाइं नर कर बाचिक हेइक। उ साड़ागिला के नर लिंग कथिक। जेसन – मरद, बरद, काड़ा, सांड़हा, बाघ, दामड़ा।

2. **स्त्रीलिंग** (मादा लिंग) – जन आंगा ले मादा बाचिक हेइक। अके मादा लिंग कहाल जाइक। जेसन – गाय, ढाइड़, फेटाइन, संड़हूर, बाघिन।

3. **उभयलिंग** (दुजिलिंग) – जन आंगा ले नर आर मादाक दुइयो कर बाचिक हेवेइक। जेसन – छवा, गरू, बाछुर, फिकड़ो, पेरूवा

4. **नपुंसकलिंग** (लेहरा लिंग) – जन आंगा ले न नर आर न मादाक बाचिक हेइक, अके लेहरा लिंग कथिक। जेसन – गाछ, भूइं, पाहाड़

नर लिंग ले मादा लिंग बनावेक बेहँ :-

1. नरलिंग साड़ा माहान आ, एक, इ, ई आहि आरऽ-आरऽ पाइन जड़िकुहुन :-
जेसन – चाड़का – चेड़की। थुभड़ा – थुभड़ी। लेका – लेकी। लेलहा – लेलही। चेंदरा – चेंदरी। कुइला – कुइली। चेपा – चेपी। ठूंठा – ठूंठी। लउठाहा –

लउठाही/लउठाहि। आदिखलाहा – आदिखलाही/आदिखलाहि। लेड़हा– लेडही। बड़का – बड़की। छटका – छटकी।

2, आंगाक बादे 'टी' जड़िकुहुन मादालिंग बनावल जाइक। जेसन – कुकुरटा – कुकुरटी। छवाटा –छवाटी। गाछटा – गाछटी।

3. आनझनेक सांगी लेखाक साड़ागिलाइं 'गिली' आर गिलिन जड़िकुहुन मादालिंग बनेइक। जेसन – बांदरगिला –बांदरगिली, बांदरगिलिन। पेरूवागिला – पेरूवागिली, पेरूवागिलिन।

4. कुरमालीइं छुटु जीव-जन्तु गिला के मटामटि भाभे मादालिंग मानाल जाइक। जेसन – टिकटिकी गिरली। खांखड़ा बिछाइं बिंधली। चिमटींइ चाबली। माछिइं चाबेइस आही।

5. किछु एसन आंगा बा साड़ा आहेइक जे गिला के मादालिंग बनावेक कनऽ नियम नेखेइक। जेसन – बाप-मायं। बरद-गाय। मरद-जेनी। काड़ा-भंइस। भेंसुर-जेठानी। दादा-भउजि। बर-केनियाइ। कड़रू-संड़हूरा। सांढ़ा-ढाइड़/कटेइर। बदा-पांठी। दामड़ा-फेटाइन।

6. चांद, सुरूज के कुरमाली माहान मादा लिंग मानाल गेल आहेइक। जेसन – सुरूज उठली। चांद उठली। मनतुक तारिया के नरलिंग मानल गेल आहेइक। जेसन – तारिया उठला। तारिया डुबला। हाथी के मादालिंग मानथिक। जेसन – एकटी हाथी आवेइस आही।

7. कुरमाली माहान कखनऽ-कखनऽ गुनिने लिंग बदली जाइक। जेसन – सुंदर-सुंदरी।

रूपतामक विशेषताएँ (कुरमालीक रूपात्मक बिसेसता)

1. कुरमालीक नरलिंग आर मादालिंग आंगा साड़ाक रूप (गढ़न) माहान कनऽ फरक नि हेइक। आंगा माहान टा, टी, पाइन बेबहार करल जाइक।

2. नरलिंग आर मादालिंगेक तेहें सरानेक एक लेखा आर सांगी लेखाक भिनु-भिनु रूप रहे हेइक। जेसन –

राम जाइस <u>आहे</u> – राम जाता है।
सीता जाइस <u>आही</u> – सीता जाती है।
अरा <u>जाहात</u> – वे लोग जाते हैं।

3. बेरा, लेखा आर झनकर अनुजाइं सरान भिनु-भिनु हेइ। जेसन –

एक लेखा –	**चलती बेरा**	**बिती बेरा**	**आवती बेरा**
मीरझन –	मोंय जाहों	मोंय गेलों	मोंय जाम
पिठियाझन –	तोंय जाहिस	तोंय गेले	तोंय जाबे
आनझन –	ओंय जाइस	ओंय गेलाक	ओंय जात
सांगी लेखा			
मीरझन –	हामरा जाहियो	हामरा गेल रहियो	हामरा जाब
पिठियाझन –	तरा/तहरा जाहिया	तहरा गेल रहिया	तहरा जाबेहे
आनझन –	अरा/अखरा जाहात	अखरा गेल रहत	अखरा जाता

4. कुरमाली माहान कदर बा कनऽ आदरबाची साड़ा नेखेइक। कदर चाहे आदरेक तेहें सरानकर सांगी लेखाक बेबहार करल जाइक। जेसन –

उ बेटी छवागिला आवता (वे महिलाएँ आयेंगी)। मर सास आवता (मेरी सास आयेंगी)।

5. दुजिलिंग साड़ा माहान 'टा', 'टी' जड़िकुहुन लिंग माहान फरक कराल जाइक। जेसन – कुकुरटा – कुकुरटी, खुखड़ीटा – खुखड़ीटी, गरूटा – गरूटी।
6. अउजि साड़ागिलाक लिंग सरान दारा जानाल जाइक। जेसन –
उ <u>गेलाक</u> (नरलिंग)
उ <u>गेली</u> (मादालिंग)

7. कुरमाली माहान चाँद, सुरूज, हाथी के मादालिंग माहान बेबहार करल जाइक। जेसन – चाँद उगली। सुरूज डुबली। हाथीटी आवेइ आही। 'तारिया' के एक लेखा

माहान मादालिंग तऽ सांगी लेखा माहान नरलिंग मानाल जाइक। जेसन – एकटी तारिया उगली। तारियागिला डुबला।

8. कुरमालीइं आंगा साड़ागिलाइं रा, सभ, गिला, गिली, गिलिन, गुला, पाइन जड़ीकुहुन सांगी लेखा बनावल जाइक। जसेन – छवारा, छवासभ, छवागिला।

9. कुरमाली माहान सटीकबाची अउजि तीन आहात – इ, उ, हाऊ। ठाऊँ कर तेहें – **इ**, धूरेक जालाइं **उ** आर बेसी धूरेक तेहें **हाऊ** बेबहार करल जाइक। जेसन –
इ लगगिला।
उ लगगिला।
हाऊ पाहाड़टा।

10. 'हेवा' सरानेक तेहें आहे, आहों, आहेइक, हेके, आहिस, बेबहार करल जाइक। जेसन – राम घारे <u>आहे</u>। मोंय एखन घारेइ <u>आहों</u>। घारे सभे <u>आहेइक</u>। कन <u>हेके</u> ? तोंय घारे <u>आहिस</u> न ?

11. बारनबाचीक तेहें ना, नि, नेही, निहिं सरानेक रूप प्रचलित आहेइक।

काल (बेरा - Tense)

सरान के हेवेक बा सरेक माहान जे पहर लागेइक, उटा के बेरा कथिक। बेराक तीन रकम (भेद) आहेइक –

1. वर्तमान काल (चलती बेरा - Present Tense)
2. भूतकाल (बिती बेरा - Past Tense)
3. भविष्यत् काल (आवती/आउती बेरा Future Tense)

वर्तमान काल (चलती बेरा)

जेटाइं सरानकर चलती बेरा माहान सरेइक, ताके चलती बेरा कथिक। चलती बेरा छ रकमेक –

1. सामान्य वर्तमान काल (टुकु चलती बेरा - Present Indefinite) - जेटाइं सरानेक काम चलती बेराइं मटामटि भाभे हेवेक। इटाइं सरानकर पूरन चाहे अपूरन कर बाचिक नि हेइक। जेसन –

मोंय जाहों – मैं जाता हूँ।

तोंय खाहिसे – तुम खाते हो।

करमा संड़गेइस – करमा सोता है।

2. तात्कालिक वर्तमान काल (बेरा - Present Continuous) - जन सरानेक एखन तड़िक काम सरे हेइक। जेसन – तोंय काहाँ जाइसला। मोंय जाउँला। अरा जात ला।

3. पूर्ण वर्तमान काल (पूरन चलती बेरा - Present Perfect Tense) - जन सरान जानाल जे काम सराल आहेइक। जेसन – राम आवल आहे। ओंय आवल आही।

4. पूर्ण तात्कालिक वर्तमान काल (पूरन–अपूरन चलती बेरा - Present Perfect Continuous Tense) - जे सरान आगु ले उचरि के एखनो तड़िक नि सरेइ। जेसन – मेघु बिहान ले खेलते आहे। मधुइं आड़बेरा ले काम करते आहे।

5. संदिग्ध वर्तमानकाल (दगधा चलती बेरा - Doubtful Present Tense) – जन सरानेक हेवेकटाइं एखनो ससऽ मेरा जानाल जाइक। जेसन – ओंय पढ़ेइत हेत। राम धान काटेइत हेत।

6. आज्ञार्थ वर्तमान काल (आड़हान चलती बेरा - Present Imperative Tense) – सरानेक जे गढ़ने चलती बेरा माहान आड़हानेक बाचिक हेइक। जेसन – तरा जा। तोंय पढ़ें।

2. भूतकाल (बिती बेरा – Past Tense)

जेटाइं सरानकर सराल बेराक बाचिक हेइक। एकर सात भेद आहेइक –

(क) सामान्य भूतकाल (टुकु बिती बेरा - Past Indefinite) - जन सरान टुकु आगु सराल जानाइक। जेसन - करमा गेलाक। मोंय खालों। ओंय निदाल।

(ख) आसन्न भूतकाल (ठाउनि बिती बेरा - Present Perfect Past Tense) - जे बेरा ले जानाल जाइक जे सरान टुकु आगु सराल आहेइक। जेसन - ओंय खाल आहे। जेठु बाजार गेल आहे। मोंय पथि पढ़ल आहों।

(ग) पूर्ण भूतकाल (पूरन बिती बेरा - Past Perfect Tense) - जन सरान बितल खने सराल आही। जेसन - फागु हाट गेल रहे। राम हियाँ आवल रहे। मोंय पथि पढ़ल रहों।

(घ) अपूर्ण भूतकाल (बे-पूरन बिती बेरा - Past Continuous Tense) - जन सरान बिती बेराइं सुरू हेल रही मनतुक एखनो पूरल नेखी। जेसन - फागु जाइ हेलाक। तोंय जाइ हेलिस। बुधनीइं साग काटे हेली।

(ङ) पूर्ण तात्कालिक भूतकाल (पूरन-अपूरन बिती बेरा - Past Imperfect Continuous Tense) - जन सरान बितल पहरे सरते रहइ आही। जेसन - तोंय जनहाइर खाते रहे हेलीस।

(च) संदिग्ध भूतकाल (दगधा बिती बेरा - Doubtful Past Tense) जन सरानेक बितल खने सरेक माहान दगधा जानाल जाइक। जेसन - राम आवल हेताक। हरि गेल हेत। ओंय भात खाल हेताक।

(छ) हेतुहेतुमद् भूतकाल (हेइबगेइबगत बेरा - Conditional Past Tense) - जन बेरा ले इटा जानाल जाइक जे कनऽ कारन हेले सरान बिती बेरा माहान सराइक। जेसन - तोंय आवेतेलिस तऽ मोंय जाइतेलों। बेइरसा हेइतेलेइक तऽ धान नेजगेतेलेइक। मोंय आबगास पावे तेलों तबे हुआँ जाइतेलों।

3. **भविष्यत् काल** (आवती बेरा - Future Tense)

जन सरान ले आवती बेरा जानाल जाइक। अके आवती बेरा कथिक। एकर छ भेद आहेइक :-

1. सामान्य भविष्यत् (टुकु आवती बेरा - Future Indefinite Tense) - जे बेरा ले आवती बेरा माहान हेवेक सरानेक धंचर जानाल जाइक। जेसन - मोंय

पढ़म। तोंय पढ़बे। ओंय पढ़त। अरा (अखरा) पढ़ता। हामरा पढ़ब। तरा (तहरा) पढ़बेहे।

2. तात्कालिक भविष्यत् (अपूरन आवती बेरा - Future Continuous Tense) - जन सरान आवती खने सरते रहेइ। जेसन - राम पढ़ते रहत। अरा पढ़ते रहता। तोंय पढ़ते रहबे। तरा पढ़ते रहबेहे। मोंय पढ़ते रहम। हामरा पढ़ते रहब।

3. पूर्ण भविष्यत् काल (पूरन आवती बेरा - Future Perfect Tense) - जन सरान आवती खने सरानेक सराल जानाल जाइक। जेसन -

मोंय टाका जगाड़ करल हेम।

हामरा टाका जगाड़ करल हेब।

तोंय टाका जगाड़ करल हेबे।

तरा टाका जगाड़ करल हेबेहे।

ओंय टाका जगाड़ करल हेत।

अरा टाका जगाड़ करल हेता।

4. पूर्ण तात्कालिक भविष्यत् काल (पुरने अपूरन आवती बेरा - Future Perfect Continuous Tense) - जन सरान ले आवती बेरा माहान सरान सराइकुहुन सरते रहेइस।

जेसन :-

मोंय टाका जगाड़ करते रहम।

हामरा टाका जगाड़ करते रहब।

तोंय टाका जगाड़ करते रहबे।

तरा (तहरा) टाका जगाड़ करते रहबेहे।

ओंय टाका जगाड़ करते रहत।

अखरा टाका जगाड़ करते रहता।

5. आज्ञार्थ भविष्यत् काल (आड़हान आवती बेरा - Future Imperative Tense) - जन सरनेक आवती बेराक पहरे आड़हान जानाइक। जेसन -
तोंय घारे रहबे।
तरा (तहरा) घारे रहबेहे।
तोंय काइल जाबे।
तरा (तहरा) काइल जाबेहे।

6. संदिग्ध भविष्यत्काल (दगधा आवती बेरा - Future doubtful Tense) - जन सरान ले आवती खने हेवेक माहान दगधा जानाइक। जेसन -
हेइ पारेइक।
ओंय काइल घार आवे पारेइ।
हेइ पारेइक रामे इ कामटा करल हेत।
हेइ पारेइक ओंय पास करत।

कुरमाली के शब्द-स्रोत (कुरमालीक शब्द-स्रोत)

मूलरूप माहान हेंठे देल गिलाक कुरमालीक शब्द-स्रोत मानाल जाइ पारेइक :-
1. आग्नेय (आस्ट्रिक) पारिवारेक भाषा ले आवल साड़ा
2. द्रविड़ भाषा परिवार ले लेल साड़ा
3. तत्सम आर अर्द्ध तत्सम शब्दले ढुकल साड़ा
4. तद्भव
5. देशज
6. विदेशज

झारखंड माहान आग्नेय भाषा परिवारेक भीतरे मुण्डारी, संताली, हो, आर खड़ियाक गनान हेइक। इ भाषगिला ले कुरमालीइं बेजाइं साड़ा ढुकल आहेइक। तबे हियाँ सभे साड़ाक बरनन कराटा आंट हेतेइक। ढेंसाक रूप माहान किछु साड़ा देवाल जाहेइक :-

1. **मुण्डारी** :- हाही, आरना, उलुङ्, डाङ्, गादर, पेंइनचा, सिठा, हातु, आरऽ-आरऽ।

क्रियाएँ (सरान) – अकाई, अगरा, कुरकुचा, गाता, छिनगा, जबड़ा, दुंदरा, फुचका, मेसा, सलगा, हिचका, आरऽ-आरऽ।

संताली :- आंगरा, पाइड़, हाटिञ, बाखरा, लेलहा, ठेला, साड़ा, रेरेङ्, चाली, घाखुर, मेही, डहर, आउसान, गेजरा, गिदर।

क्रियाएँ (सरान) – आकता, बीड़ा, नेहर, धिपा, दाँड़ा, गादा, दुसा।

हो :- आँटा, ऊँडु, उरि, कयो, गाबा, गुचा, गुता, गसो, चबड़ो, चिप, डिडि, नू, बुड़ा, भिड़का, गुंगुमाइं।

खड़िया :- हिसिंगा, नुनू, रूगड़ी, ठर, ढोढ़र, कोचा, चिड़रा, घोरना, उतना, चुटिया, जोंड़रा।

2. **आग्नेय परिवारेक भाषाक** साड़ा ले बेसी साड़ा द्रविड़ भाषाक 'कुडुख' ले आवल आहेइक आर किछु सरान रिचिक आधेक बदली कुहुन कुरमालींइं मेसाइ गेल आहात :-

कुडुख – पोटा, खांड़ा, आचाकाइ, हायटाटका, जिधहा, पुनहा, टेमरस, ददना, छेऊ, फहम, इरा, पुलुई-पुलुई, ढिपा, खाँधा, सँपड़ा, फफना, सारा, असाइर, चहुआ, उफिआ, लेबदा, बसागत, छितरा, लोटो, निजगुत, सरजाम, लबरो, ललऽपतऽ।

क्रियाएँ (सरान) :- गुड़िया, छिनगा, जहना, आड़हा, हुचका, उलगा, उड़िया, जमका, अहरा, टसका, जहड़ा, लिला, धुंका, बाझा, घसड़ा, बरा, छितरा, भिड़का, संभड़ा, बितबिता, आरऽ-आरऽ।

3. **तत्सम** :- कवि, गदा, जल, जीव, नदी, न्याय, मन।

अर्द्ध तत्सम :- धरम, करम, मूत, चूरन, गेयान, किरपा, कारज

4. **तद्भव** :- आइग, आधा, घार, गाँव, सांइझ, सवा, थन, हाथ, कपूर, मन्तर, लगन, सुरूज, बाछा, बाकला

5. **देशज** :- लुगा, आहे, आरदास, गुवा, कउड़ी, जूता, पगड़ी

6. **विदेशज** :- अरबी :- आइनाहा, इजमाल, ओहदार, कुन्दा, खातिर, खाली, जहद, तालेबर, बाइसि, मुलकि, सरफा, हया, हुजेइत, सबुर, वाजिब, मातबर, मिनहा, काहिल, खेयानत, आयाँ, एवजी, आदवाती।

फारसी :- आन्दाज, आसते-आसते, कुम, गागा, चई, जेनी, जिआन, दागी, दादन, धूर, दगला, लालिस, परगना, पासांग, बदी, बेजार, मुरदार, राहजानी, हुनेइर, मादा, सूद

अंगरेजी :- टिकिट, सिलेट, लालटेन, डाकटर, हांसपाताल, जेहेल, टिसन, रेल, गेस, डाइवर,

इ सभ छाड़ीकोऊ मराठी , पंजाबी, भोजपुरी, मगही, मैथिली, बंगला, असमिया, ओड़िया, भाषक साड़ा कुरमाली माहान मेसाइ गेल आहेइक। संस्कृतेक बेजाइं साड़ा के कुरमालीइं आपन जुकुर बनाइ के बेबहार करल जाइक। एहे सभगिला के देखी के डॉ. जार्ज ग्रियर्सने कुरमालीक लेइके कहल आहात - "कुरमाली विचित्र भूभाग के विचित्र लोगों की भाषा है।"

समास (एकुन - Compound)

दुइ बा बेसी साड़ा आपन चिनहा के छाड़ी के एक हेइ जाइक आर एकटा साधीन साड़ा बनेइक, अके एकुन कथिक। पं0 किशोरी दास बाजपेयीक अनुजाइं - ढेइर साड़ा मेसाइकुहुन जखन एक साड़ा बनेक तखन उटा एकुन कहाइक।

समास (एकुन) – एकुनकर भेद :-

1. अव्ययीभाव समास (तामानि एकुन - Adverbial Compound)

2. तत्पुरूष समास (दासा एकुन - Determinative Compound)

3. कर्मधारय समास (करनि धारेइ एकुन)

4. द्विगु समास (लेखा एकुन -Numeral Appositional Compound)

5. द्वन्द्व समास (रंद एकुन - Copulative Compound)

6. बहुब्रीहि समास (खामिद एकुन - Attribative Compound)

7. नञ तत्पुरूष (- Negative Compound)

1. **अव्ययीभाव समास** (तामानि एकुन) – जन एकुनकर पहिल साड़ा तामान रहे हेइक आर अकर बनल गटा साड़ाटा गुनिन सरानेक नियार बेबहार हेइक, अके तामानि एकुन कथिक। जेसन – भइरपेट, बेयाराम, डेगे-डेगे, घार-घार, पेतिलग, बेयाकुल, कुटा-कुटी, मुंहामुंही, पेतिदिन, नित-नित, मने-मने, रसे-रसे, निरबंसिया, ठेकानठउर, पासा-पासी, काने-काने, बछर-बछर, बेसुमार, अनचिनहा, आन-आन।

2. **तत्पुरूष समास** (दासा एकुन) – जन एकुन माहान बादेक साड़ा बा अकर अरथ (माने) कर माइन (प्रधानता) रहे हेइक। एकर छ रकम आहेइक :-

(क) द्वितीया या कर्म तत्पुरुष समास – इ दासा एकुनेक पहिल साड़ा माहान करमि परिकेक चिनहा रहे हेइक आर एकुन करले करमिक चिनहा लुपुत हेइ जाइक। जेसन – काठ-खटकी, मुड़काटा, पगरीढाहा, काठकाटा, धानकुटा, लुगाकाचा, गाड़वान, भातरांधा।

(ख) तृतीय या करण तत्पुरुष समास (दाराइज दासा एकुन) – इटाइं पहिल साड़ाक परे दाराइज परिकेक चिनहा रहे हेइक। जेसन – ढेंकीछांटा, दिसाहारा, नीदमतुवा,

(ग) चतुर्थी या सम्प्रदान तत्पुरुश समास (दानिन दासा एकुन) – जन दासा एकुने दानिन परिककर चिनहा रेहेइक। जेसन – कानपासा, गोहाइल, रांधाघार, पंचायत

घार,

(घ) पंचमी या अपादान तत्पुरूश समास (बेलग दासा एकुन) - जन दासा एकुने बेलग परिककर चिनहा रहे हेइक। जेसन - जनमकाना, गाछगिरवा, घारछाड़ा, गाछ भांगा, गांवछाड़ा,

(ङ) षष्ठी या संबंध तत्पुरूष समास (नाता दासा एकुन) जन एकुने नाता परिकेक चिनहा रहे हेइक। जेसन - राजाघार, जनमभूंइ, नुनियाघार, बांदरनाच, तालगाछ, साहेब-बांध, भुरका-थान, बनदेवी, बन-खुखड़ी, महुआ-लाठा, राजकुंवर, कालिमेला,

(च) सप्तमी या अधिकरण तत्पुरूष समास (- ठेघान दासा एकुन) - जेटाइं ठेघान परिक कर चिनहा रहे हेइक। जेसन - गाछपाका, घारघुसड़ा, आपजांची,

दासा एकुनेक उपरेक देल छ रकम छाड़िकोऊ आरो किछु एकुन आहात :-

(1.) **अलुक् दासा एकुन** - अलुक् कर माने हेइक जेटा लुपुत नि हेइक ताकर माने जन दासा एकुन माहान पहिल साड़ाक चिनहा लुपुत नि हेइक।
जेसन :- गाछपाका, हाथकाटा, राइतचरा।

(2.) **नञ् दासा एकुन** - जेटाइं बारन चाहे निहिं कर अरथ माहान साड़ाक पहिल अ, न, अन, ना, कर बेबहार हेइक मनतुक दसर साड़ा आंगा बा अउजि हेइक तखन नञ् एकुन कहाइक।
जेसन :- निठुर, अभागा, अधरम, अचेठा, नापाता, अनचिनहा, अनठेकान, अबुझ।

(3.) **मध्यपद लोपी समास** (लुकानिपद एकुन) - जन एकुन माहान मइधेक साड़ागिला लुकाल रहे हेइक। जेसन :- गरूगाड़ी, तेलाइपेटा, कालमुहा, घारजावाइं, दूधदेलभात, पातपड़ापीठा, ढिड़रापेटा।

(4.) **प्रादि समास** (टुकु जुमक/पेंउदा एकुन) - जखन पहिल साड़ा सु, नि, उ, आध, दर, अ, बा, आ, बे, बि आरऽ-आरऽ टुकु जुमक (उपसर्ग) ले बनल रहे हेइक, एसनगिला के पेंउदा एकुन कथिक। जेसन - सुघड़, निझूम, उरिन, आधमरा,

आधपाका, दरफाड़ा, दरसीझा, अपांइत, आजाड़, (खाली करना), आकाट, (व्यंग्य), बाथान, बेढप, बेदार, बिजड़, केजान, आसाभांड़।

3. **कर्मधारय समास** (- करनिधारेइ एकुन) - जन एकुनि माहान दुइयो पद माहान एक आंगा आर एकटा गुनिन हेइ चाहे दुइयो आंगा हेइ पारेइक मनेक अकर नाता आंगा-गुनिनेक नियार रहे हेइक। जेसन :- लीलकमल, चांदबदन, जादूमनि, महाजन, घाम तेल, गेरूमाटी, बाछाधन, तेलाइपेटा, कायराकुकुर, पटरानी।

4. **द्विगु समास** (रंद एकुन) - जन एकुन माहान दुइयो पद मीर रहे हेइक। दुइयो साड़ाक (पद) मइध माहान 'आर' लुकाल रहे हेइक।
जेसन :- कांटा-खंचा, पूजा-पासा, नेग-जग, पका माकड़, तेल-सिंदूर, लुगा-फाटा, छवा-पुता, रांधा-बांटा, मरन-जियन, दीया-बाती, नून-तेल, काम-पाइट, चाइल-चलन, सार-भार, दाइल-भात, तिलक-फटा, बेचा-किना, राइत-दिन, खासी-भाठी, आसा-जावा, आना-गना, हिसाब-किताब, पांत-पालहा, हार-फार, तिरि-पुरूस, हांड़ी-कुंड़ी, दया-धरम, पाइख-पाखुड़, आवल-गेल, मायं-बाप।

6. **बहुब्रीहि समास** (खामिद एकुन) - जन एकुनेक साड़ागिला माहान कनऽ टा मीर नि हेइक, बरन कनऽ आंगाक गुनिन हेइक, अके खामिद एकुन कथिक। जेसन :- चिरूनदांती, बांदर मुंहा, पड़लमुंहा, तेलाइपेटा, टाना-टानी, बिलाइ आंखिया, ढाड़हा-ढाड़ही, लेथिया-लेथी, दड़रा-दड़री, बूढ़ाबाबा, सोना-मुंहा।

उपसर्ग (पेंउदा/टुकु जुमुक -Prefix)

पेंउदा साड़ाक खांड़ा बा तामान के कथिक जेगिला, गड़ासरान, आंगा आर गुनिनेक पहिल जड़ाइक।

चाहे

पेंउदा बा टुकु जुमुक उ टुकु साड़ा बा तामान के कथिक जे गड़ा सरान,

आंगा आर गुनिन कर पहिल आवेइ। जेसन :-

उ - उसट, आ - आजाड़, अ- अभागा, नि - निठुर, अन - अनचिनहा, आड़ :- आड़बेरा, आध - आधपाका, निर - निरबंसि, अप - अपजस, दर- दरफाड़ा।

कुरमाली पेंउदा -

अचेठा	आधपुरवा	निछाड़	बेघाइत
अहेला	आधापेटा	निचुत	बेगनती
अबुझ	उरिन	निखउका	बेयाराम/बेआराम
अदिसा	उलबुधिया	निघात	बेयाकुल
अभागा	केजान	निकामिया	बेबुधिया
अभागी	काठबाप	निकामिया	बेमानी
अपांइत	दरछाहाँ	निचाल	ब्रेचाइड़
अगनती	दर चिनहा	निझूम	बेसरम
आजाड़	दरफाड़ा	नीमजुवान	बेखहड़
आथाउ	दरबूढ़ा	निआलिस	बेलुरिया
आबस	दरछला	परदुवारी	बेहाल
आकाट	दरपाका	बदनाम	बेदार
अकान	दरकुचा	बदजाइत	बेढप
आनदिन	दरसीझा	बदचलन	बेकायदा
आदिखलाहा	दरपड़ा	बाथान	बेजड़
आपजाँची	दरकांचा	बिजड़	लिलज
आझबाझान	दरखावा	बिकल	सथल
आड़बेरा	दरपुरवा	बेचारा	सतमायं
आसांभाड़	नापाता	बेलस	
अनदेखा	निरदंदी	बेपाता	
अनजाइत	निफिकिर	बेहया	
अनधन	निसहा	बेभरम	

अनठेकान	निजाला	बेछंद
आनझन		बेबहन
अखहड़		बेजुइत

प्रत्यय (पाइन - Suffix)

जे टुकुसाड़ा आखर/आखड़ बा साड़ाक बादे जड़ाल जाइक, अके पाइन कथिक। जेसन -

ई - लेका-लेकी

इया - गरखी-गरखिया, भादर-भादरिया, सगड़-सगड़िया।

आइ - भउजि-भउजाइ

आनी - देवर-देवरानी

आड़ - रिझ - रिझुआड़

हिन्दीक नियारे कुरमालीक पाइनगिला के चाइर भागे बांटाल जाइ पारेइक :-

1. विभक्ति (परिकेक चिनहा)
2. कृत् (गड़ा सरान बा सरान)
3. तद्धित (आंगा-गुनिन पाइन)
4. स्त्री प्रत्यय (मादा पाइन)

1. विभक्ति (परिकेक चिनहा) - परिकेक बाचिक देवेइया चिनहागिला के परिकेक चिनहा कहाइक। जेसन - ए, के, ले, कर, तेहें, खातिर। इ चिनहागिला बेरा आर झनकर अनुजाइं सरानेक रूप (गढ़न) देवेक तेहें जड़ाल जाइक। जेसन -

राम<u>े</u> खाल (राम ने खाया)

राम <u>के</u> मारलेइक (राम को मारा)

2. कृत् (गड़ासरान बा सरान) - गड़ासरान चाहे सरानेक आखिर माहान जे पाइन मेसाइ अके सरान पाइन कहाल जाइक। जेसन -

पिंधा – पिंधान

पढ़ा – पढ़ल

गढ़ा – गढ़ल

3. तद्धित (आंगा-गुनिन पाइन) – आंगा आर गुनिन साड़ाक आखिर माहान जन पाइन आवेइ, अके आंगा-गुनिन पाइन कथिक। जेसन –

छटऽ – छटका

रंग – रेंगिया, रंगुवा

हेरेइद – हेरदिया

4. स्त्री-प्रत्यय (मादा पाइन) – जन पाइनगिला आंगा, गुनिन चाहे आरऽ-आरऽ साड़ा माहान जड़ाइ के मादा लिंग बनावेइक, असन पाइनगिला के मादा-पाइन कहल जाइक। जेसन –

बाघ – बाघिन

सियार – सियारिन

देवर – देवरानी

काका – काकी

प्रत्यय - (पाइन -Suffix)

आइं – कानाइं, थानाइं, भरसाइं

आउ – मेटाउ, जिजाउ, सिटकाउ

आइन – दुखाइन,

आत – भिनात

आक – थेचकलाक, डाकलाक, खालाक

आल – लरूआल, रिठाल, लुकाल, बुढ़ाल, सेंखियाल, डांडाल,

आक – बुताक, भरसाक, जाताक, ढकनाक

आड़ी – एसवाड़ी, आंकवाड़ी, असवाड़ी

आला – गठाला, पेतियाला

आही/आहि – गागालाहि, मरलाहि, छछड़ाही

अहत – मरऽत, डाकऽहत, मारऽहत

आउलेइक – कांदावलेइक, माथावलेइक, ठनकावलेइक

आन – फेदान, सेंकान, सांथान

आरि – सेंझियारी

आहे – कांदेसाहे, जाइसाहे, मरेसाहे

इया – उपासिया, गनगनिया, उपरिया

इं – आगुइं, पेछुइं

एक – गांवेक, घारेक, रामेक

कहन – खाइकहन, नाभिकहन, धरिकहन

कुहुन – ठेसाइकुहुन, फांड़ीकुहुन, हांकाइकुहुन

गिला – गरूगिला, छवागिला, पाखनगिला

टा – गरूटा, छवाटा, गाछटा, खपरहिटा

टी – बाछुरटी, छवाटी, खुखड़ीटी

टाक – गरूटाक, घारटाक, छवाटाक

टाके – बाघटाके, मानुसटाके, गरूटाके

टीके – गायटके, खुखड़ीटीके, छवाटीके

टांइ – माचाटांइ, कुआँटाइं, घारटाइं

गानी – आइजगानी, तबेगानी, हेलेगानी

टाउ – इटाउ, उटाउ, सेटाउ

टेक – कुड़ीटेक

टाकर – घारटाकर, गाछटाकर, काथाटाकर

ठीन – तरठीन, अकरठीन, कनठीन, मामाठीन

डुल – तरडुल, अकरडुल, बिडुलडुल

त – पारत, डेगत, हेंटत, खात, जात, खात, जात, खेलत

तड़िक – जखनतड़िक, एखनतड़िक, घारतड़िक

ताक – मारताक, कांदताक, मरताक

तर – छांछातर, गाछतर,

तेला – पारेतेला, जाइतेला, खेलेतेला, इडकेतेला

तेलि – जाइतेलि, खाइतेलि, रांधेतेलि

तेन – धरतेन, देतेन, करतेन,

थिक – खालथिक, गेलथिक, कथिक

थिन – देबथिन, लेबथिन, करबेथिन

थुन – देबथुन, खाबथुन, लेबथुन

धाइर – घारधाइर, एकधाइर, चाइरोधाइर

पुरति – राइतपुरति, आजुकपुरति, घारपुरति

नि – मलकनि, माथानि,

नियार – तरनियार, अकरनियार, बेटानियार

ब – बसब, खेदब, जतब

बहन – कहबहन, मारबहन, पिटबहन

बेहे – पावबेहे, जाबेहे, आउबेहे

बाटे – गाँबबाटे, बाड़ीबाटे, खेतबाटे, बाड़ीबाटे

म – जाम, खाम, घुरम, रहम, पारम,

मुंड़ि – गांवमुंड़ि, कुआँमुंड़ि, हेंठमुंड़ि

मानि – भाइगमानि

मुंड़ा – गाँवमुड़ा,

माहान – सेइमाहान, अहेमाहान, छाइनमाहान

ल – बसल, थकल, मरल, गुचल

बेसिक – मारबेसिक, टानबेसिक, लेजबेसिक

लाक – इड़कलाक, हेंटलाक, मारलाक

लाइ – खाइलाइ, मरेलाइ, आनेलाइ

ई – लागली, मारली, सुतली, गेली, खाटाली

लाहा – कुटलाहा, आदिखलाहा

लेखे – तरलेखे, अकरलेखे, कनऽलेखे

लेहे – करलेहे, मारलेहे, हेंटलेहे, भांगलेहे

ले – खापले, गादासले, पींढ़ाजापाले

लेन – मारलेन, कहलेन, दुंदरोलेन

सिक – देबसिक, लेबसिक, खाबसिक

सार – हेंइड़सार, कुआँसार,

हान – आनलाहान, छाड़ीहान, बांचाबहान

हेली – कांदेहेली, जाइहेली, खेलेहेली

हार – करताहार, मरताहार,

हेलाक – खाइहेलाक, चरेहेलाक, जाइहेलाक

हारी – मय्यंहारी, तुलिनहारी, बन्ताहारी

हात – खाहात, जाहात, निदाहात,देखाहात

वाक्य (टुम - Sentence)

साड़ाक एसन जुड़ती जाकर धारिज (निश्चित) अरथ जानाल जाइक, ताके टुम कथिक। जेसन –

रघुइं आम खाइस।

रामे भात खाइस आहे।

टुमेक दुइ खेजा आहेइक –1. उद्देश्य (धेइ - Subject) आर 2. विधेय (खेइ - Predicate)

1. **उद्देश्य** (धेइ) – जेटाइं टुमें धेइकर लेइकुहुन कहाल जाइक। जेसन – रघुइं आम खाइस।

धेइ टुमेक एसन खेजा हेकेइक जेटाइं कनऽ लग बा जिनिसेक लेइ के कहाल जाइक। इटाइं कहाल गेल आहेइक जे रघुइं आम खाइस। सेइ माहान रघु हिआँ धेइ (करमि) हेके। धेइकर रूप माहान आंगा, अउजि, गुनिन, तामान आरऽ-आरऽ आवेइक।

2. **विधेय** (खेइ) - जन साड़ाइं धेइ कर लेइके कहेइ, अके खेइ कथिक। जेसन - खाइस।

वाक्य के भेद (टुमेक रकम -Kinds of Sentences)

मटामटि भाभे टुमकर रकम् तीन दांइजे हेइक - 1. रचना की दृष्टि से (गडहनेक दांइजे) 2. क्रिया की दृष्टि से (सरानेक दांइजे) आर अर्थ की दृष्टि से (भाभेक अनुजाइं)

रचना की दृष्टि से (गड़हनेक दांइजे) - गड़हनेक दांइजे टुम तीन रकम आहेइक -

1. सरल/साधारण (मटामटि टुम -- Simple Sentence)
2. मिश्र वाक्य (जड़न/मेसानु टुम - Complex Sentence)
3. संयुक्त वाक्य (भजानु टुम - Compound Sentence)

1. **सरल वाक्य** (साधारण/मटामटि टुम) - मटामटि टुम माहान एकटी सरान रहेइस आही। इटाइं एक धेइ आर एक खेइ रहेइस। जेसन - फागु जाइस आहे। पानी बरसे हेइक।

2. **मिश्र वाक्य** (जड़न/मेसानु टुम) - जन टुम माहान एक मटामटि टुम छाड़ीकुहुन अकर दावनें कनऽ दसर दर टुम रहेहेइक, अके जड़न टुम कथिक। जेसन -

इटा एहे जाइगा हेकेइक जेठीन बिरसा के फांसी देल रथिक। इटा एहे घारटा हेकेइक जाहाँ मोंय रहे हेलों।

ननकू बन गेले रहे, मनतुक उ एखन तड़िक नि आवल।

आइज तोंय बँहरत जाबे न घारे रहबे ?

3. **संयुक्त वाक्य** (भजानु टुम) - जन टुम माहान दुइ बा दुइटा ले बेसी मटामटि टुम चाहे जड़न टुम तामाने जड़ल आहेइक, अके भजानु टुम कथिक। भजानु टुम

माहान जन टुमगिला रहे हेइक। सभे साधीन रहे हेइक आर सभ टुमेक आपन-आपन अरथ रहे हेइक। जेसन -

-ओंय आवल आर मोंय गेलों।

-बादेइरे ढांपलेइक आर पानी बरसे लागलेइक।

-छवाटीइं कहे लागलेन जे मके करम परबेक आगुए आने जाहिया आर नितर चुपेइ पाड़ाइ आवम।

-मोंय खाइ के उठल रहों न पेट दुखाइ लागली आर दरद एतेक बेसी हेली कि डाकतर के आने हेली।

2. **अर्थ की दृष्टि से** (भाभेक अनुजाइं) - भाभेक अनुजाइं टुम कर आठ भेद आहेइक -

(क) विधिवाक्य (मटामटि/साधारण टुम - Affirmative) - जन टुम ले कनऽ काथा हेवेक बाचिक पावाइक। जेसन -

बेस छवाइं बेस पथि पढ़त।

रघु आवल आर बुधु गेलक।

मोंय पथि पढ़ल आहों।

(ख) निषेध वाक्य (बारन टुम - Negative Sentence) - जन टुम ले कनऽ काम नि हेवेक जानाल जाइक। जेसन -

मोंय नि खाल आहों।

न ससुर आवल न सास।

बेस छवाइं स्कूले नागा नि करत।

(ग) आज्ञार्थ वाक्य (आड़हान टुम - Imperative Sentence) - जेटाइं आड़हान चाहे सेवरन आरऽ-आरऽ भाभ जानाल जाइक। जेसन -

साँचा कहें।

घार जाइं।

बड़ऽ लगेक काथा सुनें।

(घ) प्रश्नवाचक वाक्य (खेंच टुम - Interogative Sentence) - जेटाइं

कनऽ रकमेक खँच करल जाइक। जेसन -

तोंय काहाँ जाइस ?

तोंय मेला देखे नि जाबे ?

तोंय पिंधिसला न ? तोंय पिंधल आहिस न ?

(ङ) आश्चर्य बोधक वाक्य (बधानटुम - Exclamatery) - जेटा ले रिझ, साँताप आरऽ-आरऽ भाभ जानाल जाइक। जेसन - बाह ! एतेक चाड़े आवले। आह ! दरदे मोंय मरी जाहों।

(च) इच्छाबोधक वाक्य (बांछा टुम - Optative Sentence) - जेटाइं कनऽ रकमेक बानछा सर हेइक। जेसन -

सनाक थाले भात खाइं।

तर मनेक साध पूरन हेउक।

(छ) संदेह वाचक वाक्य (दगधा टुम - Doubtful Sentence) - जेटाइं कनऽ दगधा जानाल जाइक। जेसन --

ओंय आपन काम पाइट करल हेताक।

हेइपारेक मके घार जाइ हेती।

(ज) संकेतवाचक वाक्य (- Symbolic Sentence) - जेटाइं कनऽ काम हेवेकटाइं दसरेक आसराक लेइके जानल जाइक ताकर माने जेटाइं काम आर कारन कर नाता रहेहेइक। जेसन :-

जदि पढ़ेतेलिस तऽ इ दासा नि हेइतेलोऊ।

3. क्रिया की दृष्टि से (सरानेक दाँइजे) - सरानेक दाँइजे टुमेक दुइ रकम आहेइकः-

1. कर्तृवाच्य (करमिक कथा - Active Voice)

2. कर्मवाच्य (करनिक कथा - Passive Voice)

(हिन्दी माहान काथा (वाच्य) तीन रकमेक आहेइक - कर्तृवाच्य, 2. कर्मवाच्य आर 3. भाव वाच्य)

वाच्य (काथा -Voice)

सरानेक एसन गढ़न जेटाइं जानाल जाइक जे सरान, करमि आर करनि दुइयोक मइधे काकर लेइके कहाल गेल आहेइक, अके काथा (वाच्य) कथिक।

1. **कर्त्तृवाच्य** (करमिक काथा) – जन टुम माहान सरान करमिक लिंग, लेखा आर परिकेक अनुजाइं हेइ, अके करमिक काथा कथिक। जेसन –

राम पढ़ेइस आहे।

सीता पढ़ेइसैं आही।

फागु आर जेठुइं खात ला।

उपरेक टुमगिलाइं सरान लिंग, लेखा आर पुरुस करमिक अनुजाइं आही।

2. **कर्मवाच्य** (करनिक काथा) – जन टुम माहान सरान करमिक लिंग, लेखा आर परिकेक अनुजाइं हेइ, करनिक काथा कथिक। जेसन –

रामेक दारा गायटी नि दुहाली।

सीताक दारा गरूटा नि खुँटाल।

उपरेक टुमगिलाइं 'सरान' – 'दुहाली' आर 'खुँटाल' करनिक अनुजाइं हेल आही।

एहे नियार – साँढ़ किनाल गेलाक।

गाय किनाल गेली।

इ दुइयो टुम माहान सरान करनिक अनुजाइं हेल आही। तबे टुम माहान जदि 'से' बा 'दारा' बेबहार नि हेइक ता हेले करनि काथाइं सरान करनिक अनुजाइं नि हेइ के लेहरा लिंग माहान हेइ। जेसन –

रामे गायटी के खेदलेइक।

सीताइं गायटी के खेदलेइक।

रामे गरूटा के खुँटलेइक।

सीताइं गरूटाके खुँटलेइक।

उपरेक टुमगिलाक सरानगिला लेहरा लिंग माहान आहात।

विराम-चिह्न (थाँभान चिनहा/थांभाजुकति - Punctuation)

थांभाकर माने हेइक 'थांभेक' चाहे :डांड़ा'। साड़ा बा टुम पढ़ेक खने भाभ फेइरछावेक जालाइं मइधे काहुँ-काहुँ रिचिक खन थांभे हेइक एहे थाभानटा के थाँभाजुकति कथिक। लिखेक खने आपन भाभटा के बेसी फुरछावेक तेहें किछु चिनहा धारिज कराल गेल आहात, उटा के थांभाजुकति कहाल जाइक। एसन चिनहाक ठउका बेबहार नि हेले भाभ बुझेलाइ आँट हेइक।

हेंठे किछु थांभानु चिनहा देवाल जाहेइक :-

1. अल्प विराम (टुकुटेका - Comma) - (,)
2. अर्द्ध विराम (दर टेका - Semicolon) - (;)
3. अपूर्ण विराम (अपूरन टेका - Colon) - (:)
4. पूर्ण विराम (टेका - Full stop) - (।)
5. प्रश्न चिह्न (खंचानु चिनहा -Mark of Interrogation) - (?)
6. विस्मायादि बोधक (बधान चिनहा - Mark of Exclamation) - (!)
7. उद्धरण चिह्न (ढेंसा चिनहा - Inverted Comma) - (" ")
8. निर्देशक चिह्न (सझऽ डांइड़ - Dash) - (–)
8. योजक या विभाजक (जड़ बा घटाव - Hyphon) - (-)
10. विवरण चिह्न (बरनन चिनहा - Colon & Dash) - (:-)
11. कोष्टक (घेरा/बांधन चिनहा - Bracket) - ( ), { } [ ]
12. जोड़ (जड़ चिनहा - Plus) - (+)
13. घटाव (घटाव चिनहा - Minus) - (-)
14. गुणा (गुन चिनहा - Multiplication) - (x)

संज्ञा से विशेषण (आंगा ले गुनिन)

संज्ञा (आंगा)		**विशेषण (गुनिन)**	**संज्ञा (आंगा)**		**विशेषण (गुनिन)**
एंधरिया	-	आंधार	बन	-	बनदिया
आसिन	-	आसनिया	बछर	-	बछरी, बछरिया
इजतिया	-	इजत	बाप	-	बपौती/बपउति
काम	-	कामिया	बयस	-	बयसालु
खउस	-	खउसाहा	बाइस	-	बाइसी (मूल संचालक)
खाटा	-	खाटाली	बाजार	-	बाजारिया
गाड़ी	-	गाड़वान	भार	-	भारी
गुड़	-	गुड़िया	बिहा	-	बिहालु
गतिया	-	गतियारी	भादर	-	भादरिया
गबर	-	गबरिया	भाग	-	भागीदार
चासा	-	चासी	भाखा	-	भाखी
चालान	-	चालानिया	भइयाद	-	भइयादि
चार	-	चारी	भिनसार	-	भिनसारिया
जट	-	जटलाहा	भरसा	-	भरसिया
झागड़ा	-	झागड़ाहा	मास	-	मासाहि/मासाही
झूमेइर	-	झूमरिया	मुख	-	मुखस्त
ढल	-	ढलिदार	मुलुक	-	मुलकी
तेल	-	तेलिया	मांदेइर	-	मांदरिया
धती	-	धतियाल	मातबर	-	मातबरी
नून	-	नुनछिया	मरद	-	मरदानी
दांत	-	दांतालु, दांतलु	मुंह	-	मुखड़
दाढ़ी	-	दाढ़ियाल	मान	-	मानगर
दम	-	दमालु	रकत	-	रकतिया

दाम	-	दामी	रंग	-	रंगिया, रेंगठिया
डाह	-	डाही	सांघा	-	सांघालु
धार	-	धारता	सुख	-	सुखी
धन	-	धनी, धनीमान	सहर	-	सहरिया
पाखन	-	पाथरिया	हार	-	हारवाहा
पाहाड़	-	पाहाड़िया	हिसका	-	हिसकाहा
पाप	-	पापी	दूध	-	दुधारी
पेट	-	पेटलाहा	दिन	-	दिनाम
पानी	-	पेनियाल	नाम	-	नामी, नाम जाइतका
बल	-	बलीमान	राग	-	रागी, रागीदार
उपरिया	-	उपर			

पुलिंग से स्त्रीलिंग (नर लिंग ले मादा लिंग -Masculine - Feminine)

पुलिंग - (नरलिंग)		**स्त्रीलिंग (मादालिंग)**	**पुलिंग (नरलिंग)**		**स्त्रीलिंग (मादालिंग)**
अटकुरा	-	अटकुरी	पुरुस	-	तिरि
आजाससुर	-	आजीसास	फगला	-	फगली
एंड़िया	-	ढाइड़	फूफा	-	फुफू
कंक	-	कंकी	फुल	-	फुलीन
काड़ा	-	भंइस	फुलबाप	-	फुलमाय
कड़रू	-	संड़हूर	बाप	-	मायं
काका	-	काकी	बदा	-	पांठी
कुबा	-	कुबी	बर	-	केनियाइ
कुइला	-	कुइली	बहनेइ	-	बहिन

खासी	-	ढाइड़	बड़भाइ	-	भउजि
गला	-	गलिन	बांझा	-	बांझी
गरा	-	गरी	बड़का	-	बड़की
गुंगुबाप	-	गुंगूमायं	भेंदा	-	भेंदी
चाड़का	-	चेड़की	भेंसुर	-	जेठानी
चेपा	-	चेंपी	भेड़ा	-	भेड़ी , अढ़ाइर
छटऽ भाइ	-	बवासिन	मरद	-	जेनी
छअका	-	छटकी	मुनिस	-	कामिन
ठूंठा	-	ठूंठी	मसा	-	मसी
नर	-	मादा	मेंझइला	-	मेंझली
ढांगा	-	ढांगी	राँड़ा	-	राँड़ी
थुभड़ा	-	थुभड़ी	लेड़हा	-	लेड़ही
दामड़ा	-	दामड़ी	लगदी	-	लगदिन
ननदसू	-	ननद	ससुर	-	सास
देवर	-	देवसनी	साला	-	सरोजिन
पंड़रा	-	पेंड़री	सेंइझला	-	सेंझली
पेंइड़का	-	पेंइड़की	समधी	-	समधिन
सतबाप	-	सतमायं	सखा	-	सखेइन
जेठाससुर	-	जेठी सास, जेइठसास			

विपरीतार्थक शब्द (उलट बग्गा /उलथा- Antonyms)

साड़ा		उलट बग्गा	साड़ा		उलट बग्गा
अदा	-	सूखल	गला	-	ढांगर
अटक	-	छाइड़	गाड़हा	-	टिकरा
आँट	-	आवसान/उसास	गुड़िया	-	तीता
असर्कऽ	-	गीला	घाइत	-	बेघाइत

आपुस	-	पर	चज	-	हेला
आइज	-	काइल	चिनहाप	-	अनचिनहाप
आलना	-	जानाल	चखऽ	-	भथड़ऽ/भटकऽ
आवगार	-	सेव/सेउ	चित	-	पट
आनसा	-	साइंसुइं	चुहुल	-	निचाल
आसते	-	रागे	चेठा	-	अचेठा
आघाल	-	अझड़ल	चारका	-	केरिया
आगु	-	पेछु	चेत	-	अचेत
आवल	-	गेल	चिपास	-	दानी
आलऽ	-	आंधार	जूंठा	-	मुनू
इजतिया	-	एंधरिया	जड़	-	बिजड़
उसट	-	चँहट	झाइल	-	खाटऽ
उबड़ू	-	उतना	ठाउँ	-	धूर/फाराक
उधना	-	गुड़िया	डाँटऽ	-	लुरूपुरू
उसना	-	आरवा	ढांपल	-	उघरल
उगल	-	डुबल	ठसा	-	चिमड़ऽ
उदार	-	सियान	डागर	-	लालहर
उपर	-	हेंठ	ढांगा	-	नाटा
कचकच	-	सुरूखुरू	तातल	-	जुड़ाल
कसनी	-	आबगास	तागड़ा	-	लड़ीपिड़ी
कालहा	-	उरगुम	ताक	-	बेताक
किना	-	बेचा	दमें	-	रिचिक/थड़ेक
खरऽ	-	मालऽ/मालह	धरन	-	झेइड़
खाँड़ा	-	गटा	धीरे	-	रागे
खाता	-	एकइड़ा	नाभान	-	उठान
निड़ा	-	फरा, फंफरा	सरबर	-	कटकिना
नेकी	-	बदी	सांइझ	-	बिहान

पाकल	-	कांचा	सामा	-	बाहरा
पाकठऽ	-	कंचड़ा, लिड़ी पिड़ी	सामलात	-	भिनु
पाहुड़	-	जीतकार	सेमगाल	-	ठनकऽ
पुरऽ	-	पातला	सुसती	-	चाँड़
फइल	-	सांकट	सरम	-	बेसरम
फाराक	-	ठाउँ	हेंठ	-	ऊँचऽ
फझर	-	सांइझ	हेमाल	-	ठनकल
बांड़चू	-	झंपर	अगली	-	पेछली
बासी	-	रका, टाटका	एसवाड़ी	-	असवाड़ी
बाहेइर	-	भीतर	गंऽ	-	बेगंऽ
बेचा	-	किना	गड़	-	मुड़
बेसियाम	-	आड़बेरा	अर (अड़)	-	मुड़ा
बेदार	-	टुकुन	हेला	-	अहेला
भरम	-	बेभरम	सरफा	-	माहगा
भालऽ	-	मन्दऽ			
मुलुक	-	परदेस			
मटा	-	सरू			
मिछ	-	सांचा			
मुनू	-	जूंठा			
मीर	-	ढड़ही			
मेही	-	झिंझरा			
मुखड़	-	मुचर			
रउद	-	छांहेइर			
रिचिक	-	सांगी			
लस	-	बेलस			
लालहर	-	झंपर			
सझंऽ	-	बांकऽ			

श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द (सुनेइत के समान माने भिनु-भिनु)
(Pair of Words)

आंट – कठिन
आंटा (क्रि.) – कसना (सकतावा)
आंवा – घड़े पकाने का स्थान (हांड़ी पड़ावेक जाइगा)
आवा – आइये
अदा – ठीकसिर नि सूखल
आदा–अदरख
कांड़ – बल्ली
कांड – तीर(चियाड़ी)
कुंड़ी – पानी उठाने का बर्तन
कुड़ी – बीस
कुहरा – कुहासा
कुंहरा – कष्ट में मनुष्य की आवाज
काँचा – धपका, कमजोर
काचा – पहनने का वस्त्र
काचा – कपड़ा साफ करना(लुगा साफा करा)
कुधा – समूह, ढेर (डिंग)
कूदा – दौड़ना
करा – गोद
करा(क्रि.) – कीजिए
काठ – लकड़ी
काठ़ – चालीस पइला
जंड़ि – जोड़ना
खँच –प्रश्न, महुआ का फूल

खांटी – शुद्ध
खाटी – खाट
खेरेइ – खलिहान
खाराइ – जलकर काला होना
खेप – बार (धंग)
खेप – फिक्स करने वाला लोहा/लकड़ी
गाभा – गहरा
गाभा – चौड़ा (घारेक असाइर)
गारा (क्रि.) – निचोड़ना (मुठनी गारा)
गारा(सं) – मिश्रित पदार्थ (माटिक गारा)
गाइर – गाली
गतर – गात
गतरऽ – कुल, वंश
घंघी – घंघी
घघी – मछली मारने का सामान
जट – जटा
जांता – बड़ा सरौता
जांता – किसी को दबाना, पटकना
जाम – जाऊँगा
जाम – जामुन
जारा – जो

खँचा - नुकीली वस्तु

खंपा - जुड़ा

खंपी - विशेष शैली का घर

जड़ि - सम, वयस्क

जांत - बन्धक

जांति - सरौता

जारा - पतला जंगल

झट - जल्दी, चांड

झाइल - लम्बा, जोड़ा

झाड़ - वंश

झाड़ा - बार-बार शौच होना

झाल - तिक्त स्वाद

झांप - कूदना

झांक - खींचना, लता को ऊपर चढ़ान
के लिए गाड़ी जानेवाली झाड़ी

झाड़ा - बार-बार शौच होना

झाल - तिक्त स्वाद

झाइल - लम्बा, जोड़ा

झाड़ - झाड

झाड़ - झाड़ी

झाड़ा - झाड़-फूंका

डहर - रास्ता

झगड़- एक यंत्र जिससे डुबी हुई
बाल्टी को उठाया जाता है

झगड़ा - लड़ाई करना

झरक - ताप

जरक - पानी का स्रोत (पानीक सत)

डेहर – उठान
ढामना – एक प्रकार का सांप
छिपा – थाली, बर्तन
चिपा – दबाना

टान – अकाल, अभाव
टान – खिंचाव
टाड़ – पानी ले जानेवाली समान जमीन
टाड़ा – सहारा देनेवाली लकड़ी
टांइड़ – मैदान, तीसरे दर्जे की जमीन
टांगा (क्रि.)– टांगना
टांगा(सं.)– कुल्हाड़ी
टकरा – छोटा खेत
टिकरा – ऊँचा स्थान(ऊँचऽ जाइगा)
ठाइं – जगह (जाइगा)
ठाइं – थाली (थाल)
ठमकल – रूक गया
ठनकल – पूरा सूखा हुआ
डउल – बाल्टी
डउल – खत्म होना, डूब जाना
डांइड़ – लकीर
डांड़ी – तराजू
तांत – कपड़ा बुनने का यंत्र
पन – प्रतिज्ञा
पन(पण) – मुद्रा, कन्या को दी जाने वाली राशि
फेरकी – बांस का बना हुआ दरवाजा
फरकी – फरक–फरक में रहना
फांड़ा – सोचना

तांत – कपड़ा बुनने का यंत्र
तांइत – गरमी
ताव – लहर (आग की) आग की लहक, तो भी
तावा – एक बर्तन
दामड़ा – छोटा बैल
दमड़ी – तेल रखने का छोटा बर्तन
धरन – वृष्टि का अभाव, सूखा
धरन – स्वभाव, प्रकृति
धधकी – एक प्रकार का फूल
धधकी – प्रज्ज्वलित होना
दाढ़ी – जला हुआ दूध
दाढ़ी – मूछ–दाढ़ी
नाभान – उतार, ढाल
नाभान – लम्बाई, (कमीज की)
पांचन – एक प्रकार की साड़ी
पाचन – पचाने की बड़ी
पांका – पंक, कीचड़ की मिट्टी
फांका – व्यर्थ, बेकार
पांठी – छोटी, बकरी
पुंठी – पीठ का पिछला हिस्सा

पारा (क्रि) – सकना
पारेइ – अंडा देना
पांठा – छोटा बकरा
पाठा – भेजना
बोदी – एक प्रकार की सब्जी
बदी – बदनाम, कलंक

फांड़ा – दुख का ग्रह
बान – बाढ़ (बाइड़)
बान – धान के पौधे
बान – मंत्र के असर से पैर आदि में घाव होना
बाझी – व्यस्त होना
बांझी – निः संतान स्त्री
बेरा – हाथ का कंगन
बेरा – सूर्य, काल, समय, बेला
बड़ – एक पेड़ (बड़ गाछ)
बर – दुल्हा
बेड़ा – नदी के बगल की जमीन
बेड़हा – घुर-फिर कर आना
बाढ़ा – बढ़ना
बाढ़ा – साफ करना, झाडू देना
बाइड़ – उफान
बाइड़ – वंश, खाटा-बाड़हा
बांइद – मोरा
बाइद – टांड़ के नीचे की जमीन
बांट – गाय का स्तन, थन
बांटा – हिस्सा, भाग
बिड़ि – जांचना
बिंड़ी – सिर पर घड़ा रखने के लिए पुवाल की बनी वस्तु
संग – साथ
संगऽ – समाप्त (सेंस हेवा)
सिधा – एक प्रकार का पेड़, विवाह के अवसर पर

भार – जिम्मेवारी
भार – बजन, बंहगी
भकुवा – बेवकूफ
भगुवा – एक प्रकार का परिधान
भरसा – शक्ति, ताकत
भरसी – अंगीठी
मने – याद, स्मरण
मन – एक प्रकार का पौधा
मुंदना – बन्द करना
मुंधना – घर का ऊपरी हिस्सा
राग – क्रोध
रागे – तेज गति
लर – आंसू
लार – लार, मुंह से पानी आना
सलुक – श्लोक, लोकोक्ति
सालुक – कमल फूल
लाठा – गोंद
लेठा – झंझट
लादा – एक लम्बी मोटी लकड़ी
लादा (क्रि) – लादने की क्रिया
लड़हा – फूल चुनना
लड़ही – मशाला पीसने का सिलौटा
सिंका – सामग्री रखने के लिए झूलाया रस्सी का रस्सी का आधार
सिका – गोदना

दिया जाने वाला चावल

सीधा सामने

सिधिया – तेल

सुधिया – पूछना

धाइर – किनारा

झाइर –बार-बार

हाल – नमी

हाइल – बैलगाड़ी के ऊपरी हिस्से में लगानेवाली पतली लोहे की पट्टी

ढनगल – लेटा हुआ

ढनकल – अन्न के लिए मोहताज

मन – चालीस सेर बराबर एक मन

मन – एक प्रकार का पौधा

सिकल – मोरा की रस्सी

सिकल – सिकड़ी

सुंघा – पतली नाली

सुंगा – ऊपरी हिस्सा

हिसका – ईर्ष्या

हिसकऽ – आदत

फर – फल

फार – फाल

बड़ – पुवाल की मोटी रस्सी

बड़ऽ – बड़ा

गादा – भीड़

गादा – मजबूत बनाने के लिए पीटना

ऊनार्थक शब्द ( ) Diminutive

शब्द (साड़ा) – ऊनार्थक साड़ा

धार – कुड़िया

जाँता – जाँती

खाँचा – खाँची

टंकी – टुपा

नेदी – सेतिया, जुड़िया

डाबेइर – टकरा

डुभा – डुभी

पाहाड़ – टुंगरी

बांध – गेड़िया

सूप – सुपली

हाँड़ा – हाँड़ी

लुआठी – तितकी

टांगा – टेंइगला

धासना – आइड़

डांग – ठेंगा

खाटी – खेइटला

ढकना	–	ढकनी	ढल	–	ढलकी
मूसा	–	चुटिया	टीका	–	टिकली
आंगरा	–	फुरूंग	पाखन	–	रूगड़ी
थारी	–	छिपा	लड़हा	–	लड़ही

विशेषण से क्रिया (गुनिन ले सरान)

विशेषण (गुनिन) – **क्रिया** (सरान)

चिकन	–	चिकनाव
जवान	–	जवा
आगु	–	आगुआव
पेछु	–	पेछुआव
सझऽ	–	सझाव/सझाउ

क्रिया से विशेषण (सरान ले गुनिन)

क्रिया (सरान)	–	विशेषण (गुनिन)
कांदा	–	कांदेइया, कांदरू
खेला	–	खेलेइया
थका	–	थकान
देखा	–	देखान
पढ़ा	–	पढ़ुवा/पढ़ेइया
पेंइरा	–	पेंइरेइया
बांधा	–	बांधन
बाझा	–	बाझान
मारा	–	मारेइया
बांटा	–	बांटेइया
काटा	–	काटेइया
खावा	–	खावेइया

संज्ञा से क्रिया (आंगा ले सरान)

संज्ञा (आंगा) - **क्रिया** (आंगा ले सरान)

कादा	-	कादआउ
चाटका	-	चटकाव/चाटकाउ
लाइत	-	लेथिया, लेथिआव/लेथिआउ
हाथ	-	हेथिया, हेथिआव/हेथिआउ
डहर	-	डहराव
पानी	-	पेनिया, पेनियाव
साबुन	-	साबनाव
बाढ़िन	-	बाढ़ा
बांधन	-	बांधा
लेबदा	-	लेबदाव/लेबदाउ
एंड़ि	-	एंड़ियाव/एंड़ियाउ
चुमान	-	चुमा, चुमाव
उठान	-	उठा, उठावा
नाभान	-	नाभा, नाभाव

क्रिया से संज्ञा (सरान ले आंगा)

सरान	-	आंगा	चला	-	चलन
गना	-	गनती	घड़ा	-	घेरा
चला	-	चलती	बाढ़ा	-	बाढ़िन
उठा	-	उठान	नाभा	-	नाभान
मिला	-	मेसा	जता	-	जताइ
मारा	-	माइर	बांटा	-	बांटेइया
गढ़ा	-	गढ़ेइया	घड़ा	-	घड़ना
खा	-	खावेइया	उखड़ा	-	उखड़ावेइया
लेगा	-	लेगेइया/लेजेइया	फाड़ा	-	फाड़ेइया

लूटा	-	लुटेइया	डाका	-	डाक
गावा	-	गावेइया	पीया	-	पियास/पिआस

ढेइर साड़ाक एक साड़ा

जन बेटी छवाक दांत कंकइ नियार आहेइक	-	चिरूनदांती
जन बेटी छवाक कापाड़ ऊँचो आहेइक	-	ऊंचकापाड़ी
जन लग बिहा करल परे ससुर घारे रहेइ	-	घारजावाइं
जाकर पेट तेलाइ नियार आहेइक	-	तेलाइपेटा
जाकर पेट बेढप आहेइक	-	ढिड़रापेटा
जाकर कान खेड़हाक कान नियार रहे हेइक	-	खेड़हा काना
जन बेटी छवाक नाके सिंघन बाहराते रहे हेइक	-	सिंघन नाकी
जन बेटी छवाक छवा-पुता हेल आथिक	-	छवेइल मायं
जाकर एको ठपी लाज नेखेइक	-	लिलज
जेइं पेति काम नेगा हाथे करेइ	-	नेगड़ी
जाकर बहू मरी गेल आहेइक	-	रांड़ा
जन बने इपाइर-उपाइर देखाल जाइक	-	जारा
जन लगे कम काथा कहेइ	-	मुंह्चर
जन लगे बेसी काथा कहेइ	-	मुखड़
जाकर पुरूस मरी गेल आहेइक	-	रांड़ी
जखन तड़िक जिनगानी रहतेइक	-	जाबत जीवन
खेरेइए सुतेलाइ पंवारेक बनावल घार	-	कुंबा
जाकर सभाभ बेटीछवा नियार रहे हेइक	-	जेनीमुंहा
जेइं खेती-बाड़िक काम करेइ	-	चासा
जेइं मुंड़ मुड़ावल आहे	-	मुंड़रा
जाकर मुंड़े चुइल नेखेइक	-	चांदला
जन बेटी छवाक उमेइर हेल परोउ बिहा नि हेइक	-	थुभड़ी
जन बेटी छवाक बिहा हेल परे तीन-चाइर बछर		

तड़िक छवा-पुता नि हेथिक	- डंगुवा
जेइं बेसी लभ करेइ	- लउठाहा
जेइं हिआँ-हुआँ खाइ-भुलेइ	- पातेइर चाटाहा
जन बेटी छवाक रिचिको लाज नेखेइक	- बेहया
जेइं आवती बेराक काथा जाने पारेइ	- अगमजानी
जन बेटी छवाक छवा-पुता नि हेलथिक	- बांझी
राइते डांगर चारावे जावा	- पसरचरा
दुपहर आर सांइझेक समय	- आड़बेरा
बिहान आर दुपहरेक मइधेक समय	- बेसियाम
डांगर चरेक जाइगा	- चाराट
जेइं दमे-रागे-रागे काथ कहेइ	- चंगामुंहा
जेइं निजेइ बार-बार देखाइ हेइ	- छांहेइर देखा
जेइ बेजाइं जिध करेइ	- जियंत जम
जाकर कनऽ कामेक लुइर नेखेइक	- बेलुरिया
जाकर हाथे छटी आंगुर रहे हेथिक	- जेरका
आन जाइत संग पिरित करेइया बेटी छवा	- बिटलाही
जेइं कबोउ देखल नेखे	- आदिखलाहा

मुहावरे (मुहजरा - Idioms)

कुरमाली बेयाकरन लिखेइयाइं महावरा के मुहजरा, आलाट टुम कहल आथिक। पहिल हामरा के जाने हेती जे मुहजरा किना हेकेइक। एसे तऽ हामरा नित-दिन काथा-बातरा कहेक खने कनऽ नि कनऽ मुहजराक बेबहार करियो। मुहजरा काहे बेबहार करल जाइक ? हामरा कहे पारियो जे मुहजरा कनऽ भासा (भाषा) माहान हेवेइया टुमेक खांड़ा हेकेइक। एकर बेबहार माहान टुम (वाक्य) दहड़, चुहुल आर-लकलकिया हेइ जाइक। भासा के सुघड़, रोचक आर बेस बनावेक तेहें कराल जाइक।

मुहजरा टुमेक खांड़ा हेकेइक जाकर अरथ बा माने टुमे बेबहार हेल परेइ जानाल जाइक। आबगा मुहजाराक कनऽ माने नि हेइक। कनऽ काथा के घुराइ-फेराइ कहेक तेहें मुहजराक बेबहार करल जाइक। जखन तड़िक मुहजरा के टुमे ना बेबहार करल जाइक तखन तड़िक एकर ठउका अरथ (माने) नि जानाल जाइक।

मुहजराक परिभाषा – डॉ. कृष्ण लाल हंसे 'निमाड़ी और उसका साहित्य'(निमाड़ी भाषा के मुहावरे) माहान लिखल आहात – "मुहावरे वास्तव में वाक्य-खण्ड हैं, जब इनका प्रयोग वाक्य में किया जाता है, तब उस वाक्य की शक्ति और प्रभाव पूर्वापेक्षा अधिक बढ़ जाता है।"

डॉ. कृष्णदेव उपाध्याये मुहजराक परिभाषा एहे नियार देल आथिक :- "हिन्दी अथवा उर्दू में लक्षणा अथवा व्यंजना द्वारा सिद्ध वाक्य को ही मुहावरा कहते हैं।" डॉ. शंकर लाल यादवे मुहजराक तेहें 'रूढ़ि' साड़ाक बेबहार करल आहात। अराक अनुजाइं मुहजराक परिभाषा एहे नियार आहेइक -"मुहावरा उस सुगठित पद समूह का नाम है जो अपना साधारण अर्थ (वाच्यार्थ) नहीं, अपितु एक विशेष अर्थ (रूढ़ार्थ या लक्ष्यार्थ) प्रकट करता है।"

ए हे नियार George Reeves 'Idioms in Action' **माहान लिखल आहात** "Some one says some thing in a special way. It is a group of words which cannot be clearly understood from the ordinary meaning of its words. In time is an idiom. So is on time.

इ सभ परिभाषा के दांजल आर परिख करल परे कहाल जाइ पारेइक जे मुहजरा टुमेक खांड़ा हेकेइक आर टुम के सुघड़, रोचक आर दड़ह बनावेक तेहें बेबहार करल जाइक।

मुहावरे (मुहजरा - Idioms)

1. **आंइख फूटा** - (ईर्ष्या करा, डाह करा) - ओंय मके फूटल आंइखे देखे नि पारेइ।

2. **आसापति हेवा** - (गर्भवती हेवा, भारी गाते रहा) - धनुवाक बहू आसापति आही।

3. **आइग लागा** - (झागड़ा करावेइया) - आइग लगा लग संग नि रहा चाही।

4. **आंइख फूटा** - (बुइध हेवा, गेयान हेवा, आंधा हेवा, नि देखे पावा) - 1 आइज अकर आंइख फूटलेइक न मके हेता नि करेइस। 2 पापेक कारन अकर दुइयो आंइख फूटलेइक।

5. **आंइख उठा** (आंइखे रग हेवा) - मगरूक आंइख उठल आहेइक, अकर पास ना जाइस।

6. **आंइखे धूरा देवा** (धखा देवा, छलकरा, ठगा) - मितनाइं मके आंइखे धुरा देइके सभे जमी-जाइगा लिखाइ लेलाग।

7. **आइग मुति कइला करा** (बेसी उतपाइत करा) - एकटा बेटा आइग मुति कइला करा हेत।

8. **अन्त नि पावा** (रहस्य नि जाने पावा, किछु नि जाने पारा) - रघु एसन घाघ हेके जे केवे अकर अन्त नि पावे पारत।

8. **आइगे भाइ लुआठी हेवा** (एके धंचरेक लग) - धनिया के तोंय कम ना बुझसिक उ आइगेक भाइ लुआठी हेके।

10 **अलग पुइ हेवा** (परभरसिया, लगेक भरसाइं रहेइया) - एसन लग जारा पुइ हेकत, ताराक ले फाराकेइ रहा चाही।

11. **आंधार देखा** (गरब करा, घमंड हेवा, धाधानी धरा) - गरीब लगे आचाकाइ धन पावले आंधार देखे लागत।

12. **आझान-बाझान काथा कहा** (परपंचिया, हिंदेक काथा हुंदे कहेइया) - बेस लगे आझान-बाझान काथा नि कहत।

13. **आपन गड़े ठाढ़ हेवा** (काकरो भरसा नि करा, आत्मनिर्भर हेवा) - करमा आपन जहते आपन गड़े ठाढ़ हेल आहे।

14. **आइगे पानीइं झांप देवा** (बिना बुझी-सुझी काम करा) आइगे पानीइं झांप देले कनऽ काम नि सराइक।

15. **आंइखेक बाली हेवा** (बेइरी, दुसमन) पुसुइं मने-मने भाभेइ जे अकर पड़सी सभ अकर आंइखेक बाली हेकत।

16. **आड़ा-आड़ी रहा** (टंढा-टंढी रहा) - निजेक लग संग आड़ा-अड़ी रहाटा बेस ना लागेइक।

17. **इजरो गाते कारी** (बदी देवा, बदनाम करा) - बेस लग के कनऽ एसन काम नि करा चाही जेसे इजरो गाते कारी लागोक।

18. **उनीस-बीस हेवा** (रिचिक कम-बेसी, रिचिक फरक) - मेघुक गरूगिला उनीस बीस आथिक।

18. **उपर मुंड़ करा** (साहांस करा) - बलीमान लग राइते-आंधारे उपर मुंड़ करि जाहाँ खुसी ताहाँ जात।

20. **एड़िक घाम मुड़े** (खाटल धन) - खुदियाइं एड़िक घाम मुड़े करि के आठाल धन जहड़ावल आहे।

21. **एक दुलकन** (रिचिक धूर) - कोंचो ले बांधाल घाट मेला एक दुलकन आहेइक।

22. **कांड़े-बांसे** (टंठा-टंठी रहा) - मेरखू सभ दिन भइयाद संग कांड़े-बांसे रहल।

23. **कापाड़ फाटल** (हतभागाहा, भाइगहीन, अभागा) - कापाड़ फाटल रहले कनऽ काम बेससिर नि हेइक।

24. **कामियाक पाहाड़े भात** (जहत करेइया, खाटेइया, कामिया) - जेइं खाटत तेइं पाहाड़ेक भात पावत।

25. **कानी कउड़ी** (खाली हाथ हेवा) - किना कही देबों एखन पर संग कानी कउड़ी नेखत।

26. **कानाक ठेंगा** (एकमात्र सहारा) - अकलूक साधेक एकटा बेटाइ अकर कानाक ठेंगा हेकेइक।

27. **कुरथी ढाड़हा** (दमे मारा) - गांवेक लगे चर के कुरथी ढाड़हा ढाड़ावलेथिक।

28. **काना भाग हेवा** (डेढ़ी-बाढ़ी भाग करा) - भाइ-भाइ के काना भाग करि देवा बेस ना लागेइक।

28. **काने तेल लेवा** (निचुत रहा, धेयान नि देवा) – काने तेल लेइके संड़गी रहले हामरा कबऊ आगुबाटे नि आगुआइ पारब।

30. **कापाड़ेक फेर** (भाइगेक खंटा) – घाम गारल धन नासति हेले लगे कहत इटा कापाड़ेक फेर हेकेइक।

31. **कापाड़ फरकल** (भाइगमान) – जेठुक कापाड़ फरकल आहेइक जे कामे हाथ देहेक सेटाइ बेस नियार हेहेइक।

32. **करम कापाड़** (भाइग) – करमूक करम कापाड़ बाम हेल आहेइक सेइ माहान कनऽ काम नि हेहेइक।

33. **काने-काने काथा कहा** (फुसुर-फासार करा) – बेस लगे काने-काने काथा कहाटा ठीक नि बुझत।

34. **कान नि देवा** (धेयान नि देवा) – एखनुक छवाराइं आपन चार के बढ़ावेक हांतिर कान नि देवे हेथिक।

35. **काने-कापाड़े** (गटाटाइ) – इ बछर बेइरसा हेलेइक सेइ तेहें काने-कापाड़े धान हेलेइक।

36. **कान-मुंड़ लाड़ा** (गनती करा) – कान मुंड़ ना लाड़ले केसे जानबे गरूगिला केतना आहात।

37. **कुहू पका** (असमये पाकल) – कुहू पकाक कनऽ मूलाज नि रहे हेइक।

38. **खुखड़ीक गड़े तेल** (छटऽ के खसामदी करा) – चासे-बासेक कामे खुखड़ीक गड़े तेल ना देले काम नि हेइक।

38. **खेइड़का टुंगा** (उलुस काम) – पढ़ा-लिखा खेइड़का टुंगा ना लागेइक।

40. **खेड़हा निदा** (रिचिक ढनगा) – बेस पढ़ुवा छवा पढ़ेक जालाइं खेड़हा नीद निदात।

41. **खाटी मेड़िया** (बेजार हेवा) – बुधनीइं आठ मास ले खाटी मेड़ियावल आही।

42. **खाल माड़ पानी हे**वा (गंडगल करा, हंके नि लगा) – इ डांगर गिला किनल ले मर खाल माड़ पानी हेल आही।

43. **खाप नि खावा** (मेल नि रहा) – मगरूक आर हारूक खाप नि खाइन।

44. **गात जरी उठा** (राग हेवा) – करमीक काथा सुनीकुहुन बुधनीक गात जरी

उठलेइक।

45. **गंगा पावा** (मरी जावा, नस्ट हेवा, नि रहा) – रतने आइज राइते गंगा पावल।

46. **गरीबेक राग पेटे पचा** (गरीब के सभे सहे हेइक) – इटा जानल काथा हेकेइक जे गरीबेक राग पेटेइ पचेइक।

47. **गोबर माटी देवा** (तसफिया करी देवा, मेटमाट करी देवा) – दुखुक आर सुखुक झागड़ा के पंचायते गोबर माटी देइ देलथिक।

48. **गात भारी हेवा** (आसापति हेवा, गर्भवती हेवा) – करमाक बहू एखन भारी गाते आही।

48. **गाय-बाछुर हेवा** (बेसी पेरेम) – छटऽ छवा मायं संग गाय-बाछुर नियार हेत।

50. **गुड़माटी करा** (नासती करा, नाकसान करा) – आर किना कहम तोंय मर सभे गुड़-माटी करि देले।

51. **गाते कांटा-खंचा नि रहा** (निफुट हेवा, गाते कनऽ दाग नि रहा) – जे छवार्टीक गात कनऽ रकमेक कांटा-खंचा नि रहे हेइक अकर चांड़ेइ बिहा हेइक।

52. **घेंचाक माला** (प्रिय वस्तु, पेयारा जिनिस) – सनाक गहना-गुड़िया बेटी छवाक तेहें घेंचाक माला हेकेइक।

53. **घामगारा धन** (खाटि के अरजल धन) – अघनुइं घामगारी के बेजाइं टाका-पइसा जहड़ावल आहे।

54. **घाटेक पाथर** (सहनशील, स्वच्छ, बेजाइं सहेइया) – तोंय जानिस न नि जानिस रामधन तऽ घाटेक पाथर हेके।

55. **घार घुसड़ा** (कड़ही लग) – आवती बेराइं घार-घुसड़ा लगेक जिनगानी दाय हेय जाइन।

56. **घाघर घेरा** (चाइरो बाटे ले टेका) – गांवेक लगे राइते एकटा बाघ के घाघर घेरा घेरलेथिक।

57. **घारेक ढेंकी बाघ हेवा** (निजेक लग बेइरी हेवा) – गांवेक लगे घारेक ढेंकी

बाघ हेले केवे आगुबाटे बाढ़े नि पारेइ।

58. **घेंचाइ चिपा** (विपदे गिरा) - किना कही देबों आइज-काइल मोंय घेंचाइं चिपाल आहों सेइ माहान काहुँ नि जाइ पारोहों।

58. **चल कहले कांधे झूली धरा** (तुरूत तेयार हेवा) - मगरू एसन लग हेके जे चल कहलेइ कांधे झूली धरेइ।

60. **चटे चिउड़ा हेवा** (तुरते कनऽ काम नि हेइक) - इ कामटाइं समय लागतेइक तोंय चटेइ चिउड़ा हेउक कहले कि हेतेइक।

61. **चिमटी बिहा** (पानीक सत सूखी जावा) - निरन मासे गटाइ चिमटी बिहा हेइ जाइक।

62. **चंगा मुंहा** (बेजाइं मुखड़) - जेठु चंगा मुंहा हेके सेइ माहान अकर पासे केवे नि बसत।

63. **चट मगनी पट बिहा** (चाड़ें काम पाइर करा) - दिनुवाइं चट मगनी पट बिहा करल रहे।

64. **चिंमटी उंड़ु खजा** (लुकाइ भुला, डाराइ जावा) - पुलिसेक डरे चरे चिमटी उंड़ु खजी भूलत।

65. **छुछुवा मारी हाथे गंध** (छटऽ कामे बदी हेवा) - तोंय एसन कनऽ काम ना करे जेटाइं लगे कहोत जे छुछुवा मारी हाथ गंध करी लेल।

66. **छंदर-बंदर हेवा** (मठेइ हिंदे-हुंदे घुरा-फेरा करा) - मथुर बिहा घारेक आनगाइं मठेइ छंदर-बंदर भूलेइ।

67. **छांछाइं मुंधनाइं हेवा** (कनऽ बाटे नि हेवा) - जेठुइं मिठु के कहलेइक एखन मोंय छांछाइं न मुंधनाइं हेल आहों।

68. **छूछा के कने पूछा** (गरीबेक कनऽ पूछाइर नि हेवा) - दुनियाक रीत हेकेइक छूछा के केवे नि पूछथिन।

68. **छांहेइर देखा** (आपने देखाइ हेवा) - छांहेइर देखा लग के केवे नि बिसास करथिन।

70. **छांहेइर करा** (मदत करा, आश्रय देवा) - मधु के बाप मरल परे अकर काकाइं छांहेइर करि बाढ़ावलेइक।

71. **छेंछरा सूपे चुमा** (साराप देवा) – सतवाइ मांये बहू के छेंछरा सूपें चुमावथिन।
72. **जिंयत जम** (जिद्दी हेवा, बेसी हठकरा) – बुधुवाक बेटाटा टाटका जिंयत जम हेकेइक।
73. **जागी–सुता** (सतर रहा) – जागी–सुतले कनऽ जिनिसेक नासकान नि हेइक।
74. **जांगड़ाइ आइग लागा** (निकुम हेवेक, नांगसा करा) – मांये छवा के रागे कथिन जे किना तर जांगड़ाइं आइग लागल आहोव इटा नि करे पारल आहिस ?
75. **जनमेक खंटा** (बदनाम रही जावा) – मांये छवा के सिखावथिन जे बेटा एसन कनऽ काम ना करिस जेटाइं जनमेक खंटा रही जातेइक।
76. **जइ नाड़हा तइ परबत हेवा** (केवे कम नि हेवा) – परिवारे जइ नाड़हा तइ परबत हेले कनऽ काम बेससिर नि हेइक।
77. **झाड़े–झापने** (दले–बले, हुजा के हुजा) – टुसू परबे लग झाड़े–झापाने मेला देखेलाइ जात।
78. **टेकेटेंड़े करा** (कामें बांजु करा, बाधा करा) – तोंय मके टेके–टेंड़े नि करले इ कामटा आइज हेइ तेली।
78. **ठेंगाइ ठेंगा भांगा** (जाइते जाइत के खति करा) – ठेंगाइं–ठेंगा भांगले हामरा कबऊ आगेबाटे जाइ नि पारब।
80. **ठेपो देखाइ देवा** (धखा देवा, चेंदी लेवा) – दुखुइं सुखु के पइसा धार देल रहेइक, मांगे गेल न ठेपो देखाइ देलेइक।
81. **डकाक खाड़े जावा** (बेरबाद हेवा) – जन छवा नि पढ़त तारा डकाक खाड़े जात। नि पढ़बे तऽ डकाक खाड़े जाबे।
82. **डाइर छाड़ा बांदर हेवा** (कनऽ बाटे नि हेवा) – मितना जमीं–जाइगा बेची के डाइर छाड़ा बांदर हेइ गेल।
83. **डुमेइर फूल हेवा** (अदेखा हेवा, नापाता हेवा) – रतन नकरी पावल परे डुमेइर फूल हेइ गेला।
84. **डाइर धराइ देवा** (बिहा देवा, जड़ी करा) – मधुइं आपन बेटागिला के डाइर धराइ देलेन।

85. **ढेलकाइं ढेलका** भांगा (निजेक लग के झागड़ा लागाइ देइ के फायदा करा) – सिरकाल लगे ढेलकाइं ढेलका भांगत।

86. **ढाकेक बांवा** (निकामिया लग) – पढ़ा-लिखा ना करि के तऽ मोंय ढाकेक बांवा हेइ गेल आहों।

87. ढिपा सुइन हेवा – (बेरबाद हेवा, विनास करा) – ठिकसिर नि रहबे तऽ ढिपा सुइन हेइ जाबे।

88. **ढाकेक आगुइं पिंपती** (बड़ऽकर पासे छटऽकर माइन नि हेवा) – केतनो भालऽ बाजले ढाकेक पासे पिंपतीक बाजा भेसताइ जाइक।

89. **तुहुंग-नुसुंग करा** (नासतिकरा, बेरबाद करा) – मगरूक छवाइं परिवार के तुहुंग-नुसुंग करि देलथिक।

90. **ताल पातेक आइगा** (दुइ दिनिया राग) – तिरि-पुरूसेक झागड़ा ताल पातेइक आइग हेकेइक।

91. **थथना फुला** (रूसा, रागाइ जावा) – बेटी छवाइं परब-तिहारे नउतन लुगा नि पावले चांड़ेइ थथना फुलावत।

92. **थूंकी के चाटी घुरावा** (आपन काथा घुराइ लेवा) – थूंकी के चाटी घुरावेइया लग के बिसास नि करा चाही।

93. **दस दुवाइरेक लग** (मांगेइया, भिखारी) – दस दुवारिया लगे समाजे मान-सनमान नि पावत।

94. **दिनेइ तारिया देखा** (बेजाइं घमंड करा) – गरीब लगे आचाकाइ धन पावले दिनेइ तारिया देखे लागथिन।

95. **दुइ भाग हेवा** (फेरिछ हेवा) – दीनुवाक बहू राइतेइ दुइ भाग हेली।

96. **दुखे रावन कांदा** (बेजाइं दुख हेवा) – असमये बेटा-पुरूस मरी गेले बेटीछवाक दुखे रावन कांदेन।

97. **दूधेक धार सुधे नि पारा** (जिनगानी भइर धारता रहा) – जिनगानीइं केवे मांये दूधेक धार सुधे नि पारत।

98. **धाउत भांसल** (मरन दासा) – दुखिया घारेक बूढ़ाटाक धाउत भांसल आहेइक।

99. **धुंगा देखा** (मरेक कामना करा) – पुतोहूइं रागे सास के गाइर देथिन एबार तर मोंय धुंगा देखम।

100. **धरी सांकटा** (जबरदस्ती करा) – गांवेक लगे चरटा के धरी सांकसाटवलेथिक न ओंय चरी करलटा गतल।

101. **नदी धारेक गाछ** (ढेइर उमेइर हेवा, बूढ़ा हेवा) – नदी धारेक गाछ कखन गरतेइक कनऽ ठेकान निहिं।

102. **नारबा–खारबा करा** (नासति करा, बेरबाद करा) – अराक घारेक छवाटाइं मर सभ जिनिस नारबा–खारबा करि देल।

103. **परेक छाताइं छांहेइर हेवा** (परेक भरसाइं रहा, पर बुइधा) – दुखुइं सुखु के कहलेइक, आरे भाइ परेक छाताइं छांहेइर हेइके कतेक दिन रहबे ?

104. **पानीक पका** (माछवार) – नदी धारेक बसकइता लग बेसी लग बेसी भागे पानीक पका हेत।

105. **पानी ढार देवा** (मानसिक राखा) – भीखूइं छवा–पूता बेस रहोत कही के पानी ढार देलेइक।

106. **पानी पावा** (फेरिछ हेवा) – चइतुक बहुइं काइल राइते पानी पावली।

107. **पसल कुकुर काटाहा** (कृतघ्न हेवा, उबगार नि मानेइया) – बेस लग कबऊ पसल कुकुर काटाहा नि हेत।

108. **परेक भाते धुरा देवा** (पेटेक मांड़ लुटी लेवा) – परेक भाते धुरा देवा बेस काम ना लागेइक।

109. **परेक मुंहे चाउर चाबा** (अधीन हेवा) – नागुइं परेक मुंहे चाउर चाबीकेइ जिनगानी पुहावल।

110. **पेटेक माड़े दिन काटा** (कनऽ नियार दिन खेदा) – दुखुइं पेटेक माड़ेइ दिन काटेइ।

111. **पेटे भात नि पचा** (काथा लुकावे नि पारा) – लगे कहत बेटीछवाक पेटे भात नि पचेइन।

112. **पातेइर चाटाहा** (लोभी, छछराहा) – पातेइर चाटाहा लगे काहुँ माइन नि पावत।

113. **फाटल मुंहा** (बाचाल हेवा, इटा-सेटा कही पाइर करा) - फाटल मुंहा लग के केवे बास नि देथिन।

114. **फुटल फूले हाथ नि देवा** (कनऽ काम नि करा) - धनगर लगेक छवाइं फुटल फूले हाथ नि देथिक।

115. **फफर दालाली करा** (सिरकाली करा) - किछु लगे फफर दालाली करिकेइ दिन काटत।

116. **बापेक हाड़** (दुलारेक जिनिस) - आभरन बेटीछवाक तेहें बापेक हाड़ हेकेइक।

117. **बिन पूंछेक गरू** (बेकामी, निकामिया) - दड़ह कामेक दरून लहरू एखन बिन पूंछेक गरू हेल आहे।

118. **बिहा घारे मांड़** (आसाकर उलटा) - कने जानेइ बिहा घारे मांड़ हेतेइक।

118. **बिना पानीइं बही जावा** (अकारन बेरबाद हेवा) - कनऽ काम-उदम नि करेइया लग बिना पानीइं बहाइ जात।

120. **बान नाभा** (रपा उचरेन करा) - एसों हामरा एखन तड़िक बान नि नाभावल आहियो।

121. **भुसाइं चट देवा** (फालतू खाटि मरा) - भुसाइं चट देले काम ठउका नि हेइक।

122. **भेइरता करा** (दमतक माइर-पीट करा) - गांवेक लगे धराल चरटा के भेइरता करलेथिक।

123. **भारी गाते हेवा** (आसापति रहा) -- हारूक बहू एखन भारी गाते आही।

124. **भाते धुरा देवा** (पेटे मारा) - काकरो भाते धुरा देवा बेस काम ना लागेइक।

125. **भींजल आइड़े दांप देवा** (बिना बुझी-सुझी काम करा) - घाखुर लगे कबऊ भींजल आइड़े दांप नि देथिक।

126. **भीतर गेढ़िया** (भीतरिया बदमास) - बुधुवा बेड़े भीतर गेढ़िया लग हेके।

127. **मुंड़ हेंठ हेवा** (अपमान हेवा) - छवा के एसन कनऽ काम नि करा चाही जेटाइं मायं-बापेक मुंड़ हेंठ हेतेन।

128. **मायेक थन काटाहा** (हुमानेक मान नासेइया) - मायेक थन काटाहा लगेक

काहुँ कदर नि हेन।

128. **मछेक पानी हीन करा** (अपमान करा, मान गुचावा) - रघुक छवाटाइं एसन काम करल जे अकर मछेक पानी हीन हेलेइक।

130. **मने-मने गुड़-चिउड़ा खावा** (फालतू आसा करा) - मने-मने गुड़ चिउड़ा खाले धेइ पूरन नि हेइक।

131. **मुंहेक मांस जावा** (पावल जिनिस फुचका) - हेलाक माहान करमाक मुंहेक मास गेलेइक।

132. **मांयेक कराइं बेरा जावा** (उमेइर बाढ़ा) भकतुइं कहल, मिछा काथा नि कहम मायेक कराइं मर बेरा जाइस आही।

133. **मांगल दूधे छवा पसा** (परेक भरसाइं रहा) - मांगल दूधे छवा पसा लगे समाजे कबऊ माइन नि पावत।

134. **मुड़े मुता** (उतपाइत करा) - कहाल गेल आहेइक, एक पूत मुंड़े मुता हेत।

135. **रे-टें नि करा** (साड़ा-सबद नि करा)-लुधुइं बुधु के एसन ढाढ़ावल आहेइक जे एखन तड़िक रे-टें नि करे पारल आहे।

136. **रउदे पानीइं** (सतऽ खन) - चासा लग के रउदे-पानीइं काम करे हेन।

137. **लुठु कुंड़हा हेवा** (सभ बाटे मेसेइया) - जाकर आपन गुमान नि रहे हेइक तेइं लुठु कुंड़हा हेइ के रहेइ।

138. **लुटी आना, कुटी खाना** (नित अरजी के पेट पसा) - जुठुक लुटी आना कुटी खाना घारेक दासा आहेइक।

138. **सना छूले माटी** (बेस करले खाराप हेवा) - दुखिया हतभागाहा हेके अकर छूले सना माटी हेइ जाइक।

140. **सियाड़ गुह परबत** (समये छटऽ जिनिस नि पावा) - दरकारेक समये सियाड़ गुह परबत हेइ जाइक।

141. **सुइ-सुताइं गांथा (छाड़ा-छाड़ी नि हेवा)** - तिरि-पुरूस सुइ-सुताइं गांथाल रहहत।

142. **हा फाड़ी राखा** (मदतेक आसरा करा) - हा फाड़ी राखले कनऽ काम नि हेतोव।

143. **हाया भांगा** (हिंछा पूरन खावा) – पेट माधुवा लगे परेक पावले हाया भांगा खात।

144. **हेंट नि देखा** (गरब करा) – आइज-काइल मदनाक एतना टाका-पइसा हेल आहेइक जे हेंट नि देखेइस।

145. **हाथेक मेइल** (उलुस काम, आवसान काम) – हुनरिया लगेक टाका अरजा हाथेक मेइल हेकेइक।

146. **हांठू माड़ी खावा** (पुरकस खावा) –परेक पावले लगे हांठू माड़ी खात।

147. **हाथ करा** (बसा करा, आपन दावने आना) – रतने मितना के आपन हाथे राखल आहेइक।

148. **हाले-डाले हेवा** (कनऽ बाटे नि हेवा) – बिना बुझी-सुझी काम करले लग बादे हाले-डाले हेत।

148. **हांथे-हाथे देवा** (सलहा साठा करा) – भाइए-भाइए हांथे-हाथ देइके काम करले केतनो आंट काम आवसान माहान हेइ जाइक।

150. **हाटे हाँड़ी भांगा** (काथा पछड़िभुला) – बुधनी हाटे हांड़ी भांगेइया लग हेकी।

आरऽ किछु मुहजरा

आंइखेक बाली (बेइरी, दुसमन) – **आमाबइसाक चांद** (अदेखा), **आहारे पहर** (समय बेरबाद करा), **आदरे बांदर हेवा** (बेसी दुलारे खति हेवा), **आंधड़ काना** (देख-देखान जिनिस नि देखे पावा), **आंइखेक जबरा** (अप्रिय वस्तु, बेस नि करा), **आइग मुता** (बेमतलब काम करा), **आंइखे ठुला लेवा** (नि देखाइ देवा), **कानी माछी** (बे मतलब कर घुरा-फेरा करेइया), **खार-छार हेवा** (बिलकुल नास हेवा), **गात झाड़ा** (जबाब देवा), **जिउ धरा** (सबुर करा), **तिताइ जावा** (परेसान हेवा), **दांत खिसड़ा** (बेमतलब कर हांसी देवा), **दिसा गुड्डुम हेवा** (सोचेक-बुझेक गेयान नि रहा), **नाती भातार करा** (मजबुरीइं काम करा), **पानी हेंटा** (मेहमानी स्वीकार करा), **पेट माधुवा** (दालीदर लग), **पीठे बजर गिरा** (दारून दुख हेवा), **पछड़ी भुला** (बात सर करा), **बासात संग लागेइया**

(बिना मतलब कर झागड़ा करेइया), **मन खड़का** (सन्देह हेवा), **मुड़ गिराइ राखा** (फिकिर करा, भाभना करा), **मुंधेइन खूंटा हेवा** (सभे आपाभार लेवा), **लगेक देखी छेंछाइ हेवा** (हिसका करा), **सात आखड़ा एक करा** (दमतक कसनि करा), **सात पांच भाभा** (सोची-बुझी काम करा), **सांझे न बिहाने** (कखनो निहि), **हांथे मुंठाइ** (सभे नियार), **हाथ भारी हेवा** (पइसा-कउड़िक टान नि हेवा)।

लोकोक्तियाँ (आहना - Proverbs)

लोकोक्ति के कुरमाली माहान 'आहना' 'डाकपुरुसेक काथा', 'सलूक' कहाल जाइक। एसे तऽ लोकोक्ति बा कहावत लेइके पंडितराइं कतेक नियार बिचार प्रगट करल आहात। पं. रामदहिन मिश्रइं 'मुहावरे की भूमिका' माहान लिखल आहात 'कहावत' शब्द कथावत् से हुई है। कथाओं की भांति कहावतें भी लोक प्रसिद्धि युक्त होती हैं। वस्तुतः इनका आधार भी कथाओं का ही खंडित-मंडित एवं विकसित रूप है, इसी से कहावत को लोकोक्ति की संज्ञा मिलती है।"

– लोकोक्ति (आहना) सबद (साड़ा) कर सिरजनेक लेइके नेपाली शब्दकोश माहान टर्नरे लिखल आहात जे कहावत कर मूलरूप 'कथावार्त्ता' हेकेइक। कथा कर 'थ', 'ह' आर वार्ता वत माहान पालटी गेल आहेइक। एहे नियार कथावार्ता ले 'कहावत' कर सिरजन हेल आहेइक।

डॉ. बाबू राम सक्सेनाक अनुजाइं 'कहावत' कर नाता 'कथा-वार्ता' लेइ आहेइक।

महावीर प्रसाद कर बिचार आहेन जे 'कहावत' का सीधा अर्थ किया जाए तो इसके दो टुकड़े होते हैं – कह-आवत अर्थात् जिसके कहने की सुदीर्घ परम्परा हो। एराक कहेक माने हेकेइक जे कनऽ काथा पीढ़ी-दर-पीढ़ी ले कहाल आहेइक।

एबार हियाँ किछु आहना (लोकोक्ति) कर परिभाशा देवाल जाहेइक :- आक्सफोर्ड डिक्शनरीइं लिखल आहेइक –"जनता में प्रचलित कोई छोटा-सा

सारगर्भित वचन, अनुभव अथवा निरीक्षण द्वारा सबको ज्ञात किसी सत्य को प्रकट करने वाली कोई संक्षिप्त उक्ति कहावत है।"

Cervantes कर अनुजाइं आहनाक परिभाषा &Short sentences drawn from long experience . एहे नियार डच भासा माहान आहना के अनुभवकर बेटी कहाल गेल आहेइक (Proverbs are the doughter of experience)- थॉमस फुलरे आहनाक लेइके कहल आहात - A proverb is much matter decocted in to few word."

डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाले 'पृथ्वी पुत्र' माहान लिखल आहात - 'लोकोक्तियाँ मानवी ज्ञान के चोखे चुभते हुए सूत्र हैं। अनन्त काल तक धातुओं को तपाकर सूर्य-राशि नाना प्रकार के रत्नों-उपरत्नों का निर्माण करती है, जिनका आलोक सदा छिटकता रहता है। उसी प्रकार मानवी-ज्ञान के घनीभूत रत्न हैं, जिन्हें बुद्धि और अनुभव की किरणों से फूटने वाली ज्योति प्राप्त होती है।'

इ सभ परिभाषा के जांचल-परखल परे हामरा कहे पारियो जे एसन छटऽ-खाटऽ काथा जेटा अरियाक-परियाक आमल ले कहाल जाहेइक आर जेटाइं सार बात,बिचार, सिक्खा आर चारेक लेइके गूढ़ बात आहेइक। मानुस जीवनकर कनऽ एसन गति-विधि नेखेइक जेटा आहना ले बाहेइर आहेइक। जदि कुरमाली आहना के बाखरावल जाइक तऽ मटामटि भाभे इ नियार खेजा बने पारेइक। जेसन - जाइगा लेइके, जाइत लेइके, चास लेइके, नेग-चार लेइके, पाइख-पाखुड़ लेइके, सिक्खा लेइके, धरम लेइके, खावन-दावन लेइके, अढ़ान-पिंधान लेइके, मानुसेक धरन लेइके, प्रकृति लेइके हेनतेन।

एबार हामरा के जानी हेती जे मुहजरा आर आहना माहान किना फरक आहेइक। अर्थ आर रूप (गढ़न) कर अनुजाइं आहना एकटा सापटा टुम हेकेइक आर मुहजरा टुमेक एकटा खांड़ा। आहना माहान धेइ (उद्देश्य) आर खेइ (विधेय) कर विधान रहे हेइक मनतुक मुहजराइं इ गिला नि रहे हेइक। सेइ माहान कखनऽ-कखनऽ (लोकोक्ति) आहनाक टुम माहान मुहजरा बेबहार हेइक तबे मुहजरा माहान आहना नि ढुके पारेइक।

थिथाइ के दांजले जानाल जाहेइक जे आहनाक टुम माहान साड़ाकर बेरा (काल), झन (पुरुष), लेखा (वचन), लिंग धारिज करल रहे हेइक। तबे मुहजरा माहान कन

साड़ा माहान आइ के बेरा झन आर लेखा के पालटी देइक। मुहजरा माहान साड़ाक् गढ़न बदलाइ जाइ पारेइक मनतुक आहना माहान रिचिक आधेक बदलेइक।

गढ़नेक अनुजाइं आहना आर मुहजरा दुइयो खाटऽ आर सूत रूप माहान रहे हेइक तबे आहनाक गढ़न मुहजरा ले बेसी बड़ऽ रहे हेइक। जेसन - आसापति हेवा, पानी पावा, आंधार देखा, कांड़े-बांसे, छांहेइर देखा। इ सभगिला के जखन तड़िक टुम माहान ना बेबहार करल जाइक तखन तडित्रक इ गिलाक साफा-साफा माने नि बुझाल जाइ पारेइक। मनतुक आहनाक अरथ (माने) बुझेक तेहें कनऽ दसर कर मदतेक दरकार नि हेइक। अर्थकर अनुजाइं आहना खाटऽ आर सूत्र रूप माहान रहेइतकोऊ निजेइ भरल-पूरल रहे हेइक। आहनाइं थेइ आर खेइ दुइयो रहे हेइक। सेइ माहान एकर माने बुझेक हांतिर काकरऽ दरकार नि हेइक। जेसन :- आपन काथाइं तरी, परेक काथाइं मरी। आंगा गुने पांगा, लोहा गुना टांगा। एक दिनेक ताक, न बछर दिनेक भात। कुंड़हा खाय के मरलेक बाप, ताकर बेटाक बेड़े बिरताप। रहिस बकली आसे, मोंय घुरम कारतिक मासे।

लोकोक्तियाँ (आहना - Proverbs)

1. **अबलाक संगे चास, न अदेखाक संगे बास** (अनजान लग संग कनऽ काम नि करा चाही) - धरमाइं बेलुरिया लग संग काम करे लागल मनतुक अकर काम पूरा नि हेलेइक तखन लगे कहे लागलेथिक अबलाक संगे चास न अदेखाक संगे बास करिहिस।
2. **अरजे बरदा, खाय घोड़वा** (केव खाटेइ आर केवे खाय) - कारखानाक मालिके लग के खाटावथिन आर निजे ठाठसिर रहहत, एहेटा केइ कथिक अरजे बरदा आर खाय घोड़वा।
3. **अल, कचु, मान तीनों समान** (एक नियार गुनेक जिनिस) - जन लगेक गुन, सभाभ, काम एके रकम रहे हेन असन लगगिला के कहाल जाइक अल, कचु, मान तीनों एके समान हेकेइक।
4. **आड़हाक काम बाड़हा** (निजे ना करि के दसर के कामेक भार देवा) - दिनुवाइं निजे ना गाय दुही के दसर के दुहेलाइ कहलेइक मनतुक ओंय नि

दुही देलेइक तखन अके फेइर दुही घुरावे हेलेइक, एहे टाके कथिक आड़हाक काम बाड़हा।

5. **आइग काहुँ अदा, न राजा काहुँ दादा** (एसन जिनिस बा लग जाकर काकरो संग नाता नि रहे हेइक) – रतनेक बाप पुलिस आफिसर बनल न ओंय भाभे लागल एबार अके पुलिसे कनऽ नि करबेथिक मनतुक किछु दिन बादे अके पुलिसे बांधी लेगलेथिक न लगे कहे लागला आइग काहुँ अदा हेइक न राजा काहुँ दादा।

6. **आपन संचों, परेक नचों** (आपन जिनिस बेससिर राखी के दसरेक बेरबाद करा) – सभे लगे जानत जे बुधनीक मायेक धंचर हेकेइक आपन संचों आर परेक नचों।

7. **आघाल बकलीक पंठी तीता** (पेट भरल परे धाधानी धरा/मिछाइ फुटानी करा) – कनऽ लग के खायलाइ बेस जिनिस देल परे ओंय खायेक बारन करेन तखन लगे कहे लागत आघाल बकलीक पंठी तीता।

8. **आमे बान, तेंतेइरे टान** – (धरन-झेइड़ कर लेइके अगम बातरा) –इ बछर धान केसन हेतेइक इटाक लेइके लगे कहत आमे बान आर तेंतेइरे टान।

8. **आकालेक बर, चांड़े बेटी बिदाइ कर** (टान माहान काम चांड़े करि पाइर करा) – जन थुभड़ी छवाक आचाकाइ बर आवेइ तखन लगे कथिन आकालेक बर चांड़े बेटी बिदाइ कर।

10. **आरो मुंड़रा बेइल तर** (एक धंग भूल हेंवा) – मितनाइं अकर संगी के किछु टाका धार देल रहेइक मनतुक संगीइं निघुराइ देलेइक आर जखन अहे संगी फेइर मांगे आवल तखन कहलेइक आरो मुंड़रा बेल तर।

11. **आंगा गुने पांगा, लोहा गुने टांगा** (मूल जिनिसेक अनुजाइं काम हेवा) – धनुवा एकटा बेड़े उतपातिया लग रहे, अकर ले बेसी हेल न ले कहे लागला–आंगा गुने पांगा आर लोहा गुने टांगा बनेइक।

12. **आगु मकरी, पेछु छकरी** (लायक हेवा, सामरथ हेवा) – दुखिया बिहा करेक

जालाइं केनियाइ खजे जाइ मनतुक काहुँ ठीक नि हेलेइक न लगे कहे, अकर बेटा लागलेथिक आगु मकरी तबेगाइ पेछु छकरिके आसा करिस।

13. **आपन कामे डर, परेक कामे जर** (आपन ले बेसी दसरेक कामे धेयान देवा) - गांवे बेजाइं एसन लग आहात जारा आपन कामे डर आर परेक कामे बेसी जर देवेइया हेकत।

14. **आपन काथाइं तरी, परेक काथाइं मरी** (आपन अनुजाइं कनऽ काम करले बेस हेइक आर परेक काथाइं चलले बगड़ेइक) - जीवने आगुबाटे बाढ़ेक हेले मानुस के आपन काथाइं तरी आर परेक काथाइं मरी माने कुहुन करे हेइक।

15. **आढ़ाइ बुझे तऽ डेढ़ नि** (सांगी जाने पारा आर कम नि जाने पारा/लाभ बुझे पारा आर हानि नि जाने पारा) - समाज माहान ढेइर एसन लग आहात जारा आढ़ाइ बुझत तऽ डेढ़ नि बुझे पारत।

16. **इ बाइं चाबले उ बाइं दुखाइ** (एक बिपदेक परे दसर बिपद) - दुखुइं सभे जमीं-जाइगा सिराइकुहुन एखन दुइ सांइझेक अन-पानीक जगाड़ नि करे पारेइस आर न कनऽ रइजगार सेइ माहान एसन बिपदे गिरल आहे जेइबाइं चाबले उ बाइं दुखाहेइक।

17. **उपरे टीका फका, भीतरे महुआ पका** (देखइत के उपर बेस मनतुक भीतरे खाराप) - उपरे टीका फका भीतरे महुआ पका जेसन रहेइया लगे बेस लग के जे कनो समये बिपदे गिरावथिन।

18. **उपरे गुड़, भीतरे खुर** (कपटी लग/छल-कपट करेइया लग) - उपरे गुड़ भीतरे खुर एसन लग के बिसास नि करा चाही।

18. **एंड़री बने बिलाइ राजा** (मुरूखेक गठे दर-पढ़ुवाक मान) - निठार मुरूखेक मइधे रिचिक पढ़ल-लिखल लगे असने माइन पावत जेसन एंड़री बने बिलाइ राजा बनेइ।

20. **एक दिनेक ताक, न बछर दिनेक भात** (बतरे काम करले बछर दिनेक खायेक जगाड़ हेइक) अघनुइं खेते पानी हेते मतरे सभे खेत

रपि-डभि पुरावल तखन लगे कहे लागला एक दिनेक ताकेइ बछर दिनेक भातेक जगाड़ हेइक।

21. **एक पूत, न चुल्हाइं मूत** (एकटा बेटा बेसी भागे उतपातिया हेत) – करमीइं अकर साधेक एकटा बेटा के बेजाइं ललऽपतऽ करि के बाढ़ावलेइक मनतुक बड़ऽ हेल परे एक पूत न चुल्हाइं मूत हेलाक।

22. **एक बहुइं ठाकुर, दुइ बहुइं कुकुर, तीन बहुइं हुलके भाकार**–भुकुर (एक तिरि संग जीवन पुहावाटा सभ ले बेस) – जीवने एक ले बेसी बहु राखेइया लगेक कबोउ सुख-शान्ति नि पावत, अराक दासा एक बहुइं ठाकुर, दुइ बहुइं कुकुर आर तीन बहुइं हुलके भाकार-भुकुर हेइ जाइन।

23. **कुंड़हा खायके मरलेक बाप, ताकर बेटाक बेड़े बिरताप** (उलबुधिया हेवा, सूखल फुटानी करा) – मंगरीइं कामिनेक काम करि के अकर छवाटा के पढ़ा-लिखा कराइ के मानुस करलेइक अ छवाक ठाठ-बाट, रंग-ढंग, चाइल-चलन देखी के गांवेक लगे कहे लागला कुंड़हा खाय के मरलेइक बाप, ताकर बेटाक बेड़े बिरताप।

24. **कल कुरमी, कोड़ा,-बेद बिधान छाड़ा** (कोल, कुरमी आर कोड़ा जाइतेक लगे बेदेक अनुजाइं नेग-चार नि करत) –जन जाइतेक लगे बेदेक अनुजाइं नेग-चार नि करत अरा के कल, कुरमी, कोड़ा, बेद बिधान छाड़ा कथिन।

25. **कानी गायेक भिनु बाथान** (काकरो संग मेल नि राखा) – असामाजिक काम करेइया लगेक कानी गायेक नियार भिनु बाथान रहे हेन।

26. **कराक सभा छवना, कानेक सभा सना** (जाइगाक अनुजाइं कनऽ जिनिसेक सभा बाढ़ेइक बा बेस देखाइक) – मायेक कराइं छवा बेस देखात जेसन सना काने पिंधले बेस देखाइक, इटा केइ कहाल गेल आहेइक कराक सभा छवना आर कानेक सभा सना।

27. **कराक छवा गले, धुराक छवा बले** (ढेइर दुलारेक छवा लिड़ी-पिड़ी आर खेइल-कूउ करेइया छवाक जांगड़ा बेसी हेन) -

28. **काड़ा मरेइ हदे, मानुस मरेइ मदे** (आपन करमेक अनुजाइं जियन -मरन) - जे कनऽ जीव-जन्तु चाहे मानुसे सीमा ले बेसी करत अकर मरन सटीक आहेइक, एहे टाकेइ कहाल गेल आहेइक काड़ा मरेइ हदे आर मानुस मरेइ मदे।

29. **काम करबे अंग लागाइ, डहर चलबे संग लागाइ** (मन देइ के काम करले आर संगी संगे डहर-बाट चलले कखनो खति नि हेइक) - मरन काले रघुइं आपन बेटारा के कहलेन जदि अंग लागाइ के काम करबेहे आर संगी डहर-बाट चलबेहे हेले कबोऊ कनऽ खति नि हेतन।

30. **केतनो हेले पारासेक तीन पात** (एक समान दासाइं रहा) - धरम नाथे चास-बाड़ी आर फेर-बेपार करि के ढेइरे टाका-पइसा अरजल तावे अकर जिगानीइं कनऽ फेर-बदल नि हेलेइक तखन लगे कहे लागलेथिक केतनो करले पारासेक तीन पात।

31. **काथा काटा मरद आर पंद ठेला बरद** (परेक भरसाइं काम नि सरेइक) - कनऽ परिवारे काथा काटा मरद आर पंद ठेला बरद रहले कनऽ कामे आगुवाइ नि पारत।

32. **खुंटाक बले पेंइड़का नाचेइ** (परेक भरसाइं हुनेइर देखावेइया, चाहे बलीमान हेवा) - नेताराक भरसाइं चमचाराइ हेत खुंटाक बले पेंइड़का नाचेइया।

33. **खाटबे तऽ चाटबे (**खाटले पेटेक फिकिर नि हेइक) - बापे बेटा के कहलेइक जे कामेक दिने घारे बसी के रहले नि चलतोउ, खेते खाटबे तऽ चाटबे।

34. **खुखड़िक गड़े तेल, न कइलाक संगे मेल** (छटऽ लग के खरमदी नि करा) - भानु न खुखड़िक गड़े तेल देवेइया आर न कइलाक संगे मेल राखेइया लग हेके।

35. **खेड़हा नासाइ गुहे, मानुस नासाइ मुंहे** (विनास हेवेक कनऽ नि कनऽ कारन रहे हेइक) – गांवेक बइठकी माहान मेघुइं आपन के सिरकाल बुझी के इटा-सेटा कहे लागल न लगे अके मरेक धेरिया मारलेथिक तखन लगे कहे लागला खेड़हा नासाइ गुहे आर मानुस नासाइ मुंहे।

36. **गोंइठा पड़े, गोबर हांसे** (निजेक जाइतेक खतिइं रिझ लागा) – जखन तड़िक समाजे जेड़ियाल गोंइठा पड़े गोबर हांसे चलनटा ना गुचेन तखन तड़िक उ समाज आगुबाटे नि बाढ़े पारेइक।

37. **गठे गनाइ, पाघाइं नि बांधाइ** (कनऽ दाय-भार नि लेइके माइन पावा) – मितना गठे गनाइया लग हेके, मनतुक पाघाइं नि बांधाइ खजेइ।

38. **गाछे कंठर, अठे तेल** (भभिसतेक आसा करा) – नकरी-चाकरी नाहुँ पावेतकेइ अकलूइं संचे लागल गाड़ी किनम, दलान बनावम, एहेटा के कथिक गाछे कंठर अठे तेल लेवा।

38. **घाइते चास, बेघाइते बास** (बतरे काम नि करले परे बेजुइत हेवा) – समय घुरी-फेरी नि आवेइक, उटा के कामे लागावले घाइते चास हेइक नि तऽ बेघाइते बास करे हेइक।

40. **घुसल चट नेहाइ गिरे** (सतऽ खन बतर नि पावाइक) – धरमा बतरे कामे खांजाइ नि पारल न पेछु पसताइ लागल, ओंय नि जानेइ जे घुसल चट नेहाइ गिरेक सेटा।

41. **चासा चिनहाइ आइड़े, तांती चिनहाइ पाइड़े** (कामेक हुनेइरेइ मानुस चिनहात) कन लग गिला किना कामे माहुर हेकत सेटा अराक कामेइ दांजाल जात, जेसन चासा आइड़े चिनहात आर ताँती साड़ीक पाइड़े।

42. **छटऽ देखी आड़हाइ, बड़ऽ देखी ढाड़हाइ** (उमेइरेक अनुजाइं काम करे कहा) – समाज माहान एसने परम्पराक चलन आहेइक जे कनऽ काम करे गेले छटऽ देखी आड़हा आर बड़ऽ देखी ढाड़हा हेबे करेइक।

43. **जंदे-जंदे पानीक सत तंदे-तंदे कुरमीक बसागत** (चासाक बसागइत पानीक धारेइ रहे हेन) - इटा जानाल काथा जे पानी बिनु चास नि हेइ पारेइक सेइ तेहें जंदे-जंदे पानीक सत आहेइक तंदे-तंदे कुरमीक बसागत आहेन।

44. **झुड़ी-झांटिक रांधना, न रांड़ी जेनिक कांदना** (कमजोर बा छटऽ जिनिस के महत नि देवा) - झुड़ी-झांटीक रांधल जिनिसेक आर रांड़ी बेटीछवाक कांदना बाटे काकरो धेयान नि जाइन, एहे टाइ कहत झुड़ी-झांटिक रांधना आर न रांड़ी जेनिक कांदना।

45. **टाकाइं नेखेइक रस, टाकाइं करेइ दुनिया बस** (टाकाक दावऽने सभेकाइ हेइ जात) - डमना न धनीमानी हेके आर न गुनीमानी मनतुक आचाकाइ अकर संग दमे टाका हेवेक कारन गाँवेक सभे लग के खावाइ-पियाइ आपन दावऽने राखल आहेन, एहे टाकेइ कथिक टाकाइं नेखेइक रस मनतुक दुनिया के बस करेइक।

46. **डंगुआ जेनिक घार आर दामड़ा गरूक हार** (कम हुनरिया लगेक काम ठीक नि हेइक) - डंगुआ बेटीछवा घार-करनाक काम बेससिर नि करे पारत आर दामड़ा गरूइ हार ठीकसिर नि जताल जाइक, सेइ माहान कहत डंगुआ जेनिक घार आर दामड़ा गरूक हार हेकेइक।

47. **देखाइ चकचक, बासाइ भकभक** (उपरेक ठाठबाटे भीतरेक गुन नि जानाल जाइक) - एखन बेसी भागे लगे चकचकिया जिनिसेक उपरेइ बिसास करत तबे इटा नि जानत जे एकर भीतर भकभक बासाहेइक।

48. **नदी धारेक चास, मिछाइ करे आस** (नदी पासेक चासकर आसा नि करा चाही) - जेठुइं नदी धारेक सभे खेत-गठ एहे आसाइं चांड़ेइ रपल रहे जे इ बछर बेस बेइरसा हेवेक दरून दमे धान हेती मनतुक बाइड़े सभे बहाइ गेलेइक न लगे कहे लागला-नदी धारेक चास मिछाइ करेइस आस।

49. **निरधनियाइं धन पावले, दिनेइ देखेइ तारिया** (आचाकाइ पावल धने गरब करा, हेंठ नि देखा) - दुखियाइं दहततराइं दमे जमी-जाइगा आर टाका-पइसा पावल न हेंठ नि देखे लागल जेसन निरधनियाइं धन पावले दिनेइ तारिया देखे लागथिन।

50. **मकरे पानी टिकरे धान** (मकर सांकराइते पानी बरसले धान बेसी हेवेक संकेत) - चासा लगे बिसास करत जे मकर दिन पानी बरसले टांइड़े-टिकरे धान हेइक।

51. **रहिस बकली आसे, मोंय घुरम कारतिक मासे** (मिछाइ आसा माहान रहा) - एक नेताइं कमल के दिल्ली ले घुरल परे काहुँ नकरीइं खांजाइं देवेक काथा देल रहेइक, मनतुक न नेता घुरल आर न कमले नकरी पावल, एहे नियार धखा के कथिक रहिस बकली आसे मोंय घुरम कारतिक मासे।

52. **लाजाल बाघे लुलुहा चाटे** (काम नि करे पारले नांगसा करा) - दमे जांगड़ा रहेइतकोऊ भीमे जखन साधारन मठरी उठावे नि पारल तखन ओंय लाजाल बाघे लुलुहा चाटे नियार हेइ लागल।

53. **लुटी आना, कुटी खाना** (नित अरजी के दिन खेदा) - मंगल के केवे किछु मांगले कहेन मर दासा तऽ नित लुटी आना, नित कुटी खाना आही।

54. **सावनेक गाछी, माघेक बाछी** (समयेक अनुजाइं हेल काम बेस) - बतर भांजी काम करले उपजन संगी हेइक जेसन सावन मासेक रपल गाछी आर माघ मासे जनम बाछी हेत।

55. **हेंठ मुड़िया, बेड़े एंड़िया** (मने कपट राखेइया, भीतर गेढ़िया बदमास) दीनुवा एसे तऽ काथा-बातराइं बेड़े सीधा-सापटा बुझाइ, मनेक उ हेंठ मुड़िया, बेड़े एंड़िया हेके।

56. **आगुक लेड़हा, पेछुक घोड़ा** (आसते-आसते मनतुक लगातार काम करेइयाक जीत हेइक)

57. **आदिखलाइं पाय, खांखाइ-माखाइं खाय** (नवतन जिनिसे लभ

बाड़हेइक)

58. **आन अनावते कान, पुंइछे धरि टान** (आड़हानेक उलटा काम करा)

58. **आंचे पीठा, चटे चिउड़ा** (तुरूत कनऽ काम नि हेइक)

60. **आंधार कुकुर बासाते भूकेइ** (आथावड़ी गुइल करा)

61. **आप रूचि खाना, पर रूचि पिंधना** (आपन आर दसर लगेक रूचिक अनुजाइं काम करा)

62. **इंचली माछे बिलाती, घंघी मेसा आलती** (एक जिनिस कर दसर संग सटीक मेल हेवा)

63. **उपर कठा फरको बांस, धार-उधार बारो मास** (रिन लेइ के फुटानी करा)

64. **एके मासे जाड़ नि पाड़ाइक** (बतर बार-बार आवेइक)

65. **एसोउ रिन, असोउ रिन, एक खेंचा माछोव रिन** (रिन लेवेकटाइं डर नि करा)

66. **एक माटिइं तीन खंद, उ चासा माराइ पंद** (सांगी चासेइ खति हेइक)

67. **कन बिहाइं दुइ गड़े आरता ?** (साधारन कामे बेसी आड़प करेक दरकार निहिं)

68. **कुकुर भूकले काहुँ बादेइर फाटेइक** (बड़ऽ लगेक काम छटऽ लगे कहले नि टेकाइक)

69. **केरिया कुदरा बाड़िक भूत, खुखड़ी देलेइ चापचुप** (जेसन जिनिस तेसने पूजा)

70. **किनल चाउर, गनल भात** (किनल जिनिसेक बेसी महत)

71. **खिस खाय निज के, बुइध खाय पर के** (राग ले बुइध कर महत बेसी)

72. **खाय हेल तातीइं तात बुनी के, काल हेलेइक एंड़िया गरू किनी के** (बेबुताक काने हानि हेइक)

73. **खाइत के खाम, कामेक बेराइं ठेलाइ हेम** (कामचोर हेवा, कड़ही हेवा)

74. **खाटेइया के भगवान नापेइया** (कमिया के भगवाने मदत करेन)

75. **गांवेक केनियाइ सिंघन नाकी** (पासे माइन नि पावा)

76. **गुंदलीक जालाइं मांचा, न ढेपचुक जालाइं खांचा** (छटऽ जिनिसेक उपर नेजेइर नि देवा)
77. **गरूक मइधे सावना, मानुसेक मइधे बावना** (तागद बेसी धरेइयाक धरन)
78. **गाछेक बांदर चतुराइं चिनहाइ** (कामिया लग रंग-ढंगेइ चिनहात)
78. **गुदली सड़े तऽ धान झड़े** (सांगी बेइरसाइं धान बेसी हेवा)
80. **गावते-गावते गला, बहते-बहते नाला** (नित हइबासेइ माहुर हेवा)
81. **गाय न गरू सुखे निदाइ हारू** (घारे डांगर नि रहले लगेक झकझल नि हेइक)
82. **गलाक मइधे माला, कुटुमेक मइधे साला** (जाइगाक अनुजाइं जिनिसेक मान बाढ़ेइक)
83. **घांसे नाचेइ गरू, धने नाचेइ जरू** (धनेक गरबे मकमकानि)
84. **घार आर बर, माघ मासे कर** (समयेक अनुजाइं काम उसरा)
85. **चांड़ काम भांड़** (चांड़े काम गड़बड़ाइक)
86. **चासे रूप नासे** (खेते काम करले रंग-रूप मलिन हेइक)
87. **जांचले जावाइं पीठा निहिं खाय, भिनसार हेले ढेंकी चाटे जाइ** (मलाइ हेइके नि खावा आर परे चुपे-चुपे खावा)
88. **जाकर भात नि, ताकर जाइत नि** (गरीबेक माइन नि रहा)
88. **जाइतो गेली, पेटो नि भरली** (कनऽ कुले नि हेवा)
80. **जाकर घारे बहू-बेटी, ताकर घारे झुड़ी-झांटी** (धियापुताक घारे जगाड़ बेसी रहे हेइक)
81. **जाकर जेतना जहत, ताकर तेतना महत** (कामियाइं गटाइ माइन पावत)
82. **जाकर गांइठे सना, ताकर फिकिर किना** (धन रहले फिकिर करेक दरकार नि हेइक)
83. **तेलाल मुड़ेइ तेल** (धनीमान के धनी करा)
84. **दादाक भरसाइं कातारी** (परेक भरसाइं रहा)
85. **दुखेक उपर पाचर** (दुखेक उपरे दुख)
86. **नापेक नि ताकर फाटल पइला** (नि देवेक नांगसा करा)

87. **नित सपने बाघे खाय, एसन माहान कइ दिन जाय** (मिछा डरे दुखी हेवा)

88. **परेक देखी करे हाय, जेउ रहे सेउ जाय** (दसर के हिसका करले निजेक खति हेवा)

88. **परेक बेटी न सांपेक पेटी** (तिरि के बिसास नि करा)

100. **पीठे मारी के उठे चुमा** (देखावटी दुलार)

101. **फड़ा फुटले दुख बिसरत** (काम पाइराल परे भूली जावा)

102. **मरन, धरन, पानी, तीन नेही जानी** (मरन, आकाल आर पानी बरसेक धरिज नि कराल जाइ पारेइक)

103. **माछेक मायेक पूतेक सक, आधा सांप आधा बक** (सांगी रहले कम जतन हेइक)

104. **मांदेइरे हिलेइक बादेइर** (नाच-डेगे पानी बरसेक बिसास)

105. **मुरूख ना बुझे, पाथर ना सिझे** (निठार बका के बुझावा दाय)

106. **रका काम, चखा दाम** (नित बेरहन)

107. **रका गोबरे सेंहरेइ** (चांड़े-चुंड़े काम निमटा)

108. **राजाइं खजेइ दाव, न माछिइं खजेइ घाव** (बतरे फायदा लेवा)

108. **राउए चिनहाइ जाइत, कुल-चारे पांइत** (भाखा-चारे काकरो बाचिक पावाइक)

110. **रिन लेइके काने सना** (धार-उधार करि फुटानी करा)

111. **लत आर नारी, बिन खुंटाइं नि पारी** (लता आर बेटीछवा के सहाराक दरकार हेइक)

112. **लुइर न ढंग, अड़हे खजेइ घंग** (बेलुरिया/कनऽ कामे हुनेइर नि हेवा)

113. **सींग सरू, पुंइछ मटा, एसन गरू ना किनिस बेटा** (कड़हि गरूक चनहाप)

114. **सोम-सुकरे चास, बुइधे गिरिह बास** (सुभ दिनेक अनुजाइं काम करा)

115. **हांड़ी किनथिन ठंकी के, केनियाइ करथिन देखी के** (देखी-सुनी, दांजि-भांजि काम करा)

116. **हेंठ बाटे बहाइ, उपर बाटे छांके जाइ** (उलटा काम करा)

117. **कामे कम, खाइत के जम, गाल माइरते मकरदम** (निकामिया लग बेसी फड़रत)

118. **घारे बसी कहेइ बात, ताकर घारे हायभात** (जेइं काम-उदम नि करि के आबगा बात करेइ अकर बिनास निश्चित आहेइक)

118. **खाबे साग-पात, तऽ बमकी उठतोऊ गात** (साकाहारी सभले बेस भोजन हेकेइक)

120. **खुखड़ी काहुँ धन, न गुंदली काहुँ अन** (छटऽ जिनिस धन-सम्पति नि कहाइक)

121. **घिरनी गुने खाय भात, घिरनी गुने हायभात** (घारेक नास -विनास बेटी छवाक हांथेइ आहेन)

122. **जाकर आहेइक पेटेक चिन्ता, सेइं नि जानेइ सीता-गीता** (गरीबों को धार्मिक ग्रंथों से नाता नहीं)

123. **तिरि गरू धान, इ तीने राखे मान** (स्त्री, मवेशी आर धान तीनों मान राखेइया हेकत)

124. **जनम, बिहा, मरन, केवे नि पारेइ खेंटन** (जनम, बिहा आर मरनेक लेइके केवे कहे नि पारत)

125. **चिर दिन गेली बेची काठ, काइल कहेइ काहाँक हाट** (जानी-बुझी के अनजान हेवा)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न बेयाकरन

(क)

1. बेयाकरने काके आपन दावऽने राखी नियम बनावेइ

(क) साहित्य (ख) भासा के

(ग) समाज के (घ) इतिहास के

2. भासाक सभले छटऽ इकाई हेकेइक

(क) टुम (ख) भासा

(ग) धमस (घ) बेयाकरन

3. जेइं भासा के नियमे बांधेइक, अके किना कथिक ?

(क) भाषा विज्ञान (ख) साहित्य

(ग) गीत (घ) बेयाकरन

4. कन खांधाटा सही/ठीक आहेइक

(क) साड़ा > आखड़, > टुम > भासा (ख) टुम > साड़ा > भासा > आखड़

(ग) आखड़ > टुम > साड़ा > भासा (घ) आखड़ > साड़ा > टुम > भासा

5. उसरनिक बिनु किना भजानुक उचारन कराल जाइ पारेइक ?

(क) निहिं (ख) रिचिक-रिचिक

(ग) कखनो-कखनो (घ) कबऊ-कबऊ

6. मटामटि भाभे बेयाकरन केतना खेजा कराल जाइ पारेइक ?

(क) दुइ (ख) तीन

(ग) चाइर (घ) पांच

7. 'कमल' साड़ाटा माहान कइटी धमस (ध्वनि) आहात ?

(क) दुइ (ख) तीन

(ग) पांच (घ) छ

8. 'कलम' साड़ा माहान कइटी आखड़ आहात ?

(क) एक (ख) दुइ

(ग) तीन (घ) चाइर

9. स्पर्श व्यंजन (भजानु) माहान सभे खांधाक मिलाइ कुहुन कइटी आखड़ आहात ?

(क) बीस (ख) चौबीस

(ग) तीस (घ) चालीस

10. अन्तस्थ आखड़ कइटी आहात ?

(क) दुइ (ख) तीन

(ग) चाइर (घ) पांच

11. कुरमाली माहान ऊष्म भजानु कइटी आहात ?

(क) दुइ (ख) तीन

(ग) चाइर (घ) पांच

12. 'राइत' साड़ा माहान पाइन (प्रत्यय) काहाँ आही ?

(क) सुरू माहान (ख) मइध माहान

(ग) आखिर माहान (घ) काहुँ निहिं

13. 'ड़, ढ़' आखड़ गिलाक उचारनेक जाइगा हेकेइक –

(क) कंठ (ख) मूर्धा

(ग) तारू (घ) दांत

14. 'घ' किना रकमेक भजानु हेकी ?

(क) हलुक भजानु (ख) नाखि भजानु

(ग) दमालु भजानु (घ) तीनोक मइधे कनो निहिं

15. 'म' के कन रकमेक भजानु कहाल जाइ पारेइक ?

(क) दमालु भजानु (ख) हलुक भजानु

(ग) नाखि भजानु (घ) उसरनि

ख

संज्ञा (आंगा)

1. 'सिधिया' कन रकमेक आंगा हेकेइक ?

(क) झनबाची (ख) गठबाची

(ग) देरिबबाची (घ) गुनिन/धेइरबाची

2. 'फेदान' आंगाक कन भेद माहान आवतेइक ?

(क) झनबाची (ख) गुनिनबाची

(ग) गठबाची (घ) देरिबबाची

3. 'घउद' कन रकमेक आंगा हेकेइक ?

(क) डिंगबाची (ख) गठबाची

(ग) देरिबबाची (घ) गुनिनबाची

4. 'डांगर' साड़ा कन आंगाक भीतरे राखाल जाइ पारेइक ?

(क) डिंगबाची (ख) झेनगीबाची

(ग) गठबाची (घ) देरिबबाची

5. आंगा कइ रकमेक आहात ?

(क) तीन (ख) चाइर

(ग) दुइ (घ) पांच

6. 'पारसनाथ पाहाड़' कन रकमेक आंगा हेकेइक ?

(क) डिंगबाची (ख) झेनगीबाची

(ग) गठबाची (घ) देरिबबाची

7. 'लुइर' कन रकमेक आंगा हेकेइक ?

(क) गुनिन/धेइरबाची (ख) देरिबबाची

(ग) गठबाची (घ) झेंनगीबाची

8. जन आंगा ले आबगा एकटाक लेइके जानाल जाइक, अके, कन रकमेक आंगा कथिक ?

(क) डिंगबाची (ख) झेनगीबाची

(ग) गठबाची (घ) देरिबबाची

8. जन आंगा ले कनऽ जिनिसेक जुड़ती जानाल जाइक, अके कन आंगा कथिक ?

(क) झेनगीबाची (ख) गठबाची

(ग) डिंगबाची (घ) देरिबबाची

10. **'चाउर' कन रकमेक आंगा हेकेइक ?**

(क) गुनिनबाची (ख) डिंगबाची

(ग) गठबाची (घ) देरिबबाची

11. कनऽ जिनिसेक दासा, दांइज आर गुन जानाल जाइक, अके कन रकमेक आंगा कथिक ?

(क) गुनिनबाची (ख) देरिबबाची

(ग) गठबाची (घ) डिंगबाची

12. 'पीतर' कन रकमेक आंगा हेकेइक ?

(क) झेनगीबाची (ख) देरिबबाची

(ग) गुनिनबाची (घ) डिंगबाची

13. **कनऽ जिनिसेक नाम के किना कथिक ?**

(क) गुनिन (ख) सरान

(ग) आंगा (घ) अउजि

14. 'दालिदर' कन रकमेक आंगा हेकेइक ?

(क) गठबाची (ख) झेनगीबाची

(ग) देरिबबाची (घ) गुनिनबाची

ग

सर्वनाम (अउजि)

1. 'तहरा' कन झनबाची अउजि हेकेइक ?

(क) मीरझन (ख) पिठियाझन

(ग) आनझन (घ) अउजि नहेइक

2. 'आपन काथाइं तरी, परेक काथाइं मरी' इ टुमटाइं 'आपन' अउजिक कन रकम हेकेइक ?

(क) खंचबाची (ख) झनबाची

(ग) नाताबाची (घ) खुदबाची/निजबाची

3. 'हाऊ गरूटा के देखिहिं' इ टुमटाइं 'हाऊ' अउजिक कन भेदेक भीतरे आवतेइक ?

(क) आनसाठीबाची (ख) नाताबाची

(ग) ठउकाबाची (घ) खंचबाची

4. 'जेइं खाटत, तेइं चाटत' इ टुमटाइं 'जेइं-तेइं' अउजिक कन भेद हेकेइक ?

(क) खंचबाची (ख) नाताबाची

(ग) ठउकाबाची (घ) आनसाठीबाची

5. 'किना' साड़ा के अउजिक कन भेद माहान राखाल जाइ पारेइक ?

(क) खंचबाची (ख) आनसाठीबाची

(ग) ठउकाबाची (घ) नाताबाची

6. 'कनऽ नि पावाल' इ टुमटाइं 'कनऽ' किना रकमेक अउजि हेकेइक ?

(क) खंचबाची (ख) आनसाठीबाची

(ग) **नाताबाची** **(घ) निजबाची**

7. आंगाक जाइगाइं आवेइया साड़ा के किना कथिक ?

(क) आंगा (ख) सरान

(ग) अउजि (घ) लेखा

8. 'एहे' कन झनबाची अउजि हेकेइक ?

(क) पिठियाझन (ख) मीरझन

(ग) निजबाची (घ) आनझन

8. 'किछु' अउजिक कन भेद हेकेइक ?

(क) आनसाठीबाची (ख) नाताबाची

(ग) ठउकाबाची (घ) खंचबाची

10. 'कन रहे' इ टुमटाइं 'कन' अउजिक कन भेद माहान राखाल जाइ पारेइक ?

(क) नाताबाची (ख) खंचबाची

(ग) आनसाठीबाची (घ) ठउकाबाची

11. 'जाखरा पढ़ता ताखरा आगुबाटे बाढ़ता' इ टुमटाइं 'जाखरा' आर 'ताखरा' के अउजिक कन भेद मानाल जाइ पारेइक ?

(क) आनसाठीबाची (ख) झनबाची

(ग) नाताबाची (घ) खंचबाची

घ

विशेषण (गुनिन)

1. जन साड़ा ले आंगाक बिसेसता जानाल जाइक, अके किना कथिक ?

(क) सरान (ख) अउजि

(ग) परिक (घ) गुनिन

2. तर संगी जेठू केसन छवा हेके ? इ टुमटाइं केसन गुनिनेक कन भेद हेकेइक ?

(क) गुनबाची (ख) गनानबाची

(ग) जखानबाची (घ) अउजि अंगाबाची

3. ओंय एक बारे 'केतक' आम खाय पारेइ ? हियाँ 'कतेक' कन रकमेक गुनिन हेकेइक ?

(क) जखानबाची (ख) गनानबाची

(ग) गुनिनबाची (घ) अउजि आंगाबाची

4. रामे दमें भार (वजन) उठावे पारेइ, 'दमें' किना रकमेक गुनिन हेकेइक ?

(क) गुनबाची (ख) गनानबाची

(ग)जखानबाची (घ) अउजी आंगाबाची

गुनिन

5. **'डिगर' गुनिनेक कन भेद हेकेइक ?**

(क) अउजि आंगा बाची गुनिन (ख) गनानबाची

(ग) जखानबाची (घ) गुनबाची

6. **'चाइर' साड़ा के गुनिनेक कन भेद माहान राखाल जाइ पारेइक ?**

(क) आनसाठी गुनिन बाची (ख) जखानबाची गुनिन

(ग) ठउका गुनिनबाची (घ) गुनिनबाची

7. **'कन लग आवल रहे' इ टुमटाइं 'कन' किना रकमेक गुनिन हेकेइक ?**

(क) गनती बाची/गनानबाची (ख) अउजि आंगाबाची गुनिन

(ग) जखानबाची गुनिन (घ) गुनबाची

8. **कन रहे ? इ टुमटाइं 'कन' किना हेकेइक ?**

(क) आंगा (ख) खंचबाची

(ग) सरान (घ) अउजि

8. **कन लग आवेइस आहे? हियाँ 'कन' साड़ा के किना कहे पारियोक ?**

(क) खंचबाची अउजि (ख) गुनिनबाची

(ग) अउजि आंगा बाची गुनिन (घ) झनबाची अउजि

10. **'डेड़हा' कन रकमेक गुनिन हेकेइक ?**

(क) गनतीबाची गुनिन (ख) जखान बाची गुनिन

(ग) गुनिनबाची (घ) अनठेकान गनती बाची गुनिन

11. **'चेंदड़' कन रकमेक गुनिन हेकेइक ?**

(क) गुनिनबाची (ख) जखान बाची

(ग) गनती बाची/गनान बाची (घ) अउजि आंगा बाची गुनिन

12. **'बेजाइं' कन रकमेक गुनिन हेकेइक ?**

(क) अउजि आंगाबाची गुनिन (ख) जखान बाची गुनिन

(ग) अनठेकान गनान बाची गुनिन (घ) गुनिनबाची

ङ

क्रिया (सरान)

1. 'करावहेन' किना रकमेक सरान हेकी ?

(क) आंगिक सरान/सिरजान सरान (ख) हुड़न सरान

(ग) बे-सरा सरान (घ) गड़ा सरान

2. 'चिकनावल' साड़ा किना ले बनल आहेइक ?

(क) गुनिन ले (ख) आंगा ले

(ग) सरान ले (घ) अउजि ले

3. 'औंय टेमरस खाहेन' इ टुमटाइं 'टेमरस' किना हेकेइक ?

(क) करनि (ख) करमि

(ग) अउजि (घ) गुनिन

4. 'संड़गेइस' कन रकमेक सरान हेकी ?

(क) आंगा (ख) गुनिन

(ग) करमिक सरान (घ) बेकरनिक सरान

5. 'औंय खाटी के टाका जहड़ावल आहे' इ टुमटाइं कन साड़ाटा बेसरा सरान (पूर्वकालिक क्रिया) हेकेइक ?

(क) टाका (ख) औंय

(ग) खाटी के (घ) जहड़ावल आहे

6. 'अकर गिजड़ल मके बेस नि लागली' माहान सरान आंगा (क्रियार्थक संज्ञा) कन साड़ाटा हेकेइक ?

(क) बेस (ख) गिजड़ल

(ग) लागली (घ) मके

7. 'दिने संड़गा बेस ना लागेइक' इ टुमटाइं कन साड़ाटा सरान आंगा हेकेइक ?

(क) दिने (ख) बेस

(ग) ना लागेइक (घ) संड़गा

8. 'इड़का' कन रकमेक सरान हेकी ?

(क) बेकरमिक सरान (ख) करमिक सरान

(ग) दहरी सरान (घ) सता सरान

8. साड़ाक बादे जड़ाल साड़ाक खांड़ाटा के किना कथिक ?

(क) पेंउदा (ख) गड़ा सरान

(ग) पाइन (घ) जड़ाल सरान

10. 'ओयं घार जाइस आहे' इ टुमटाइं कन साड़ाटा सता सरान हेकेइक ?

(क) ओयं (ख) आहे

(ग) जाइस (घ) घार

11. 'हेके' सरानेक बारनबाची रूप किना हेतेइक ?

(क) नहे (ख) नहेइक

(ग) निहेतेइक (घ) नेखे

12. सिरजन बा गढ़नेक अनुजाइं कुरमालीइं गड़ा सरान कइ रकमेक आहात ?

(क) एक (ख) दुइ

(ग) तीन (घ) चाइर

13. कामेक ठाने सरान कइ रकमेक आहात ?

(क) चाइर (ख) तीन

(ग) दुइ (घ) एक

14. टुम माहान सरानेक दुइ करनि (कर्म) रहले किना कहाल जाइक ?

(क) बेसरा सरान (ख) हुड़न सरान

(ग) सता सरान (घ) दहरी करनि सरान

च

अव्यय /तामान

1. 'झाइर' किना रकमेक क्रिया विषेशण कहाल जाइ पारेइक ?

(क) यौगिक क्रिया विशेषण (जड़ान गुनिन सरान) (ख) स्थानीय क्रिया विशेषण (थानिन गुनिन सरान)

(ग) मूल क्रिया विशेषण (गड़ा गुनिन सरान) (घ) तीनक मइधे कनऽ निहिं

2. 'रसे-रसे' के कन रकमेक क्रिया विशेषण कहाल जाइ पारेइक ?

(क) मूल क्रिया विशेषण (गड़ा गुनिन सरान) (ख) यौगिक क्रिया विशेषण (जड़ान गुनिन सरान)

(ग) स्थानीय क्रिया विशेषण (थानिन गुनिन सरान) (घ) साधारण क्रिया विशेषण (मटामटि गुनिन सरान)

3. 'लुआइठ खाबे', के किना क्रिया विशेषण कहाल जाइक ?

(क) स्थानीय क्रिया विशेषण (थानिन गुनिन सरान) (ख) मूल क्रिया विशेशण (गड़ा गुनिन सरान)

(ग) यौगिक क्रिया विशेषण (जड़ान गुनिन सरान) (घ) अनुबद्ध क्रिया विशेषण (ठउका गुनिन सरान)

4. 'चाइरो गिरदा' कन रकमेक क्रिया विशेषण हेकेइक ?

(क) रीतिवाचक (दस्तुरवाची गुनिन सरान) (ख) परिमाण वाचक (जखानबाची गुनिन सरान)

(ग) कालवाचक (बेराबाची गुनिन सरान) (घ) सीनवाचक (थानबाची गुनिन सरान)

5. 'चाँड़े' के किना रकमेक क्रिया विशेषण कहाल जाइक ?

(क) स्थानवाचक (थानबाची गुनिन सरान) (ख) रीतिवाचक (दस्तुरबाची गुनिन सरान)

(ग) कालवाचक (बेराबाची गुनिन सरान) (घ) परिमाण वाचक

(जखानबाची गुनिन सरान)

6. 'आनखाइ' के क्रिया विशेषणेक किना भेद में राखाल जाइ पारेइक ?

(क) कालवाचक (बेराबाची गुनिन सरान) (ख) स्थान वाचक (थानबाची गुनिन सरान)

(ग) परिमाण वाचक (जखानबाची गुनिन सरान) (घ) रीति वाचक (दस्तुरबाची गुनिन सरान)

7. 'आचकाइ आवल' इ टुमटाक क्रिया विशेषण के किना कहे पारियोक ?

(क) रीतिवाचक (दस्तुरबाची गुनिन सरान) (ख) स्थानवाचक (थानबाची गुनिन सरान)

(ग) कालवाचक (बेराबाची गुनिन सरान) (घ) परिमाण वाचक (जखानबाची गुनिन सराम)

8. बेबहारेक (प्रयोग) अनुजाइं संबंधबोधक केतना रकमेक आहात ?

(क) चाइर (ख) दुइ

(ग) तीन (घ) पांच

8. 'टाकाक बिनु काम नि हेइक' इ टुमटांइ 'बिनु' किना रकमेक तामान हेकी ?

(क) समुच्चयबोधक तामान (ख) विस्मयादि बोधक तामान

(ग) संबंधबोधक तामान (घ) क्रिया विशेषण

10. 'बछर तड़िक रहल' टुमटांइ 'तड़िक' किना रकमेक तामान हेकेइक ?

(क) क्रिया विशेषण (ख) विस्मयादि तामान

(ग) समुच्चय बोधक अव्यय (घ) संबंधबोधक अव्यय

11. 'आर' समुच्चयबोधक कर कन भेद हेकेइक ?

(क) संयोजक (ख) वियोजक

(ग) विरोध दर्शक (घ) परिणाम दर्शक

12. बाप गो ! विस्मयादि बोधक अव्यय कर कन रकमेक भेद हेकेइक ?

(क) आश्चर्य (ख) हर्ष

(ग) अनुमोदन (घ) शोक

13. **बेस ! विस्मयादि बोधक अव्यय कर कन रकमेक हेकेइक ?**

(क) हर्श (ख) आश्चर्य

(ग) सम्बोधन (घ) अनुमोदन

14. **'ओंय चाँड़े आवेइस आही' इ टुमटाइं 'चाँड़े' किना हेकेइक ?**

(क) क्रिया विशेशण (ख) संबंध सूचक अव्यय

(ग) समुच्चय बोधक अव्यय (घ) विस्मयादिबोधक अव्यय

15. **'गाँव मुड़ा तड़िक जाइं' हियाँ 'तड़िक' कन रकमेक अव्यय हेकेइक ?**

(क) क्रिया विशेषण (ख) संबंध सूचक अव्यय

(ग) समुच्चय बोधक अव्यय (घ) विस्मयादि बोधक अव्यय

16. **'फागु आर जेठु जाहात' इ टुमटाइं 'आर' किना रकमेक अव्यय हेकेइक ?**

(क) क्रिया विशेषण (ख) संबंध सूचक अव्यय

(ग) समुच्चय बोधक अव्यय (घ) विस्मयादि बोधक अव्यय

17. **'हाय रे ! अकर मायं मरी गेली' टुमटांइ 'हाय रे' कन रकमेक अव्यय हेइ पारेइक ?**

(क) क्रिया विशेषण (ख) संबंध सूचक अव्यय

(ग) समुच्चय बोधक अव्यय (घ) विस्मयादि बोधक अव्यय

छ

कारक (परिक)

परिक-पाइन मेसाल साड़ा के 'पद' कहाल जाइक आर एहे पद लेइ टुम बनेइक। जखन परिक माहान पाइन नि मेसाल बा जड़ाल रहे हेइक तखन अके पद नि कथिक, बरंच साड़ा कहाइक। इटा जानल काथा जे आबगा साड़ा ले टुम नि बने पारेइक।

परिकेक धरन किना हेकेइक, इटाक लेइके कहाल जाइ पारेइक – पद माहान पाइन जड़ाइ कुहुन कनऽ टुम माहान अकर नाता सरान बा दसर पद संग नाता जानाल जाइक, परिक कहाइक।

कनऽ टुम माहान पदेक नाता नि रहतेइक तऽ उ पद गिलाक आर ना कनऽ टुम कर माने हेइ पारेइक। पद गिलाक एक दसर संग नाता जानेक तेहें उटांइ किछु पाइन जड़ाल जात, जे गिला के परिकेक चिनहा (परसर्ग) कथिन। परिक-पाइन जड़ाल साड़ा के पद कहाल जाइक आर एहे पदगिला ले टुम गढ़ाइक।

1. 'मके कही दे' इ टुमटांइ कन परिकेक चिनहा आहेइक ?

(क) कर्ता कारक (करमि परिक) (ख) सम्प्रदान (दानिन परिक)

(ग) करण कारक (दाराइज परिक) (घ) कर्म कारक (करनि परिक)

2. 'कांड़े बिंधलेइक' टुमटांइ कन परिकेक चिनहा आहेइक ?

(क) कर्म कारक (करनि परिक) (ख) अपादान कारक (बेलग परिक)

(ग) करण कारक (दाराइज परिक) (घ) कर्ता कारक (करमि परिक)

3. 'खातिर' कन परिककर चिनहा हेकेइक ?

(क) कर्ता कारक (करमि परिक) (ख) सम्प्रदान (दानिन परिक)

(ग) करण कारक (दाराइज परिक) (घ) संबंध कारक (नाता परिक)

4. 'जेठु राँची ले गेल' इ टुमटांइ कन परिकेक चिनहा बेबहार करल गेल आहेइक ?

(क) अपादान कारक (बेलग परिक) (ख) अधिकरण कारक (ठेघान परिक)

(ग) कर्म कारक (करनि परिक) (घ) करण कारक (दाराइज परिक)

5. 'ऊँडुइ सांप आहात' इ टुमटांइ कन कारकेक चिनहा आहेइक ?

(क) सम्प्रदान कारक (दानिन परिक) (ख) अधिकरण कारक (ठेघान परिक)

(ग) आपादान कारक (बेलग परिक) (घ) संबंध कारक (नाता परिक)

6. 'जेठुक घार' माहान कन परिकेक चिनहाक बेबहार आहेइक ?

(क) कर्म कारक (करनि परिक) (ख) सम्प्रदान कारक (दानिन परिक)

(ग) संबंध कारक (नाता परिक) (घ) अधिकरण कारक (ठेघान परिक)

7. 'एहो' कन कारकेक चिनहा हेकेइक ?

(क) अधिकरण कारक (ठेघान परिक) (ख) सम्बोधन कारक (बधान परिक)

(ग) संबंध कारक (नाता परिक) (घ) सम्प्रदान कारक (दानिन परिक)

8. 'गीताइं खाली', इ टुमटांइ कारकेक कन चिनहा आहेइक ?

(क) कर्म कारक (करनि परिक) (ख) संबंध कारक (नाता परिक)

(ग) सम्प्रदान कारक (दानिन परिक) (घ) कर्ता कारक (करमि परिक)

8. 'पद' काके कहाल जाइक ?

(क) आंगा-अउजि जड़ाल साड़ा (ख) परिक-पाइन जड़ाल साड़ा

(ग) गुनिन-तामान जड़ाल साड़ा (घ) तीनक मइधे कनऽ निहिं

10. पद माहान पाइन जड़ाइकुहुन टुम माहान जाकर नाता सरान बा दसर पद संग रहेइक अके किना कहाल जाइक ?

(क) आंगा (ख) अउजि

(ग) गुनिन (घ) परिक

ज

वचन (लेखा)

1. खाली जाइगा के ठउका साड़ा माहान भरा।

1. .... माछि बसल आहात।

(क) बेदार (ख) ससता

(ग) हाला (घ) आनखाइ

2. इ बछर .... टेमरस फरल आहात।

(क) डिंग (ख) कुधा

(ग) बेदार (घ) हाला

3. ओंय एक ....माछ लेइके जाइ हेल।

(क) धँप (ख) हाला

(ग) धउद (घ) झँप

4. अकर घारे एक झंपेइर ......टांगल आहेइक।

(क) जनहाइर (ख) कुसुम

(ख) पइना (घ) फूल

5. मके एक घउद .... दे न।

(क) माछ (ख) पइना

(ग) फूल (घ) कुसुम

6. हुआँ एक डिंग ....आहेइक।

(क) फूल (ख) माछ

(ग) पाखना (घ) उड़ीस

7. उ ठीन बेजाइं .... भानभानाहात।

(क) बांदर (ख) रूपु

(ग) गेड़े (घ) माछी

झ
लिंग

पदे (साड़ा) मेसाल पाइन जेटा ले नरलिंग किमबा मादा लिंगकर बाचिक पावाल जाइक अके लिंग कथिक। किछु जूनजूना जानेक काथा जे :-

1. तामान (अव्यय) छाड़ीकुहुन सभे पद दुइ भागे बांटाल आहेइक – 1. नरलिंग आर 2. मादालिंग।

2. नर जाइतेक बाचिक करावेइया पद नर लिंग आर मादा जाइतकर बाचिक करावेइया मादा लिंग कहाइक।

3. नरलिंग ले मादा लिंग करेक तेहें किछु पाइन रहहत, जनगिला के मादा पाइन कहाल जाइक।

4. मादा पाइन गिलाइं आंगा, गुनिन, सरान तीनोंकर नरलिंग के मादा लिंग कराल जाइक।

5. कुरमाली माहान चाइर लिंग मानाल गेल आहात :-

(1) नरलिंग (पुलिंग) (2) मादालिंग (स्त्रीलिंग)

(3) दुजिलिंग (उभयलिंग) (4) लेहरालिंग (नपुंसकलिंग)

1. '**संड़हूर**' कन लिंग हेकेइक ?

(क) नरलिंग (ख) मादालिंग

(ग) लेहरा लिंग (घ) दुजिलिंग

2. '**खुखड़ी**' कन लिंग हेकेइक ?

(क) मादालिंग (ख) नरलिंग

(ग) दुजिलिंग (घ) लेहरालिंग

3. '**पेरूआ**' कन लिंग मानाल गेल आहेइक ?

(क) दुजिलिंग (ख) मादालिंग

(ग) लेहरालिंग (घ) नर लिंग

4. '**पात**' कन लिंग हेकेइक ?

(क) नर लिंग (ख) दुजिलिंग

(ग) मादालिंग (घ) लेहरालिंग

5. '**बरद**' कन लिंग हेकेइक ?

(क) लेहरा लिंग (ख) दुजि लिंग

(ग) नर लिंग (घ) मादा लिंग

6. '**खांखड़ा बिछा**' कन लिंग हेकेइक ?

(क) लेहरा लिंग (ख) मादा लिंग

(ग) दुजिलिंग (घ) नर लिंग

7. '**चिंमटी**' कन लिंग हेकेइक ?

(क) नर लिंग (ख) लेहरा लिंग

(ग) मादा लिंग (घ) दुजि लिंग

8. '**नेदी**' कन लिंग हेकेइक ?

(क) दुजि लिंग (ख) नर लिंग

(ग) मादा लिंग (घ) लेहरा लिंग

8. '**बाछुर**' कन लिंग हेकेइक ?

(क) दुजि लिंग (ख) लेहरा लिंग
(ग) मादा लिंग (घ) नर लिंग

10. कुरमाली माहान **'हाथी'** कन लिंग मानाल गेल आहेइक ?
(क) नर लिंग (ख) दुजि लिंग
(ग) मादा लिंग (घ) लेहरा लिंग

11. एसन पद बा साड़ा जेटाइं **नर आर मादा दुयो कर बाचिक हेइक**, अके किना कथिक ?
(क) लेहरा लिंग (ख) दुजिलिंग
(ग) मादा लिंग (घ) नर लिंग

12. जन आंगा ले **कनऽ लिंग कर बाचिक नि पावाइक**, अके किना कथिक ?
(क) मादा लिंग (ख) दुजि लिंग
(ग) नर लिंग (घ) लेहरा लिंग

13. **कुरमालीइं लिंग** कइ रकमेक मानाल गेल आहेइक ?
(क) दुइ (ख) चाइर
(ग) तीन (घ) पांच

ट
समास (एकुन)

1. **'रसे-रसे'** कन एकुन हेकेइक ?
(क) रंद एकुन (द्वन्द्व समास) (ख) तामानि एकुन (अव्ययीभाव समास)
(ग) लेखा एकुन (द्विगु समास) (घ) खामिद एकुन (बहुब्रीहि समास)

2. **'तेलाइ-पेटा'** कन एकुन हेकेइक ?
(क) करनि धारेइ (कर्मधारय) (ख) लेखा एकुन (द्विगु)
(ग) तामानि एकुन (अव्ययीभाव समास) (घ) रंद एकुन (द्वन्द्व)

3. हामराक हुआँ 'आवा-जावा' नेखी, टुमटांइ **'आवा-जावा'** एकुनेक कन भेद हेकेइक ?

(क) तामानि एकुन (अव्ययी भाव समास) (ख) लेखा एकुन (द्विगु समास)
(ग) रंद एकुन (द्वन्द्व समास) (घ) दासा एकुन (तत्पुरूश समास)

4. **'चउकुन'** कन एकुन हेकेइक ?
(क) रंद एकुन (द्वन्द्व समास) (ख) खामिद एकुन (बहुब्रीहि समास)
(ग) **तामानि एकुन** (अव्ययीभाव समास) (घ) लेखा एकुन (द्विगु समास)

5. **'चिरूनदांती'** कन एकुन हेकेइक ?
(क) खामिद एकुन (बहुब्रीहि समास) (ख) लेखा एकुन (द्विगु समास)
(ग) करनिधारेइ एकुन (कर्मधारय समास) (घ) तामानि एकुन (अव्ययीभाव समास)

6. **'काठ-खटकी'** कन दासा एकुन हेकेइक ?
(क) करमि दासा एकुन (द्वितीया तत्पुरुष) (ख) दानिन दासा एकुन (चतुर्थी तत्पुरुष)
(ग) **दाराइज दासा एकुन** (तृतीया तत्पुरूष) (घ) ठेघान दासा एकुन (सप्तमी तत्पुरुष)

7. **'ढेंकीछांटा'** चाउर हेकेइक, हियाँ 'ढेंकीछांटा' कन एकुन हेकेइक ?
(क) नाता दासा एकुन (षष्ठी तत्पुरुष) (ख) दाराइज दासा एकुन (तृतीया तत्पुरुष)
(ग) **बेलग दासा** एकुन (पंचमी तत्पुरूष) (घ) करमि एकुन (द्वितीया तत्पुरुष)

8. **'कान-पासा'** कन एकुन हेकेइक ?
(क) दानिन दासा एकुन (चतुर्थी तत्पुरुष) (ख) नाता दासा एकुन (षष्ठी तत्पुरुष)
(ग) करमि दासा एकुन (द्वितीया तत्पुरुष) (घ) ठेघान दासा एकुन (सप्तमी तत्पुरु)

9. **'गाँवछाड़ा'** कन एकुन हेकेइक ?
(क) नातादासा एकुन (षष्ठी तत्पुरुष) (ख) बेलग दासा एकुन (पंचमी तत्पुरुष)
(ग) ठेघान दासा एकुन (सप्तमी तत्पुरुष) (घ) दाराइज दासा एकुन (तृतीया तत्पुरुष)

10. **'बन-खुखड़ी'** कन एकुन हेकेइक ?
(क) दानिन दासा एकुन (चतुर्थी तत्पुरुष) (ख) करमि दासा एकुन (द्वितीया तत्पुरुष)
(ग) नाता दासा एकुन (षष्ठी तत्पुरुष) (घ) दाराइज दासा एकुन (तृतीया तत्पुरुष

11. **'गाछ-पाका'** कन एकुन हेकेइक ?
(क) नाता दासा एकुन (षष्ठी तत्पुरुष) (ख) दानिन दासा एकुन (चतुर्थी तत्पुरुष)
(ग) करमि दासा एकुन (द्वितीया तत्पुरुष) (घ) ठेघान दासा एकुन (सप्तमी तत्पुरुष)

12. **'अभागा'** कन एकुन हेकेइक ?

(क)नञ दासा एकुन (नञ् तत्पुरुष   (ख) रंद एकुन (द्वन्द्वसमास)

(ग) लेखा एकुन (द्विगु समास)   (घ) खामिद एकुन (बहुब्रीहि समास)

13. जन एकुनेक **पहिल साड़ा ले गनान बाचिक हेइक, अके कन एकुन कथिक ?**

(क) रंद एकुन   (ख) लेखा एकुन

(ग) खामिद एकुन   (घ) करनिधारेइ एकुन

ठ
वाक्य (टुम)

1. **टुमेक कइटा खेजा (अंग) रहे हेइक ?**

(क) एक   (ख) दुइ

(ग) तीन   (घ) चाइर

2. **'रामे खाइस' इटांइ 'राम' किना हेकेइक ,**

(क) खेइ   (ख) गुनिन

(ग) धेइ   (घ) सरान

3. **गढ़नेक (रचना) अनुजाइं टुम कइ रकमेक आहेइक ?**

(क) दुइ   (ख) तीन

(ग) चाइर   (घ) पांच

4. **कन टुम माहान सरान एक रहेइस ?**

(क) मटामटि टुम (साधारण वाक्य)   (ख) मेसानु टुम जड़न टुम (मिश्र वाक्य)

(ग) भजानु टुम (संयुक्त वाक्य)   (घ) तीनक मइधे कनऽ नि

5. **'आइज तोंय बँहरत जाबे न घारे रहबे', इटा कन रकमेक टुम हेकेइक**

(क) मटामटि टुम (सरल वाक्य)   (ख) भजानु टुम (संयुक्त वाक्य)

(ग) तीनक मइधे कनऽ नि   (घ) जड़न टुम (मिश्र वाक्य)

6. 'ओंय आवल आर मोंय गेलों', इटा के हामरा कन टुम कहे पारियोक ?

(क) जड़न टुम (मिश्र वाक्य) (ख) भजानु टुम (संयुक्त वाक्य)
(ग) मटामटि टुम (सरल वाक्य) (घ) तीनक मइधे कनऽ नि

7. 'छ्वाटीइं कहे लागलेन जे मके करम परबेक आगुए आने जाहिया आर नितर चुपेइ पाड़ाइ जाम' इटा कन रकमेक टुम हेकेइक ?

(क) भजानु टुम (संयुक्त वाक्य) (ख) मटामटि टुम (सरल वाक्य)
(ग) जड़न टुम (मिश्र वाक्य) (घ) तीनक मइधे कनऽ नि

8. भाभेक (अर्थ) अनुजाइं टुमेक कइ भेद आहेइक ?

(क) तीन (ख) पांच
(ग) आठ (घ) दुइ

9. 'बेस छ्वा बेस डहरे जात', इटा कन रकमेक टुम हेकेइक ?

(क) बारन टुम (निषेध वाक्य) (ख) मटामटि टुम (विधि वाक्य)
(ग) खंच टुम (प्रश्न वाचक) (घ) संकेत वाचक (संकेत वाचक)

10. 'मोंय नि खाल आहों' इटा कन रकमेक टुम हेकेइक ?

(क) बारन टुम (निषेध वाक्य) (ख) आड़हान टुम (आज्ञार्थ वाक्य)
(ग) बानछा टुम (इच्छा बोधक) (घ) दगधा टुम (संदेह वाचक)

11. 'सांचा कहें' इटा के कन रकमेक टुम कहाल जाइ पारेइक ?

(क) खंच टुम (प्रश्न वाचक) (ख) बधान टुम (आश्चर्य बोधक)
(ग) आड़हान टुम (आज्ञार्थ वाक्य) (घ) बारन टुम (निषेध वाक्य)

12. 'तोंय मेला देखे नि जाबे ?' इटा कन रकमेक टुम हेकेइक ?

(क) मटामटि टुम (विधि वाक्य) (ख) बारन टुम (निषेध वाक्य)
(ग) आड़हान टुम (आज्ञार्थक वाक्य)
(घ) खंच टुम (प्रश्न वाचक)

13. बाह ! एतेक चांड़े आवले ?' इटा कन रकमेक टुम हेकेइक ?

(क) बधान टुम (आश्चर्य बोधक) (ख) दगधा टुम (संदेहार्थ वाचक)
(ग) आड़हान टुम (आज्ञार्थ सूचक) (घ) बानछा टुम (इच्छा बोधक)

14. 'सनाक थाले भात खांइ' इटा के हामरा कन रकमेक टुम कहे

पारियोक ?

(क) आड़हान टुम (आज्ञार्थ बोधक) (ख) बानछा टुमे (इच्छा बोधक)

(ग) दगधा टुम (संदेह वाचक) (घ) खंच टुम (प्रश्न वाचक)

15. **'ओंय आपन काम-पाइट करल हेताक' इटा कन रकमेक टुम हेकेइक ?**

(क) बानछा टुम (इच्छा बोधक) (ख) खंच टुम (प्रश्न वाचक)

(ग) दगधा टुम (संदेह सूचक) (घ) आड़हान टुम (आज्ञार्थ बोधक)

16. **जदि पढ़े तेलिस तऽ इ दासा नि हेइ तेलोऊउ।**

(क) आड़हान टुम (आज्ञार्थ बोधक) (ख) मटामटि टुम (विधि बोधक)

(ग) बानछा टुम (इच्छा बोधक) (घ) संकेत वाचक (संकेत वाचक)

ङ
काल (बेरा)

1. **सरेक माहान जे पहर लागेइक, अके कथिक -**

(क) सरान (ख) बेरा

(ग) आंगा (घ) लेखा

2. **बेराक कइ रकम आहेइक ?**

(क) एक (ख) दुइ

(ग) तीन (घ) चाइर

3. **'ओंय आवल आही' इ टुम टा चलती बेराक कन उदाहरन हेकेइक ?**

(क) पूरन चलती बेरा (ख) अपूरन चलती बेरा
(ग) टुकु चलती बेरा (घ) दगधा चलती बेरा

4. 'ओंय खेलेइत हेत' चलती बेराक उदाहरन हेकेइक –

(क) टुकु चलती बेरा (ख) अपूरन चलती बेरा
(ग) पूरन चलती बेरा (घ) दगधा चलती बेरा

5. आड़हान चलती बेराक उदाहरन हेकेइक –

(क) तोंय गेल रहिस (ख) तोंय जाइसला
(ग) तोंय पढ़ें (ख) तोंय जाहिस

6. सरानेक सराल बाचिक हेइक, अके कथिक –

(क) चलती बेरा (ख) बिती बेरा
(ग) आवती बेरा (घ) सरान

7. 'मोंय खालों' बिती बेराक कन भेदकर उदाहरन हेकेइक ?

(क) पूरन बिती बेरा (ख) ठाउनि बिती बेरा
(ग) टुकु बिती बेरा (घ) दगधा बिती बेरा

8. दगधा बिती बेराक उदाहरन हेकेइक –

(क) तोंय जाइ हेलिस (ख) ओंय भात खाल हेताक
(ग) ओंय जाइ हेलाक (घ) ओंय हियाँ आवल रहे

8. 'जेठु बाजार गेल आहे' बिती बेराक कन भेद हेकेइक ?

(क) टुकु बिती बेरा (ख) पूरन बिती बेरा
(ग) ठाउनि बिती बेरा (घ) बेपूरन बिती बेरा

10. जन सरान बितल पहरे सरते रहे साही, अके कथिक –

(क) टुकु बिती बेरा (ख) पूरन बिती बेरा
(ग) बेपूरन बिती बेरा (घ) पूरन–अपूरन बिती बेरा

11. 'हामरा पढ़ब' आवती बेराक कन भेद हेकेइक ?

(क) टुकु आवती बेरा (ख) अपूरन आवती बेरा
(ग) पूरन आवती बेरा (घ) आड़हान आवती बेरा

12. 'अरा पढ़ते रहता' आवती बेराक कन भेद हेकेइक ?

(क) पूरन आवती बेरा (ख) अपूरन आवती

बेरा

(ग) टुकु आवती बेरा (घ) पूरन अपूरन आवती बेरा

13. जन सरान आवती खने सरानेक सराल जानाल जाइक अके कथिक

(क) अपूरन आवती बेरा (ख) टुकु आवती बेरा

(ग) पूरन आवती बेरा (घ) आड़हान आवती बेरा

14. 'तोंय घारे रहबे' आवती बेराक कन भेदेक उदाहरन हेकेइक ?

(क) अपूरन आवती बेरा (ख) पूरन आवती बेरा

(ग) टुकु आवती बेरा (घ) आड़हान आवती बेरा

14. 'हेइ पारेइक' आवती बेराक कन भेदकर उदाहरन हेकेइक ?

(क) टुकु आवती बेरा (ख) पूरन आवती बेरा

(ग) दगधा आवती बेरा (घ) आड़हान आवती बेरा

ढ

संज्ञा से विषेशण (आंगा ले गुनिन)

1. दांतेक गुनिन हेकेइक –

(क) दांती (ख) दांतेक

(ग) दांतालु/दांतलु (घ) दांतगर

2. बिहाक गुनिन हेकेइक –

(क) बिहाइं (ख) बिहान

(ग) बिहाक (घ) बिहालु

3. चारेक गुनन हेकेइक –

(क) चारेक (ख) चारी

(ग) चाइर (घ) चारवान

4. धार–साड़ाक गुनिन हेकेइक –

(क) धारेक (ख) धारवान

(ग) धारता (घ) धारदार

5. नून ले गुनिन हेकेइक –

(क) नूनी
(ख) नूनेक
(ग) नुनछिया
(घ) नूना

6. मांदेइर ले गुनिन हेकेइक –

(क) मांदरी
(ख) मांदरिया
(ग) मादरू
(घ) मांदेइर वाला

7. चालान ले गुनिन हेकेइक –

(क) चालान
(ख) चालेइन
(ग) चालानिया
(घ) चाली

त

नर लिंग ले मादा लिंग

1. काड़ा कर मादा लिंग किना हेतेइक ?

(क) किड़ी
(ख) काड़ी
(ग) भंइस
(घ) कनऽ निहिं

2. पुरूस कर ठउका मादा लिंग किना हेतेइक ?

(क) बेटीछवा
(ख) जेनी
(ग) मेहरारू
(घ) तिरि

3. बदा कर मादा लिंग हेकेइक –

(क) बदी
(ख) पांठी
(ग) छागेइर
(घ) पेंठिया

4. जेठानीक नर लिंग हेकेइक –

(क) जेठा
(ख) जेठाना
(ग) जेठानिया
(घ) भेंसुर

5. छटऽ भाइ कर ठउका मादा लिंग हेकेइक –

(क) छटकी
(ख) बवासिन

(ग) छटऽ बहिन (घ) कनऽ निहिं

6. **'एंड़िया' कर मादा लिंग हेकेइक –**

(क) एंड़ियाइन (ख) एंड़नी

(ग) ढाइड़ (घ) एंड़ियान

7. **'साला' कर मादा लिंग हेकेइक –**

(क) साली (ख) सालाइन

(ग) सालिया (घ) सरोजिन

थ

विपरीतार्थक (उलट बगगा/उलथा साड़ा)

1. **'उसट' कर उलथा साड़ा किना हेतेइक ?**

(क) पासट (ख) चँहट

(ग) घिसट (घ) उसटी

2. 'उधना' कर उलथा साड़ा हेकेइक –

(क) उधनी (ख) उधनू

(ग) गुड़िया (घ) उधनिया

3. **'उदार' कर उलथा साड़ा हेकेइक –**

(क) उदारी (ख) उदारिया

(ग) उदारू (घ) सियान

4. **आवगार कर उलथा साड़ा हेकेइक –**

(क) सेउ (ख) आवगारी

(ग) आवगारिया (घ) आवगारू

5. **'निड़ा' कर उलथा साड़ा किना हेतेइक ?**

(क) गटा (ख) डांटऽ

(ग) फरा (घ) निड़ी

6. 'चुहुल' कर उलथा साड़ा हेकेइक –

(क) चुहुली (ख) चुहलीन

(ग) चुहलिया | (घ) निचाल

7. कालहा कर उलथा साड़ा हेकेइक –

(क) कालही | (ख) ठांड़ा

(ग) उरगुम | (घ) कनऽ नि हेतेइक

8. जूंठा कर उलथा साड़ा हेकेइक –

(क) मुनू | (ख) जूंठी

(ग) जुठीन | (घ) जुठिया

द

मुहावरे (मुहजरा

1. 'आइग लागा' मुहजराटाक माने किना हेतेइक ?

(क) आइग लागावेइया | (ख) आइग जरावेइया

(ग) आइग निझावेइया | (घ) झागड़ा लागावेइया

2. 'आसापति हेवा' मुहजराटाक माने किना हेतेइक ?

(क) पतिक आसा करा | (ख) गर्भवती हेवा

(ग) आसाक मालिक हेवा | (घ) आसा करा

3. 'आंइखे धूरा देवा' मुहजराटाक माने हेतेइक –

(क) धखा देवा | (ख) आंइखे धूरा छिंटा

(ग) आंइखे धूरा भरी जावा | (घ) आंइख ले धूर हेवा

4. 'आंधार देखा' मुहजराटाक माने हेकेइक –

(क) आंधार देखे पावा | (ख) गरब करा

(ग) एंधरिया राइत | (घ) नि देखे पावा

5. 'जिंयत जम' मुहजराटाक किना अरथ हेतेइक ?

(क) लउठाहा | (ख) राग हेवा

(ग) जिंयते जम हेवा | (घ) जिध करेइया

6. **'अन्त नि पावा' मुहजराटाक माने हेकेइक –**

(क) सेंस तड़िक नि जाने पावा (ख) हेजाइ जावा

(ग) भीतरी बात नि जाने पावा (घ) आखिर तक नि जाइ पारा

7. **'आपन गड़े ठाढ़ हेवा' मुहजराक माने हेकेइक –**

(क) आत्म निर्भर हेवा (ख) आपन टेंगे डाड़ांइ रहा

(ग) आपन गड़ ठाड़ करा (घ) आपन गड़ सीधा करा

8. **'कांड़े-बांसे रहा' मुहजराक माने हेकेइक –**

(क) कांड़ आर बांस राखा (ख) टंठा-टंठी रहा

(ग) कांड़ आर बांसे घार बनावा (घ) कांड़ आर बांस लेइके रहा।

8. **'कानाक ठेंगा' मुहजराक माने हेकेइक –**

(क) काना लगेक ठेंगा (ख) कानाक हाथे ठेंगा

(ग) काना आर ठेंगा (घ) एक मात्र सहारा

10. **'काने तेल लेवा' माने हेकेइक –**

(क) निचुत रहा (ख) काने तेल भरी लेवा

(ग) कान-कुटुस करा (घ) काने दरद हेवा

11. **'कापाड़ फाटल हेवा' मुहजराक माने हेकेइक –**

(क) जाकर कापाड़ फाटल आहेइक (ख) हतभागाहा

(ग) कापाड़ दुइ भाग हेवा (घ) कापाड़ ऊँचो हेवा

12.'काने-कापाड़े' मुहजराक माने हेतेइक –

(क) कान ले कापाड़ तड़िक (ख) कान आर कापाड़

(ग) गटाटाइ (घ) सभे रकम

13. **'कापाड़ फरकल' मुहजराक माने हेतेइक –**

(क) कापाड़ पसरी जावा (ख) कापाड़ ऊँचो हेवा

(ग) कापाड़ दरकी जावा (घ) भाइगमान हेवा

14. **'खाटी मेड़िया' कर माने हेकेइक –**

(क) बेजार हेवा (ख) खाटी माड़ाइ राखा

(ग) खाटिक मालिक हेवा (घ) खाटिइं बसी रहा

15. **'गात जरी उठा' मुहजराक माने हेतेइक –**

(क) गाते आइग लागा (ख) राग हेवा

(ग) आइगे गात पड़ी जावा (घ) गात छार–खार हेइ जावा

16. **'भारी गाते रहा' मुहजराक अरथ हेकेइक –**

(क) गातेक वजन बेसी हेवा (ख) मटाइ जावा

(ग) आसापति हेवा (ध) गात बेढप हेवा

17. **'घेंचाक माला' मुहजराक माने हेकेइक –**

(क) घेंचाइ माला पिंधा (ख) फूलेक हाइर

(ग) घेंचाइ पिंधेक माला (घ) बेसी पेयारा जिनिस

18. **'चंगा मुंहा' मुहजराक माने हेकेइक –**

(क) बेजाइं मुखड़ हेवा (ख) चंगा नियार मुंह हेवा

(ग) चेंगा मुंह हेवा (घ) चंगा आर मुंह दुयो हेवा

18. **'छांहेइर देखा' मुहजराक माने हेकेइक –**

(क) पाड़ाइ जावा (ख) छांहेइर के देखेइत के रहा

(ग) छांहेइरे रहा (घ) उपरेक तीनोक मइधे कनऽ नि

20. **'जिंयत जम' मुहजराक किना अरथ हेतेइक ?**

(क) जे जम जिंयत आहे (ख) बेसी रागी

(ख) बेसी जिध करेइया (घ) जन जम जिंयत आहे

21. **'दुइ भाग हेवा' मुहजराक माने हेकेइक –**

(क) दुइ करा (ख) फेरिछ हेवा

(ग) दुइ रकमेक भाग करा (घ) दुइठीन भाग करा

ध

लोकोक्ति (आहना)

1. **'उपरे गुड़, भीतरे खुर' आहनाटाक माने हेकेइक**

(क) उपरे गुड़ रहे हेइक (ख) भीतरे खुर रहेइस

(ग) गुड़ आर खुर संगे रहे हेइक (घ) छल-कपट करेइया लग

2. **'कानी गायेक भिनु बाथान' आहनाटाक माने हेकेइक**

(क) कानी गायेक भिनु जाइगा रहे हेन (ख) कानी गाय भिनु चरत

(ग) काकरो संग मेल नि राखा (घ) कानी गाय काहुँ नि जात

3. **'खुंटाक बले पेंइड़का नाचेइ' आहनाटाक अरथ हेतेइक**

(क) खुंटा दड़ह रहले पेंइका नाचेइ (ख) परेक भरसाइं हुनेइर देखावेइया

(ग) खुटाइं पेंइड़का बांधाल जात (घ) खुंटाक बल बेसी रहे हेइक

4. **'गोंइठा पड़े, गोबर हांसे' आहनाटाक सही अरथ हेइ पारेइक –**

(क) निजेक जाइतेक खतिइं रिझ लागा (ख) गोंइठा पड़ेइक तखन गोबर हांसेइ

(ग) गोंइठा पड़ले गोबरेक रिझ लागेइक (घ) गोबर ले गोंइठा बनेइक

5. **'गाछे कंठर, अठे तेल' आहनाटाक भाभ हेकेइक –**

(क) गाछे कंठर फरेइक (ख) भभिसतेक आसा करा

(ग) कंठर खायेक पहिल तेल लागावत (घ) कंठर रांधले बेसी तेल लागेइक

6. **'रहिस बकली आसे, मोंय घुरम कारतिक मासे आहनाटाक माने हेकेइक**

(क) बकली आसाइं रहली (ख) कारतिक मासे घुरेक काथा रहेइक

(ग) मिछाइ आसा माहान रहा (घ) कारतिक मासे नि घुरे पारल

7. **'लाजाल बाघे लुलुहा चाटे'** आहनाटाक माने हेकइक

(क) लाजाले बाघे लुलुहा चाटत (ख) बाघेक लाज नेखेन

(ग) नि करे पारले नांगसा करा (घ) बाघेक लुलुहा नेखेन

8. **'हेंठ मुड़िया, बेड़े एंड़िया'** आहनाटाक अरथ हेकेइक

(क) हेंठ मुड़िया लग बेस हेत (ख) हेंठ मुड़िया लग एंड़िया हेत

(ग) हेंठ मुड़ियाइं एड़ियावथिन (घ) भीतर गेढ़िया बदमास

8. **'आंचे पीठा, चटे चिउड़ा'** आहनाटाक माने हेइ पारेइक

(क) कनऽ काम तुरते नि हेइक (ख) आंच रहले पीठा सिझेक

(ग) चटे चिउड़ा तेयार हेइक (घ) पीठाक तेहें आंच आर चिउड़ाक तेहें ढेकीइं चट

10. 'लुटी आना कुटी खाना' आहनाटाक माने हेकेइक

(क) लुटी के आनत (ख) रजे कामाइ के दिन खेदा

(ग) कुटी के खात (घ) लुटी आनत आर कुटी खात

11. **'घांसे नाचेइ गरू, धने नाचेइ जरू** आहनाटाक अरथ हेकेइक

(क) घांस पावले गरू नाचत (ख) धन पावले जरू रीझे हेत

(ग) धनेक गरबे मकमकनि (घ) गरू के घांस चाही आर जरू के धन

12.'.....................**संगे चास, न अदेखाक संगे बास'** खाली जाइगाटाइं सटीक साड़ा किना हेतेइक ?

(क) गरू (ख) मानुस

(ग) संगिया (घ) अबला

13.**'अल, कचु, मान,** तीनों ....' खाली जाइगाइं कन साड़ाटा हेतेइक ?

(क) गान (ख) समान

(ग) टान (घ) आसान

14. **'आइग काहुँ अदा,** न .... काहुँ दादा' इ आहनाटाक खाली जाइगा माहान सटीक साड़ा भरा।

(क) राजा (ख) परजा

(ग) सरकार (घ) सरदार

15. **'आगु** ....,पेछु छकरी' आहनाटाक खाली जाइगाटा देल साड़ागिला ले बाछी के भरा।

(क) नकरी (ख) अरजी

(ग) मकरी (घ) तरी

16. **'एक दिनेक ताक, न बछर दिनेक** .... इ आहनाक खाली जाइगा भरा।

(क) झांक (ख) बिरताप

(ग) आस (घ) भात

17. **'काम करबे अंग लागाइ,** .... चलबे संग लागाइ' इ आहनाटाक खाली जाइगा भरा।

(क) मेला (ख) बाजार

(ग) डहर (घ) बने

18. **'चासा चिनहाइ आइड़े,** .... चिनहाइ पाइड़े' इ आहनाटाक खाली जाइगा भरा।

(क) साड़ी (ख) बेटीछवा

(ग) तांती (घ) लुगा

18. **'जाकर घारे बहू-बेटी, ताकर घारे** .... इ आहनाटाक खाली जाइगा भरा।

(क) लड़ही-पाटी (ख) झुड़ी झांटी

(ग) थाल-घटी (घ) गिलास-लटी

20. **'भरन, धरन, पानी,** .... नेही जानी' आहनाटाक खाली जाइगाटा भरा।

(क) सभ (ख) केउ

(ग) विधाता (घ) तीन

21. **'तिरि, गरू, धान**, इ तीने राखे ....'

(क) धेयान (ख) मान

(ग) गेयान (घ) जान

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -उत्तर

बेयाकरन

खण्ड – क

1. ख 2. ग 3. घ 4. घ 5. क 6. ख 7. घ 8. ग 8. ख 10. ग 11. क 12. ख 13. ख 14. ग 15. ग

खण्ड – ख (आंगा/संज्ञा)

1. ग 2. ख 3. क 4. ग 5. घ 6. ख 7. क 8. ख 8. ग 10. घ 11. क 12. ख 13. ग 14. घ

खण्ड – ग (सर्वनाम/अउजि)

1. ख 2. घ 3. ग 4. ख 5. क 6. ख 7. ग 8. घ 8. क 10. ख 11. ग

खण्ड – घ (विशेषण/गुनिन)

1. घ 2. क 3. ख 4. ग 5. घ 6. ग 7. ख 8. ख 8. ग 10. ख 11. क 12. ग

खण्ड – ङ (क्रिया/सरान)

1. ख 2. क 3. क 4. घ 5. ग 6. ख 7. घ 8. क 8. ग 10. ख 11. क 12. ख 13. ग 14. घ

खण्ड – च (अव्यय/तामान)

1. ग 2. ख 3. क 4. घ 5. ग 6. ग 7. क 8. ग 8. ग 10. घ 11. क 12. घ 13. क 14. क 15. ख 16. ग 17. घ

खण्ड – छ (कारक/परिक)

1. घ 2. ग 3. ख 4. क 5. ख 6. ग 7. ख 8. घ 8. ख 10. घ

खण्ड – ज (वचन/लेखा)

1. घ 2. ग 3. ख 4. क 5. घ 6. ग 7. घ

खण्ड – झ (लिंग)

1. ख 2. ग 3. क 4. घ 5. ग 6. ख 7. ग 8. घ 8. क 10. ग 11. ख 12. घ 13. ख

खण्ड – ञ

1. घ 2. ग 3. ख 4. क 5. ग 6. ख 7. क 8. घ 8. क 10. ख 11. क 12. ख 13. ग 14. घ 15. ख 16. ग

खण्ड – ट (समास/एकुन)

1. ख 2. क 3. ग 4. घ 5. क 6. क 7. ख 8. क 8. ख 10. ग 11. घ 12. क 13. ख

खण्ड – ठ (वाक्य/टुम)

1. ख 2. ग 3. ख 4. क 5. घ 6. ख 7. क 8. ग 8. ख 10. क 11. ग 12. घ 13. क 14. ख 15. ग 16. घ

खण्ड – ड (काल/बेरा)

1. ख 2. ग 3. क 4. घ 5. ग 6. ख 7. ग 8. ख 8. ग 10. घ 11. क 12. ख 13. ग 14. घ 15. ग

खण्ड – ढ (संज्ञा से विशेषण/आंगा ले गुनिन)

1. ग 2. घ 3. ख 4. ग 5. ग 6. ख 7. ग

खण्ड – त (नर लिंग ले मादा लिंग)

1. ग 2. घ 3. ख 4. घ 5. ख 6. ग 7. घ

खण्ड – थ (विपरीतार्थक/उलथा साड़ा)

1. ख 2. ग 3. घ 4. क 5. ग 6. घ 7. ग 8. क

खण्ड – द (मुहावरे/मुहजरा)

1. घ 2. ख 3. क 4. ख 5. घ 6. ग 7. क 8. ख 8. घ 10. क 11. ख 12. ग 13. घ 14. क 15. ख 16. ग 17. घ 18. क 18. घ 20. ग 21. ख

खण्ड – ध (लोकोक्ति/ आहना)

1. घ 2. ग 3. ख 4. क 5. ख 6. ग 7. ग 8. घ 8. क 10. ख 11. ग 12. घ 13. ख 14. क 15. ग 16. घ 17. ग 18. ग 18. ख 20. घ 21. ख



लेखक

नाम - डॉ. हरदेव नरयण सिंह

कृतियाँ

1. English Grammar: A Study
2. कुरमाली बोली के मुहावरे और लोकोक्तियाँ
3. कुरमाली लोककथाओं की कथानक रूढियाँ: एक अनुशीलन
4. कुरमाली के विविध संदर्भ
5. कुरमाली लोककथाएँ (संकलन)
6. कुरमाली मुँहजारा आहना
7. कुरमाली निबंध
8. एहे डहर
9. महिपाल (संपादन)
10. सृष्टिधरेक गीत (संपादन)
11. कुरमाली, हिन्दी और अंग्रेजी में शोध–पत्रिकाओं एवं विभिन्न पत्र–पत्रिकओं में अनेकानेक लेख प्रकाशित।
12. आकाशवाणी के राँची केन्द्र से कुरमाली और हिन्दी में कविता, वार्ता एवं कहानियों का प्रसारण।

सामाजिक गतिविधियाँ –

1. सांस्कृतिक कला केन्द्र, कोंचो के संस्थापक
2. कुरमाली भाषा परिषद्, राँची के सचिव
3. कई अन्य सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं से सम्बद्ध।

PUBLISHER :-

Jharkhand Jharokha

Shop No. D.G. 03, New building, New Market
Ratu Road, Ranchi (Jharkhand),Pin-834001
Mob. - 09973112040, 09471160792
E-mail : jharkhandjharokha@yahoo.com

मूल्य : 150 रू.

ISBN : 978-93-81720-86-8

978-93-81720-86-8